THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 156 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.9 2083 शनिवार, 5 सितंबर-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सांस्कृतिक सलाहकार बनेंगे मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को दिग्गज अभिनेता और मेगास्टार मिथुन चक्रवर्ती को राज्य सरकार का नया सांस्कृतिक सलाहकार बनाए जाने का ऐलान किया। उन्होंने यह घोषणा कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके न्यू टाउन में 'उत्तम कुमार फिल्म सेंटर' के शिलान्यास समारोह के दौरान की।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने फिल्म और संस्कृति से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बात की और साफ किया कि राज्य सरकार फिल्म जगत से जुड़े कामों में अनावश्यक दखल नहीं देगी। न्यू टाउन में बनने वाले इस फिल्म सेंटर पर करीब 25 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके लिए राज्य के सूचना एवं संस्कृति मामलों के विभाग की ओर से राशि पहले ही मंजूर की जा चुकी है।

बारिश से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भरा पानी, यात्री दिखे परेशान

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एनसीआर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन यानी शुक्रवार की शाम मौसम सुहावना नजर आया और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हुई। बारिश के कारण यहां जगह-जगह जलजमाव की समस्या देखने को मिली। चाहे वो महिपालपुर इलाका हो या साउथ मोती बाग मेट्रो स्टेशन हो या अकबर रोड या फिर इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट। हर जगह जलजमाव दिखा। इस जलजमाव से लोग परेशान दिखे। बारिश के कारण कई इलाकों में ट्रैफिक जाम की भी समस्या देखने को मिली, कई गाड़ियां जाम में फंसी भी दिखीं। दिल्ली के सुब्रतो पार्क इलाके में गाड़ियों की रफ्तार थमी दिखी। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए जलजमाव को लेकर यात्री परेशान दिखे। न्यूज एजेंसी एएनआई के बात करते हुए कहा, मैंने ऐसा हाल पहले कभी नहीं देखा।

ईओएस-05 सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण को पीएम मोदी ने बताया गौरव का पल

दुश्मन देशों पर नजर रखना होगा आसान

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो के जीएसएलवी-एफ17 के सफल प्रक्षेपण पर खुशी जताई। पीएम मोदी ने जीएसएलवी-एफ17 द्वारा धरती के अवलोकन करने वाले उपग्रह-05 (ईओएस-05) के सफल प्रक्षेपण को शानदार उपलब्धि बताया और इसे देश के लिए गौरव का पल बताया। इसरो प्रमुख वी नारायणन ने गुरुवार को एलान किया कि जीएसएलवी-एफ17 यान ने सफलतापूर्वक ईओएस-05 को उसकी निर्धारित कक्षा में स्थापित किया।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में क्या लिखा?

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, 'इसरो की एक और शानदार उपलब्धि और हमारे देश के लिए गौरव का पल। जीएसएलवी-एफ17 से पहले इमेजिन उपग्रह ईओएस-05 का जियोसिनक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित करना हमारे अंतरिक्ष क्षेत्र की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक है।' पीएम मोदी ने इसरो और देश के निजी संस्थानों के बढ़ते सहयोग की भी तारीफ की और कहा कि इससे देश का अंतरिक्ष क्षेत्र मजबूत हो रहा है। वहीं ईओएस के सफल प्रक्षेपण पर इसरो प्रमुख वी नारायणन ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि ईओएस-05 के काम शुरू करने के बाद यह भारत को अहम रणनीतिक डेटा देना शुरू कर देगा। इसरो प्रमुख ने बताया कि ईओएस-05 उपग्रह का वजन 2367 किलोग्राम है और यह अच्छी तरह से काम कर रहा है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में कहा, 'अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत के लिए एक और बड़ी कामयाबी! जीएसएलवी-एफ17/ईओएस-05 के सफल लॉन्च के लिए इसरो की टीम को बधाई। ईओएस-05 एक उन्नत धरती के अवलोकन उपग्रह है और जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है।

यह उपग्रह विजिबल, इन्फ्रारेड, मल्टी-स्पेक्ट्रल और हाइपर-स्पेक्ट्रल बैंड में एडवांस्ड इमेजिंग की सुविधा देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत की अंतरिक्ष क्षमताएं लगातार नई ऊंचाइयां छू रही हैं और एक वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के तौर पर हमारी स्थिति मजबूत हो रही है।' ईओएस-05, जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट यानी करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई से तस्वीरें लेने वाला पहला उपग्रह है।

> आपदा से पहले अलर्ट करेगा

जीएसएलवी-एफ17 से पहले इमेजिन उपग्रह ईओएस-05 को जियोसिनक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित करना हमारे अंतरिक्ष क्षेत्र की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सीबीआई का ऑपरेशन चक्र-VI

डिजिटल अरेस्ट पर वार, 20 राज्यों में 89 जगहों पर छापेमारी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े अपराधों के खिलाफ देश भर में सख्त कार्रवाई की है। 20 राज्यों में 89 जगहों पर छापेमारी की गई है। 'ऑपरेशन चक्र-VI' के तहत सीबीआई ने तीन आरोपी गिरफ्तार किए हैं। 'डिजिटल अरेस्ट' की समस्या देश भर के नागरिकों के लिए एक गंभीर खतरा बना हुआ है।

इन अपराधों के चिंताजनक स्तर को गंभीरता से लेते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को निर्देश दिया है कि वह दोषियों और ऐसे अपराधों में मदद करने वाले बड़े नेटवर्क के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे। 'डिजिटल अरेस्ट' के तीन केसों में 41 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी सामने आई है। संगठित साइबर अपराध के खिलाफ अपनी लगातार लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए, सीबीआई ने अलग-अलग राज्यों से 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े कई मामले अपने हाथ में लिए हैं। साइबर अपराधी कानून-प्रवर्तन और सरकारी अधिकारियों का रूप धरकर पीड़ितों को डिजिटल रूप से बंधक (डिजिटल अरेस्ट) बना लेते थे। उन्हें बड़ी रकम ट्रांसफर करने के लिए मजबूर करते थे। इनमें से तीन मामलों में, सीबीआई ने देश भर में समन्वित तलाशी अभियान चलाया है।

इस दौरान धोखाधड़ी से हासिल पैसे का पता लगाने, सिंडिकेट के पीछे के लाभार्थियों और संचालकों की पहचान करने और सबूत नष्ट होने से पहले आपत्तिजनक सामग्री ज़ब्त करने के लिए एक साथ कार्रवाई की गई। ये ऑपरेशन विस्तृत वित्तीय और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर बहुत सावधानी से प्लान किए गए थे, जिसमें बैंक खातों और ऑनलाइन अकाउंट एक्सेस डेटा की जांच शामिल थी।

> न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला <

सात राज्यों में 62 साल होगी जजों की रिटायरमेंट उम्र

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जिला न्यायपालिका के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाने को लेकर बड़ा निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने सात राज्यों को न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने यह निर्देश दिया। शीर्ष अदालत का कहना है कि अनुभवी न्यायिक अधिकारियों को सिस्टम में बनाए रखना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और मध्य प्रदेश को अपने सेवा नियमों में बदलाव करना होगा। महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी सेवानिवृत्ति उम्र 62 साल करनी होगी। इन राज्यों को सेवा नियमों में संशोधन करने के लिए शीर्ष अदालत ने कहा है कि यह काम जल्द से जल्द किया जाए। कोर्ट ने इसे अधिमानतः दो महीने के भीतर पूरा करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि नियमों में बदलाव होने तक इन सात राज्यों में 60 साल की उम्र पूरी करने वाले न्यायिक अधिकारी सेवानिवृत्त नहीं होंगे। उन्हें 62 साल की उम्र तक सेवा में रहने का मौका मिलेगा। हालांकि, यह अपने आप मिलने वाला अधिकार नहीं होगा। संबंधित हाईकोर्ट अधिकारी की योग्यता और प्रदर्शन का आकलन करेगा।

शीर्ष अदालत ने उम्र बढ़ाने के साथ एक जरूरी शर्त भी रखी है। 60 साल की उम्र पूरी करने वाले अधिकारी की उपयुक्तता का आकलन संबंधित हाईकोर्ट करेगा। इसका मकसद यह है कि सिर्फ उम्र बढ़ने के आधार पर हर अधिकारी को सेवा में बने रहने का मौका न मिले। काम और प्रदर्शन के आधार पर तय किया जाएगा कि कौन अधिकारी आगे सेवा में रहने के योग्य है। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे अधिकारियों के लिए भी राहत का रास्ता खोला है। सात राज्यों में जिन न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति 31 मार्च 2026 या उसके बाद हुई है, उन्हें दोबारा न्यायिक सेवा में आने का विकल्प दिया जाएगा।

अनुभवी न्यायिक प्रतिभा को बनाए रखना जरूरी है, ताकि न्यायिक सेवा में खाली पदों का अंतर कम हो और न्याय तक लोगों की पहुंच केवल एक उम्मीद बनकर न रह जाए।

सुप्रीम कोर्ट

इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी की खास उपलब्धि पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी को बधाई दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि इटली के युद्ध और बाद के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने पर मेरी मित्र प्रधानमंत्री मेलोनी को बधाई। यह उपलब्धि उनके नेतृत्व में इटली की जनता के भरोसे और विश्वास को दर्शाती है।

पीएम मोदी ने इस दौरान भारत और इटली के संबंधों का जिक्र किया। पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को बधाई देते हुए एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में लिखा, 'इटली के युद्ध- बाद के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने पर मेरी मित्र प्रधानमंत्री मेलोनी को बधाई। यह उपलब्धि उनके नेतृत्व में इटली की जनता के भरोसे और विश्वास को दर्शाती है। भारत-इटली विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में उनकी दोस्ती की अहम भूमिका रही है।

नेपाल बाढ़-9 दिन बाद सुरंग से जिंदा निकले 2 मजदूर

आवाज सुनकर रेस्क्यू टीम ने बचाया, 40 के अब भी फंसे होने की आशंका

काठमांडू, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल बाढ़ के 9 दिन बाद त्रिशूली-3 'A' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से 2 मजदूर जिंदा निकाले गए हैं। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी पहचान संजय साह और कबीर महर्जन के रूप में हुई है। बाढ़ के बाद सुरंग में 42 कर्मचारी और मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। दो लोगों के जिंदा मिलने के बाद बचाव अभियान में उम्मीद बढ़ी है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सुरंग के भीतर से इंसानी आवाज सुनाई देने की सूचना मिली थी। इसके बाद नेपाल सेना और सशस्त्र पुलिस बल की टीमें सुरंग में दाखिल हुईं और तलाशी अभियान तेज किया। बाढ़ से अब तक 5,300 से ज्यादा लोग लापता हैं। अब तक 1,282 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि राहत और बचाव दलों ने 12,038 लोगों को सुरक्षित निकाला है।

आतंकियों से मुठभेड़, एक आतंकी ढेर, एके राइफल बरामद-दूसरे आतंकी की तलाश जारी

श्रीनगर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले के घने जंगलों में शुक्रवार को सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान के दौरान एक आतंकी मारा गया। अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और इलाके में सतर्कता बढ़ा दी। संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर जवानों ने आतंकियों को चुनौती दी। इसके बाद आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाल लिया। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में एक आतंकी मारा गया। अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने मारे गए आतंकी के पास से एक एके राइफल और अन्य सामग्री बरामद की है।

इलाके में तलाशी अभियान जारी है और सुरक्षाबल आसपास के क्षेत्रों में भी सतर्कता बरत रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार इलाके में एक और आतंकी के छिपे होने की आशंका है। उसे पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है और आसपास के जंगलों में भी सघन तलाशी ली जा रही है। घाटी में कई महीनों के अंतराल के बाद इस तरह की मुठभेड़ हुई है।

स्वतंत्र भारद्वाज पकड़ा गया

> दिल्ली पुलिस ने मारपीट के आरोपी को बुलंदशहर से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रा नीशु आजाद के पिता से मारपीट करने वाले आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को बुलंदशहर से हिरासत में ले लिया है। पुलिस को उसके बुलंदशहर में होने की इनपुट मिले थे इसके बाद दिल्ली पुलिस की एक टीम ने उसे पकड़ने के लिए खास प्लान बनाया और सभी लोग सादे कपड़ों में पहुंचे और उसे दबोच लिया। इससे पहले ये खबर भी आ रही थी कि स्वंत्रत भारद्वाज मौके से फरार हो गया है। उसके हेलमेट पहनकर बाइक से भागने की खबर आ रही थी।

रेप की धमकियों से घर से निकलने में लगता था डर

इससे पहले निशु आजाद के पिता के साथ मारपीट मामले में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर शुक्रवार को दिनभर गहमागहमी रही। इस मामले में पीड़िता निशु आजाद, उनके पिता संजय आजाद, आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद, सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास, आशुतोष रांका और वकील ऋषभ रंजन ने मीडिया से बात की और पुलिस से हुई बातचीत की जानकारी दी।

सीजेपी कार्यकर्ता निशु आजाद ने कहा कि पिछले कई दिनों से आरोपी के समर्थक उन्हें गालियां दे रहे थे और रेप की धमकियां दे रहे थे। निशु ने कहा कि सच बताऊं तो इतने दिनों से जो लोग मुझे गालियां दे रहे थे और रेप की धमकियां दे रहे थे। मैंने उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई है। अब उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है और मुझे उम्मीद है कि पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि इन धमकियों की वजह से उनकी जिंदगी पर गहरा असर पड़ा है। जिस तरह से ये लोग मुझे गालियां दे रहे थे, रेप की धमकियां दे रहे थे और मेरे अश्लील स्टिकर बना रहे थे, उसकी वजह से मुझे घर से बाहर निकलने में भी शर्म आ रही थी। इस घटना की वजह से डर के चलते मैं दो-तीन हफ्ते कॉलेज नहीं गई। और अब जब जाती हूं तो लगता है कि सब मुझे जज कर रहे हैं, बहुत बुरा लगता है।

मुझे उम्मीद है कि पुलिस अब कार्रवाई करेगी ताकि मुझे ये सब और न सहना पड़े। अब तक पुलिस जवाब नहीं दे रही थी लेकिन अब दे रही है। तो उम्मीद है कि पुलिस इसी तरह कार्रवाई भी करेगी। निशु के पिता संजय आजाद ने जानकारी दी थी कि दिल्ली पुलिस ने एफआईआर में कानूनी धाराओं को शामिल करने की हमारी मांग मान ली है। पुलिस ने हमें 72 घंटे का समय दिया है।

आरजी कर रेप केस में पानिहाटी चेयरमैन गिरफ्तार

कोलकाता, 4 सितंबर (एजेंसियां)। 2024 के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में पुलिस ने टीएमसी नेता सोमनाथ डे को गिरफ्तार किया है। सोमनाथ पानिहाटी नगरपालिका के चेयरमैन भी हैं। सोमनाथ को बुधवार सुबह बेंगलुरु में छापेमारी के दौरान डे को पकड़ा था। गुरुवार रात करीब 2:20 बजे उन्हें बंगाल लाया गया। जांच अधिकारियों का आरोप है कि सोमनाथ डे ने अपराध के बाद सबूत नष्ट करने की कोशिश की। आरोप है कि उन्होंने पीड़िता के शव का जल्द अंतिम संस्कार कराने में मदद की। आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त 2024 की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की लाश सेमिनार हॉल में मिली थी। 20 जनवरी 2025 को सेशंस कोर्ट ने आरोपी संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

पीएम मोदी-अमित शाह ने दी बधाई

देशभर के मंदिरों में उमड़ा भक्ति का सैलाब

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन्माष्टमी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं और निष्काम कर्म के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण के दिव्य संदेश मानवता को लगातार मार्गदर्शन देते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कामना की कि भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और आराधना का यह पावन अवसर हर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति लेकर आए। उन्होंने देशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए जय श्रीकृष्ण कहा।

चीन की 'आंखों का मर गया पानी'

शशि थरूर ने लिखा, भारत-नेपाल के साथ लेनदेन वाला रवैया रखता है बीजिंग

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर ने हाल ही में आई नेपाल आपदा पर एक लेख लिखा है। इसमें उन्होंने हिमालयी एशिया की नाज़ुक और आपस में जुड़ी हुई पारिस्थितिक सच्चाई बयान की है। शशि थरूर ने लिखा-एक सम्मेलन में सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता रबी लामिछाने ने एक ऐसी मार्मिक बात कही जो आम राजनयिक बातों से कहीं अलग और गहरी थी। उन्होंने चलते-चलते यह बात कही कि भारत, चीन और नेपाल के बीच चाहे जो भी भू-राजनीतिक तनाव, रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता या सीमा विवाद हों, ये तीनों देश अनिवार्य रूप से एक ही एकीकृत पर्वत प्रणाली का हिस्सा हैं। उनकी बातों ने काठमांडू में मौजूद लोगों की उस साझा भावना को उजागर किया। यह त्रासदी केवल एक अलग-थलग स्थानीय घटना नहीं थी, बल्कि तेजी से बढ़ती ग्लोबल वॉर्मिंग का एक स्पष्ट प्रमाण थी।

थरूर ने लिखा-यह एक कड़वी विडंबना है कि नेपाल, जिसका ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन न के बराबर है, उसे वैश्विक जलवायु परिवर्तन के सबसे कठोर और तत्काल परिणामों का सामना करना पड़ता है, जबकि उसके विशाल और अत्यधिक औद्योगिक पड़ोसी खासकर उत्तर की ओर स्थित देश वायुमंडलीय वॉर्मिंग के उस बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं, जिसके कारण हिमालय के ग्लेशियर टूट रहे हैं।

पेंगुइन इंडिया के इनकार के बाद हार्पर कॉलिन्स छापेगा सोनिया गांधी की आत्मकथा

> 10 नवंबर से होगी बिक्री

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' अब हार्पर कॉलिन्स द्वारा प्रकाशित की जाएगी। हार्पर कॉलिन्स ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। अपने पोस्ट में हार्पर कॉलिन्स ने लिखा, 'हार्पर कॉलिन्स इंडिया सोनिया गांधी की बहुप्रतीक्षित संस्मरण किताब 'बिलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव' को प्रकाशित करेगी। लंबे समय से प्रतीक्षित यह संस्मरण भारत में 10 नवंबर, 2026 को प्रकाशित होगा।'

बयान में कहा गया, 'हमारे समय के सबसे बहुप्रतीक्षित राजनीतिक संस्मरणों में से एक 'बिलॉन्गिंग' प्रेम, पहचान, कर्तव्य और अपनत्व की एक नाटकीय एवं बेहद निजी कहानी है। यह पुस्तक भारत की यात्रा और उसके विकास को एक दुर्लभ अंदरूनी नजरिए से प्रस्तुत करती है।' गौरतलब है कि सोनिया गांधी की आत्मकथा को लेकर देश में खूब सियासत हुई। दरअसल पेंगुइन इंडिया ने सोनिया गांधी की आत्मकथा को छापने से इनकार कर दिया था।

दरअसल सोनिया गांधी की किताब के प्रकाशन के अधिकार हासिल करने वाली कंपनी- पेंग्विन रैंडम हाउस ने भारत में सोनिया की आत्मकथा को प्रकाशित न करने का फैसला लिया। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रकाशक कंपनी ने किताब की मूल स्क्रिप्ट में कुछ संपादकीय बदलावों और संवेदनशील हिस्सों को हटाने की मांग की, जिसे सोनिया गांधी ने स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद पेंग्विन ने इस प्रोजेक्ट से अपने कदम पीछे खींच लिए। हालांकि पेंगुइन रैंडम इंडिया की प्रकाशन इकाई अल्फ्रेड ए. नॉफ, दुनियाभर में इस किताब का प्रकाशन कर रही है।

सोनिया गांधी की आत्मकथा छपने का रास्ता साफ

- पेंगुइन इंडिया के इनकार पर हुआ था सियासी बवाल।
- इस मुद्दे पर भाजपा-कांग्रेस में हुई तीखी बयानबाजी।
- अब हार्पर कॉलिन्स ने किताब छापने का किया एलान।
- 10 नवंबर 2026 से किताब बिक्री के लिए उपलब्ध होगी।

'राय रखने पर मारपीट लोकतंत्र पर प्रहार'

पुणे, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने सामाजिक कार्यकर्ता विद्यानंद बापट के समर्थन में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बापट ने जो मुद्दा उठाया है, वह सही है। वह गलत प्रथाओं के खिलाफ अपनी आवाज उठा रहे हैं।

पवार ने बापट पर हुए हमले की भी कड़ी निंदा की। पवार ने कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ अपनी राय रखने के कारण पीटना लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने यह भी कहा कि अलग राय रखने का मतलब हिंसा नहीं हो सकता। विद्यानंद बापट सार्वजनिक त्योहारों में तेज आवाज वाले डीजे और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल का खुलकर विरोध कर रहे हैं। इसमें आने वाला गणेशोत्सव भी शामिल है। उनका कहना है कि त्योहारों के दौरान ध्वनि प्रदूषण से जुड़ी समस्या पर ध्यान दिया जाना चाहिए। बापट पिछले महीने पुणे नगर निगम की एक बैठक में भी इस मुद्दे को लेकर मुखर हुए थे।

तोड़फोड़ के बाद फायर सेफ्टी का एक्शन अभिषेक बनर्जी का दफ्तर सील

बेसमेंट समेत तीन फ़्लोर कराए गए खाली

कोलकाता, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल फायर डिपार्टमेंट ने शुक्रवार को मध्य कोलकाता की एक ऊंची इमारत के बेसमेंट, छठे और सातवें फ़्लोर को खाली करने का आदेश दिया। इस बिल्डिंग में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी का ऑफिस है। अधिकारी के मुताबिक, फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम नहीं मिलने के कारण यह कार्रवाई की गई है।

विभाग के अनुसार, इमारत का फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट 10 अगस्त को खत्म हो चुका था। जांच में फायर फाइटिंग सिस्टम, आपात निकासी मार्ग और फायर अलार्म से जुड़ी खामियां सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है। यह आदेश अभिषेक बनर्जी के कामाक स्ट्रीट स्थित ऑफिस में तोड़फोड़ की घटना के एक दिन बाद आया है। टीएमसी ने इस हमले के लिए भारतीय जनता पार्टी से जुड़े लोगों को जिम्मेदार ठहराया था, जबकि सत्ताधारी पार्टी ने इन आरोपों से इनकार किया है।

बता दें कि करीब एक हफ्ते पहले अधिकारियों ने इसी बिल्डिंग से टीएमसी का एक 'अवैध' होर्डिंग हटाया था। उस दौरान अभिषेक बनर्जी के निजी सुरक्षाकर्मियों, उनके समर्थकों और पार्टी के कुछ नेताओं की पुलिस तथा कोलकाता म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के अधिकारियों के साथ झड़प हुई थी। शुक्रवार को की गई कार्रवाई को लेकर एक फायर अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि ऊंची इमारत के बेसमेंट में फायर सेफ्टी का कोई इंतजाम नहीं मिला। इसके बाद हमने बिल्डिंग के मालिक को कारण बताओ नोटिस भेजा और उन्हें 48 घंटे की समय-सीमा दी। तय समय में कोई जवाब नहीं मिला और समय-सीमा खत्म होने के बाद बेसमेंट, छठे और सातवें फ़्लोर को खाली करने का नोटिस जारी किया गया है।

शक और गुस्से में पत्नी पर हमला

वेस्ट गोदावरी, 4 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के अदसूर इलाके में एक पति ने बिना किसी ठोस वजह के अपनी पत्नी पर हमला कर दिया। यह घटना जिले की तुनुकु पाथावुरु इरागावरम कॉलोनी में हुई। दुर्गा प्रसाद नाम का व्यक्ति अपनी पत्नी भवानी के साथ इरागावरम कॉलोनी में रहता है।

पति को अपनी पत्नी पर शक था और वह अक्सर उससे झगड़ता रहता था। कल रात भी दोनों के बीच झगड़ा बहुत बढ़ गया। गुस्से में आकर दुर्गा प्रसाद ने अपनी पत्नी पर बुरी तरह हमला कर दिया। इस हमले में भवानी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसकी हालत गंभीर थी। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे सरकारी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने भवानी की जांच की और बताया कि उसकी हालत बहुत गंभीर है, इसलिए उसे बेहतर इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर विमान ने पोल को सामने से ठोका

नवी मुंबई से पहुंची थी इंडिगो की फ्लाइट

श्रीनगर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इस वक्त की बड़ी खबर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से सामने आ रही है। यहां यात्रियों को लेकर नवी मुंबई से श्रीनगर पहुंचा विमान एक पोल से टकरा गया। बताया जा रहा है कि यह हादसा एयरपोर्ट पर पार्किंग प्रक्रिया के दौरान हुआ। हादसे के समय विमान में यात्री भी सवार थे। हालांकि यात्रियों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। फिलहाल सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। वहीं घटना की वजह को लेकर अभी जांच की जा रही है। एयरपोर्ट पर अन्य विमानों की आवाजाही सुचारू रूप से जारी है।

वीडीजीएस पोल से टकराया विमान

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एक बयान में कहा, नवी मुंबई से श्रीनगर जाने वाली इंडिगो की फ़्लाइट 6ई 225 (वीटी-एनओजी) के साथ श्रीनगर एयरपोर्ट पर बे नंबर 06 पर पार्क होते समय एक घटना हुई। यह विमान सुबह करीब 9 बजकर 2 मिनट पर पार्किंग के दौरान वीडीजीएस पोल से टकरा गया। फिलहाल सभी यात्री और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यात्रियों और क्रू को मैनुअल सीढ़ियों का इस्तेमाल करके सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकाला गया।

हादसे की वजह की चल रही जांच

बयान में कहा गया, घटना की वजह और हालात की जांच तय प्रक्रियाओं के अनुसार संबंधित अधिकारियों द्वारा की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही सही वजह का पता चलेगा और अभी इस स्टेज पर वजह के बारे में कोई नतीजा नहीं निकाला जा रहा है।

इस बीच, एयरपोर्ट का कामकाज सामान्य है और फ़्लाइट का आना-जाना शेड्यूल के मुताबिक जारी है। श्रीनगर एयरपोर्ट सभी यात्रियों और स्टेकहोल्डर्स के लिए सुरक्षित और बेहतर कामकाज सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पंजाब मूल के कनाडाई पुलिस अधिकारी पर धोखाधड़ी, चोरी और विश्वासघात का आरोप

चंडीगढ़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल के वैंकूवर पुलिस के एक अनुभवी और जाने-माने अधिकारी, जो पंजाब से हैं और जिन्होंने ज़रूरतमंद बच्चों के लिए एक चैरिटी शुरू की थी, पर उनके ही विभाग की लंबी गुप्त जांच के बाद धोखाधड़ी, चोरी और विश्वासघात का आरोप लगाया गया है। कनाडाई मीडिया की खबरों के अनुसार, 50 वर्षीय कलविंदर (काल) दोसांझ, जो सरे-स्थित किड्सप्ले फाउंडेशन के सीईओ भी हैं, को सरे में गिरफ्तार किया गया। उनके वकीलों ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। लॉ फर्म 'अलायंस लॉयर्स' ने कहा, दोसांझ ने कोई अपराध नहीं किया है और वे किसी भी गलत काम के दोषी नहीं हैं। गिरफ्तारी, या गिरफ्तारी की खबर, अपराध, गलत व्यवहार या आपराधिक ज़िम्मेदारी का सबूत नहीं है।

पानी के मुद्दे पर विपक्ष के 'झूठे प्रचार' का करारा जवाब दें: सीएम नायडू

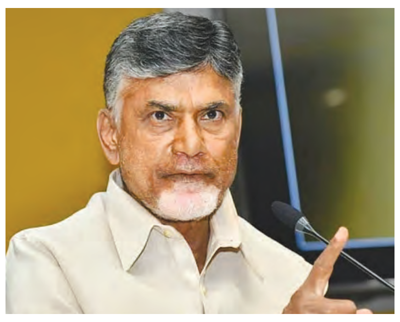

अमरावती, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने वाईएसआरसीपी पर एनडीए सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रोजेक्ट्स का श्रेय लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, गठबंधन सरकार की उपलब्धियां लोगों तक पहुंचनी चाहिए। मंत्रियों को सच्चाई बताने के लिए जनता के बीच उपलब्ध रहना चाहिए।

सचिवालय में कैबिनेट की बैठक खत्म होने के बाद अपने सहयोगियों से बातचीत करते हुए, नायडू ने उन्हें वाईएसआरसीपी के 'झूठे प्रचार' का प्रभावी ढंग से जवाब देने और खरीफ फसलों के लिए पानी की उपलब्धता और उसे छोड़े जाने के बारे में जनता को असल स्थिति समझाने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा, विपक्ष गलत जानकारी फैला रहा है कि जलाशयों में पर्याप्त पानी होने के बावजूद फसलों के लिए पानी नहीं छोड़ा जा रहा है; इसका जवाब दिया जाना चाहिए। नायडू ने राज्य में पानी जैसे कीमती संसाधन का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के लिए जल संसाधन मंत्री निम्मला रामनायडू और इंजीनियरिंग अधिकारियों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई के पानी और फसलों से जुड़ी समय पर जानकारी 'रायथु सेवा केंद्रों' के माध्यम से किसानों को दी जानी चाहिए, और जनता तक असल स्थिति पहुंचाने में सभी संबंधित लोगों को शामिल किया जाना चाहिए। नायडू ने मंत्रियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि जरूरी चीजों की कीमतें नियंत्रण में रहें, और अधिकारियों को स्थिति पर बारीकी से नज़र रखकर कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। स्थानीय निकाय चुनाव नजदीक आने के कारण, नायडू ने जिला प्रभारी मंत्रियों से गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेने को कहा। राज्य में सभी स्थानीय निकाय चुनाव इस साल के अंत तक पूरे हो जाने चाहिए।

अधिकारियों को अदालती मामलों को सुलझाने के लिए कदम उठाने चाहिए ताकि अगले साल तक कोई चुनाव लंबित न रहे। अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिया गया कि वे उन 23 नगर पालिकाओं में चुनाव कराने में मदद करें जिन पर अदालती मामले चल रहे हैं, साथ ही राज्य के बाकी 100 शहरी स्थानीय निकायों में भी चुनाव कराना सुनिश्चित करें।

हॉस्पिटल के एनआईसीयू वार्ड में भीषण आग, समय रहते बचाए गए 9 नवजात

छत्रपति संभाजीनगर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर से बड़ी खबर आई है, जहां एशियन हॉस्पिटल के एनआईसीयू वार्ड में शॉर्ट सर्किट की वजह से भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

इसके बाद एनआईसीयू में एडमिट 9 बच्चों को निकालकर दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। बता दें कि बीती रात छत्रपति संभाजीनगर के एशियन हॉस्पिटल के एनआईसीयू में एसी में शॉर्ट सर्किट के चलते अचानक आग लग गई। आग लगते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। फिर, एनआईसीयू में भर्ती 9 नवजात बच्चों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकालकर दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब 10 से 15 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। सभी 9 बच्चों को घाटी अस्पताल, एमजीएम अस्पताल और संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समय रहते आग पर काबू पाने और बच्चों को सुरक्षित निकालने से बड़ा हादसा टल गया।

घटना की जांच जारी है। जिसके बाद, वहां मौजूद सभी नर्स एक्शन में आ जाती हैं और बच्चों को वार्ड से निकालने लगती हैं। वीडियो के आखिर में दिखता है कि जब आखिरी नवजात को एनआईसीयू वार्ड से निकाला जा रहा होता है तब तक वार्ड के एक हिस्से में आग अंदर आ चुकी होती है।

पीएमओ का अधिकारी बनकर एम्स में मरीजों को करा रहा था भर्ती

सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि उसने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का अधिकारी बताकर लोगों को ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) में भर्ती कराया। सीबीआई ने धोखाधड़ी, झूठे सबूत देने और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला 31 अगस्त को दर्ज किया था। सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक, मई 2026 में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के असिस्टेंट डायरेक्टर से रवि कांत शर्मा के खिलाफ एक लिखित शिकायत मिली थी।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उसने पीएमओ अधिकारी बनकर खुद को पेश किया और पीएमओ के नाम का गलत इस्तेमाल किया। शिकायती पत्र में कहा गया है कि 26 फरवरी 2026 को रवि कांत शर्मा ने व्हाट्सएप के जरिए एम्स, नई दिल्ली के प्रोटोकॉल ऑफिसर से संपर्क किया। खुद को प्रधानमंत्री का 'ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी' (ओएसडी) बताया। साथ ही, एम्स अधिकारियों पर अपना प्रभाव जमाने के लिए उन्हें अपना ईमेल एड्रेस और शिकायतें और दूसरी संबंधित सेवाओं के लिए पीएमओ पोर्टल बताया। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि पीएमओ के आधिकारिक रेफरल का बहाना बनाकर रवि कांत शर्मा ने एम्स के प्रोटोकॉल ऑफिसर बीएन। आचार्य पर दबाव डाला।

उन्होंने मोहम्मद इमरान नाम के मरीज को एम्स के इमरजेंसी डिपार्टमेंट में प्राथमिकता के आधार पर भर्ती करने और इलाज कराने के लिए दबाव बनाया। पीएमओ ने साफ तौर पर पुष्टि की है कि रवि कांत शर्मा नाम का कोई भी व्यक्ति प्रधानमंत्री के ओएसडी के तौर पर काम नहीं कर रहा था। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने आरोपों की जांच-पड़ताल की। सीबीआई की एफआईआर में कहा गया, जांच के दौरान पता चला कि रवि कांत शर्मा ने कविता और अर्चना समेत दूसरे मरीजों के मामलों में भी इसी तरह गैर-कानूनी तरीके से दखल देने की कोशिश की थी। एफआईआर में यह भी बताया गया है कि खास सुविधा सिर्फ इस गलतफहमी में दी गई थी कि आरोपी पीएमओ का अधिकृत अधिकारी है।

सेहत से बड़ा खिलवाड़: पिकअप से 2 क्विंटल नकली पनीर बरामद पुलिस ने मौके पर कराया नष्ट

झज्जर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। झज्जर शहर में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने शहर के व्यस्त बीकानेर चौक के पास नाकेबंदी कर एक संदिग्ध पिकअप गाड़ी को रोका। तलाशी लेने पर गाड़ी से करीब आधा दर्जन नीले ड्रम बरामद हुए, जिनमें लगभग 2 क्विंटल (200 किलोग्राम) नकली व मिलावटी पनीर भरा हुआ था। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यह पनीर दूध से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक केमिकल पाउडर, सोयाबीन और घटिया तेल के मिश्रण से तैयार किया गया था। त्योहारों और मांग के सीजन को देखते हुए इस सिंथेटिक पनीर को स्थानीय बाजारों और ढाबों पर खपाने की तैयारी थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत तुरंत पनीर के कानूनी सैंपल लिए और उन्हें जांच के लिए लैब भिजवाया।

मिलावट की गंभीरता और स्वास्थ्य जोखिम को देखते हुए पुलिस ने अपनी सीधी निगरानी में पूरे दो क्विंटल पनीर को गड्ढा खुदवाकर जमीन में दबाकर नष्ट करवा दिया, ताकि यह किसी भी सूरत में बाजार में न पहुंच सके। पुलिस अधिकारियों ने खुलासा किया कि झज्जर जिले में पिछले कुछ समय से नकली पनीर सप्लाई करने वाले गिरोह सक्रिय हैं। इससे पहले भी जितनी पिकअप गाड़ियां पकड़ी गई थीं, लैब जांच में उन सभी के सैंपल फेल पाए गए थे। पुलिस अब पिकअप चालक और सप्लायर से पूछताछ कर इस गिरोह के मुख्य सरगना और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

किस मंदिर के पास कितनी जमीन और आय? मध्य प्रदेश में 22 हजार मंदिरों की संपत्ति दिखेगी ऑनलाइन

भोपाल, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश के शासन-संधारित मंदिरों और देवस्थानों की परिसंपत्तियों में पारदर्शिता लाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश के करीब 22,098 मंदिरों की संपत्ति, आय-व्यय और प्रबंधन से जुड़ी जानकारी ऑनलाइन डिजिटल पोर्टल पर सार्वजनिक की जाएगी। संस्कृति विभाग ने सभी शासन-संधारित मंदिरों की संपत्तियों और वित्तीय रिकॉर्ड को डिजिटाइज करने की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया है। सरकार का उद्देश्य मंदिरों की संपत्ति और प्रबंधन व्यवस्था में पारदर्शिता लाना है। प्रदेश के करीब 22,098 शासन-संधारित मंदिरों और देवस्थानों का डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाएगा।

इसमें महाकालेश्वर, रामराजा सरकार, मैहर की मां शारदा समेत प्रमुख मंदिर भी शामिल होंगे। पोर्टल पर मंदिर का नाम, इतिहास, पुजारी का नाम, चल-अचल संपत्ति, जमीन का रकबा और संपत्ति की वर्तमान स्थिति जैसी जानकारी उपलब्ध होगी। इसके साथ ही मंदिरों की आय और व्यय का रिकॉर्ड भी डिजिटल किए जाने की योजना है। प्रदेश में करीब 1,320 मंदिरों के पास 10 एकड़ से ज्यादा कृषि भूमि दर्ज है। इन मंदिरों की कुल कृषि भूमि करीब 4,500 हेक्टेयर बताई जा रही है। इस जमीन की नीलामी संबंधित जिलों के कलेक्टर के माध्यम से कराई जाती है और उससे प्राप्त राशि मंदिर के कोष में जमा होती है। वहीं, 10 एकड़ से कम जमीन वाले मंदिरों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संबंधित मंदिर के पुजारी के पास रहती हैं। डिजिटल रिकॉर्ड के जरिए यह जानकारी भी सामने रहेगी कि मंदिर की जमीन का इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा है। इस योजना का पहला चरण उज्जैन के 2,536 और ग्वालियर के 1,165 मंदिरों से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जा रहा है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के सभी जिलों और तहसीलों के मंदिरों को डिजिटल डेटाबेस से जोड़ा जाएगा।

सरकार का मानना है कि डिजिटल रिकॉर्ड सामने आने के बाद मंदिरों की जमीन पर होने वाले अतिक्रमण और संपत्ति विवादों की पहचान आसान होगी। साथ ही मंदिरों के रखरखाव, जीर्णोद्धार और वित्तीय प्रबंधन में भी पारदर्शिता लाई जा सकेगी। धार्मिक एवं पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने कहा कि इस पोर्टल के जरिए लोगों को यह जानकारी भी मिल सकेगी कि कौन सा मंदिर सरकार के अधीन है और कौन सा नहीं। उनका कहना है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और मंदिरों का प्रबंधन भी बेहतर तरीके से किया जा सकेगा।

व्यापारियों को राहत की उम्मीद: सीएम बोले

सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से रखेंगे पक्ष, बेहतर समाधान निकालेंगे

भोपाल, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भोपाल में व्यापारियों और रहवासियों की लंबे समय से चली आ रही परेशानियों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले में सरकार अपनी बात मजबूती से रखेगी और कोर्ट के निर्देश के अनुसार आगे का रास्ता निकाला जाएगा। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल से जुड़े सभी मुद्दों को सुप्रीम कोर्ट के सामने रखा जा रहा है।

सरकार की कोशिश है कि व्यापारियों और स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस पुराने विवाद का ऐसा समाधान निकले, जिससे सभी पक्षों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कोर्ट के मार्गदर्शन के आधार पर सरकार आगे की कार्रवाई करेगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वे जानापाव जा रहे हैं। मान्यता है कि यहीं महर्षि परशुराम ने भगवान श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र प्रदान किया था।

इस धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए सरकार जानापाव को प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक स्थलों के विकास से पर्यटन को बढ़ावा मिला है। उज्जैन में श्री महाकाल लोक बनने के बाद यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है। वर्ष 2022 तक उज्जैन में करीब 60 से 70 लाख श्रद्धालु और पर्यटक आते थे, जबकि अब यह संख्या करोड़ों तक पहुंच गई है।

सरकार अब इसी तर्ज पर प्रदेश के दूसरे प्रमुख धार्मिक स्थलों को भी विकसित कर रही है। इसका मकसद केवल श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि इन क्षेत्रों में पर्यटन से जुड़े रोजगार और कारोबार के नए अवसर पैदा करना भी है।

शुद्धिकरण विवाद, सात सितंबर को कांग्रेस का सीएम आवास कूच

राहुल गांधी के शामिल होने की संभावना

देहरादून, 4 सितंबर (एजेंसियां)। हल्द्वानी में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद कार्यक्रम स्थल पर शुद्धिकरण मामले को लेकर कांग्रेस आगामी चुनाव तक गरमाए रखना चाहती है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस मामले में सात सितंबर को मुख्यमंत्री आवास कूच करने की तैयारी कर रही है। इस रैली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व अन्य राष्ट्रीय नेताओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। आठ अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में राष्ट्रीय मल्लिकार्जुन खरगे की रैली हुई थी। इसके बाद कुछ लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर शुद्धिकरण करने के मामले ने तूल पकड़ा। कांग्रेस का पार्टी के राष्ट्रीय दलित नेता खरगे के अपमान को लेकर आक्रामक रुख है। कांग्रेस की मांग है कि राज्यपाल से लेकर पुलिस के उच्च अधिकारियों व सभी पुलिस थानों में तहरीर देने के बाद भी शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा की शह पर हल्द्वानी में पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पार्टी अब शुद्धिकरण प्रकरण के विरोध में सात सितंबर को मुख्यमंत्री आवास कूच करेगी। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस नेता कूच को सफल बनाने के लिए तैयारी में जुट गए हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक रैली में राहुल गांधी व अन्य राष्ट्रीय नेता भी शामिल हो सकते हैं।

हालांकि अभी तक कांग्रेस ने इसका औपचारिक एलान नहीं किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बताया कि सात सितंबर को प्रदेश भर के कार्यकर्ता सीएम आवास कूच करेंगे। शुद्धिकरण के मामले में कांग्रेस अंतिम समय में लड़ाई लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा, रैली में राहुल गांधी के आने का अभी कोई कार्यक्रम तय नहीं है।

पुष्करम के लिए गोदावरी को साफ़ करें: डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिए

अमरावती, 4 सितंबर (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पुष्करम से पहले गोदावरी नदी में मिलने वाले प्रदूषकों का वैज्ञानिक अध्ययन करें। 'स्वच्छ गोदावरी पवित्र पुष्करलु' अभियान के तहत, उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि श्रद्धालु साफ़ पानी में डुबकी लगा सकें। उन्होंने राजमहेंद्रवरम से अंतरवेदी तक नालों की लगातार निगरानी करने और सीवेज व औद्योगिक कचरे का विश्लेषण करने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि 15 बड़े और 45 छोटे नालों से नदी में प्रदूषक मिलते हैं, जिनमें यानामादुरु, टेकी, कुम्मेरा नहर और गोरिंकला शामिल हैं। उन्होंने बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, ठोस कचरे, धातुओं और खतरनाक रसायनों की जांच के लिए नियमित रूप से सैंपल लेने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि नदी में छोड़ने से पहले कचरे को तय मानकों के अनुसार ट्रीट किया जाना चाहिए और प्रदूषण सीमा से अधिक होने पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एक विशेष पर्यावरण टास्क फोर्स निरीक्षण करेगी।

उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आवंटित 100 करोड़ रुपये का प्रभावी ढंग से उपयोग करने का आग्रह किया और कहा कि नदी के किनारे बसे गांवों को 'ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज' (बिना तरल कचरा छोड़े) वाला बनाना चाहिए और उन्हें 'मॉडल पुष्कर पंचायत' के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

सरकार एनसीसीएफ की मदद से 35 रुपये प्रति किलो के भाव पर प्याज बेचेगी: मंत्री नादेन्डला मनोहर

विजयवाड़ा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नागरिक आपूर्ति मंत्री नादेन्डला मनोहर ने आज कहा कि राज्य सरकार 'नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एनसीसीएफ) की मदद से पूरे राज्य में ग्राहकों को 35 रुपये प्रति किलो के भाव पर प्याज उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। सचिवालय में कीमतों को स्थिर करने वाली मंत्रियों की उप-समिति की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मनोहर ने कहा कि सरकार ज़रूरी चीज़ों की कीमतों पर बारीकी से नज़र रख रही है और उसने शुरू में प्याज की कीमतें कम करने पर ध्यान देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि प्याज पूरे राज्य में 'रायतू बाज़ार' और खास काउंटरों के ज़रिए बेचा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव को मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू के ध्यान में लाया जाएगा। मनोहर ने कहा, खुले बाज़ार में प्याज की कीमतें काफी बढ़ गई हैं।

80 फीट ऊंचे किले से गिरकर महिला और दो बच्चों की मौत, एक घायल

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां मशहूर नलदुर्ग किले के उपली बुर्ज से गिरकर एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। वहीं एक घायल बच्ची का इलाज किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। बता दें कि 105 एकड़ में फैले नलदुर्ग किले में 100 से ज़्यादा बुर्ज हैं। उपली बुर्ज लगभग 80 फीट ऊंचा है। पुलिस ने बताया कि अश्विनी मनोहर पाल नाम की एक महिला वंतल गांव में अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। वह अपने बेटे अजिंक्य (5.5 साल) और जुड़वां बेटियों वीरा और क्रांति (ढाई साल) के साथ नलदुर्ग किले पर घूमने गई थी। पुलिस के मुताबिक किले के ऊपरी हिस्से (उपली बुर्ज) से चारों लोग गिर गए।

इस घटना में अश्विनी और अजिंक्य की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घायल अवस्था में वीरा और क्रांति को धाराशिव सिविल अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक इलाज के दौरान क्रांति की भी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक अश्विनी पहले महाराष्ट्र सुरक्षा बल (एक सरकारी सुरक्षा एजेंसी) में काम करती थी, लेकिन 4-5 महीने पहले उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। फिलहाल नलदुर्ग पुलिस स्टेशन में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है।

शादी नहीं देश की सुरक्षा जरूरी...

एनआईए कोर्ट ने खारिज की पुलवामा हमले के आरोपी इकबाल की जमानत याचिका

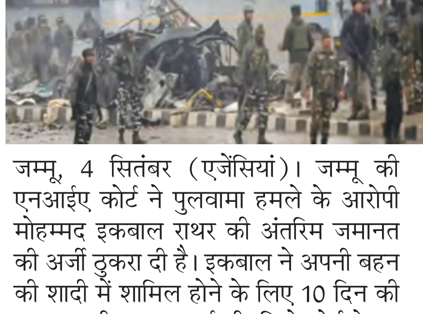

जम्मू, 4 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू की एनआईए कोर्ट ने पुलवामा हमले के आरोपी मोहम्मद इकबाल राथर की अंतरिम जमानत की अर्जी ठुकरा दी है। इकबाल ने अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए 10 दिन की जमानत की गुहार लगाई थी, जिसे कोर्ट ने यह कहते हुए ठुकरा दिया कि देश और लोगों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं शादी में शामिल होने के निजी हित से कहीं अधिक अहम है।

आरोपी मोहम्मद इकबाल राथर ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कल शनिवार 5 से 10 सितंबर के बीच अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए 10 दिन की अस्थायी रिहाई की मांग की थी। हालांकि सुनवाई के दौरान कोर्ट ने माना कि राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, शादी में शामिल होने के आरोपी के निजी हित से कहीं अधिक जरूरी है। हालांकि, कोर्ट ने मानवीय आधार पर इकबाल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपनी बहन की शादी में वर्चुअली शामिल होने की अनुमति दे दी। इससे पहले जम्मू की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने मंगलवार को 2019 के किश्तवाड़ हथियार छीनने के मामले में आतंकी सहयोगी तनवीर अहमद मलिक की जमानत याचिका खारिज कर दी। यह मामला मार्च 2019 की घटना से जुड़ा था, जिसमें हथियारों से लैस हिज़्बुल मुजाहिदीन (एचएम) के आतंकवादियों ने किश्तवाड़ के डिप्टी कमिश्नर के एस्कॉर्ट इंचार्ज से एक एके-47 राइफल, 3 मैगज़ीन और 90 जिंदा कारतूस छीन लिए थे। एनआईए ने 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले के मामले में मोहम्मद इकबाल राथर को जुलाई 2020 में गिरफ्तार किया था।

इस आतंकी हमले में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे। इकबाल जम्मू-कश्मीर के बडगाम का रहने वाला है, और उस पर कथित तौर पर पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के सदस्य और इस हमले के मुख्य साजिशकर्ता मोहम्मद उमर फारूक की आवाजाही में मदद करने का आरोप है। फारूक अप्रैल 2018 में जम्मू इलाके से भारतीय सीमा में घुसा था। फारूक ने दूसरों के साथ मिलकर पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल किए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को तैयार किया। इकबाल एक सुरक्षित मैसेजिंग ऐप के जरिए जेईएम के पाकिस्तान में अपने आकाओं से लगातार संपर्क में था।

एनआईए आतंकवाद-रोधी जांच एजेंसी है, जिसे 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद गठित किया गया था। 14 फरवरी 2019 में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में हुए एक आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। जवानों पर यह हमला तब हुआ जब एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी कार को पैरामिलिट्री फोर्स के काफिले से टकरा दिया। एनआईए ने फरवरी 2019 को हुए इस हमले की साजिश की जांच का जिम्मा संभाला।

सुविचार
आप मायुस नहीं होना दुःख-सुख आते भी है और जोते भी। जिस तरह रात के बाद सुबह आती है।

'कोंडा सुरेखा का आचरण आपत्तिजनक था' : टीपीसीसी प्रमुख

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने शुक्रवार को पूर्व मंत्री कोंडा सुरेखा के खिलाफ कांग्रेस हाई कमांड की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अनुमति दिए जाने के बावजूद उनके आचरण ने पार्टी अनुशासन का उल्लंघन किया है। दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए महेश गौड़ ने कहा कि सुरेखा ने गुस्से और पीड़ा में आकर ये बातें कही थीं और उन्हें भविष्य में इस तरह के बयान देने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जिन पार्टी नेताओं को कोई शिकायत है, वे पीसीसी अध्यक्ष, एआईसीसी राज्य मामलों के

प्रभारी, पार्टी महासचिव या उच्च कमान से संपर्क कर सकते हैं। गौड ने आगे कहा कि कांग्रेस चाहती है कि कोंडा सुरेखा पार्टी में बनी रहें और अगर वह पार्टी में रहती हैं तो उन्हें अवसर प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी उच्च कमान ने यह कार्रवाई इसलिए की क्योंकि उनका आचरण आपत्तिजनक माना गया था। उन्होंने यह भी कहा कि सुरेखा को अपनी बेटी कोंडा सुष्मिता द्वारा की गई टिप्पणियों की तुरंत निंदा करनी चाहिए थी और उन्होंने यह भी बताया कि एआईसीसी ने इस मामले को गंभीरता से लिया है क्योंकि सुरेखा ने ऐसा नहीं किया था। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ लगे आरोपों को खारिज करते हुए टीपीसीसी प्रमुख ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री को किसी को ब्लैकमेल करने की न तो कोई जरूरत थी और न ही ऐसी परिस्थितियां थीं।

राज्यपाल ने इसरो की अंतरिक्ष क्षेत्र में उपलब्धि की सराहना की

अमरावती , 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने शुक्रवार को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट पर भारत के सबसे भारी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के रूप में वर्णित ईओएस-05 के सफल प्रक्षेपण पर आईएसआरओ के वैज्ञानिकों को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि यह सफल मिशन भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और निरंतर पृथ्वी इमेजिंग, निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उपग्रह के महत्व को उजागर करता है। उन्होंने मिशन के पीछे लगे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आईएसआरओ के गौरव में एक और मील का पत्थर है और उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है।

सिरपुर-कागजनगर में 42,867 एकड़ जमीन 22-ए सूची में डालने का आरोप : हरीश राव

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के एक हजार दिन के शासन के खिलाफ सिरपुर-कागजनगर विधानसभा क्षेत्र के कौटाला में बीआरएस ने पूर्व विधायक कोनेरु कोनप्पा के नेतृत्व में बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री और बीआरएस के उपनेता हरीश राव ने आरोप लगाया कि सिरपुर-कागजनगर क्षेत्र में किसानों की 42,867 एकड़ जमीन को 22-ए निषिद्ध सूची में डाल दिया गया है, जिससे हजारों किसान परेशान हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन को सूची से हटाने तक बीआरएस उनके साथ खड़ी रहेगी और आगामी विधानसभा सत्र में सरकार को इस मुद्दे पर घेरा जाएगा। हरीश राव ने कहा कि कौटाला में 6,350, चिंतला मानेपल्ली में 8,878, बेज्जूर में 8,325, कागजनगर में 6,690,

सिरपुर में 4,406, पेंचिकलपेट में 2,950 और दहेगांव में 5,268 एकड़ जमीन को निषिद्ध सूची में डाला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन 22-ए में शामिल होने के बाद किसानों को बैंक ऋण नहीं मिल रहा, जमीन बेचने में दिक्कत हो रही है और बेटियों की शादियां तक प्रभावित हो रही हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि मुख्यमंत्री का अपना मकान 22-ए सूची में आने के बाद रातोंरात हटाया जा सकता है तो किसानों के लिए अलग नियम क्यों हैं। उन्होंने मांग की कि किसानों की जमीन तत्काल सूची से हटाई जाए और किसानों को कथित तौर पर अपमानित करने के लिए मुख्यमंत्री बिना शर्त माफी मांगें। हरीश राव ने मंत्री पोंगुलेटी शीनिवास रेड्डी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार द्वारा एक भी एकड़ जमीन 22-ए सूची में नहीं डाले जाने का दावा गलत है। उन्होंने चेतावनी दी कि सात सितंबर से विधानसभा सत्र शुरू होने के बाद इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया जाएगा। बीआरएस नेता ने कांग्रेस सरकार पर पेंशन, कल्याण लक्ष्मी और अन्य योजनाओं को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासन में बुजुर्गों और महिलाओं को घोषित राशि का भुगतान नहीं किया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि कोनेरु कोनप्पा और आरएस प्रवीण कुमार के एकजुट होने से क्षेत्र में बीआरएस और मजबूत होगी।

कामारेड्डी रोड दुर्घटना में आरटीसी बस चालक की मौत

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार तड़के कामारेड्डी जिले के जुक्कल एक्स रोड के पास हैदराबाद-बिचकंडा रूट पर चल रही एक बस के पलट जाने से तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के एक बस चालक की मौत हो गई और कई यात्री घायल हो गए। खबरों के मुताबिक, 13 यात्रियों को ले जा रही बस तेज रफ्तार में अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बने पुलिया की दीवार से टकराकर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक अंजनेयुलु उसमें फंस गया, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या दुर्घटना चालक की नींद या किसी तकनीकी खराबी के कारण हुई थी। बांसवाड़ा डीएसपी और उनकी टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। क्रेन की मदद से चालक का शव मलबे से निकाला गया, जबकि घायल यात्रियों को बिचकंडा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और स्थिति का जायजा लेने के लिए टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक, जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से बात की। मंत्री ने मृतक चालक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार मिले। उन्होंने अधिकारियों को दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने और पीड़ितों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का भी निर्देश दिया।

नागम श्रीदेवी से मिलने पहुंचे रामचंदर राव

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव सिकंदराबाद स्थित यशोदा अस्पताल पहुंचकर भाजपा नलगोंडा जिला अध्यक्ष नागम वर्षित रेड्डी की मां नागम श्रीदेवी से मुलाकात किया और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। नागम श्रीदेवी का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

बताया गया कि हाल ही में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा नागम वर्षित रेड्डी के आवास पर किए गए कथित हमले के दौरान उनकी मां नागम शीदेवी घर में मौजूद थीं। घटना के बाद भय और तनाव के बीच उन्हें दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्हें सिकंदराबाद के यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है।

भाजपा ने मोदी, शाह-ओवैसी की देशभक्ति की तुलना पर रेवंत की आलोचना की

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा ने शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की इस बात के लिए आलोचना की कि उन्होंने देशभक्ति के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तुलना एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी से की। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एनवी सुभाष ने एक प्रेस बयान में कहा कि देशभक्ति का आकलन 'राजनीतिक सुविधा या चुनिंदा बयानों' के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए और उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री अलग-अलग राजनीतिक और वैचारिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को एक ही पायदान पर क्यों रखना चाहते हैं। सुभाष ने जून 2024 में लोकसभा की शपथ लेने के बाद ओवैसी के विवादास्पद जय फिलिस्तीन बयान और इससे पहले भारत माता की जय का नारा लगाने से इनकार करने का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे बयानों ने राष्ट्रीय प्रतीकों और भावनाओं के प्रति उनके दृष्टिकोण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने रजाकार आंदोलन के साथ एआईएमआईएम के ऐतिहासिक जुड़ाव और इस्लामिक स्टेट से कथित संबंधों के मामलों में गिरफ्तार युवाओं को एआईएमआईएम द्वारा कथित तौर पर दी गई कानूनी सहायता का भी जिक्र किया। सुभाष ने इस बात पर जोर दिया कि संवैधानिक अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उचित प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक जवाबदेही से बचने के लिए इनका चुनिंदा रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। उन्होंने रेवंत रेड्डी से इस तुलना पर स्पष्टीकरण मांगा और पूछा कि क्या यह राजनीतिक दिखावा है या कांग्रेस सरकार और एआईएमआईएम के बीच बढ़ती राजनीतिक निकटता को दर्शाता है।

विधानसभा सत्र से पहले केसीआर बीआरएसएलपी की बैठक बुलाएंगे

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा सत्र 7 सितंबर से शुरू होने वाला है, जिसके मद्देनजर पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) 6 सितंबर को पार्टी के विधायकों और एमएलसी की संयुक्त बैठक बुलाएंगे। दोपहर 1 बजे लंच के बाद, केसीआर के एर्रावल्ली स्थित आवास पर दोपहर 2 बजे बैठक होगी। केसीआर बैठक की अध्यक्षता करेंगे और उन्होंने सभी बीआरएस विधायकों और एमएलसी को उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। इस बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा होने की उम्मीद है।

तेलंगाना में महिलाओं की सुरक्षा का संकट
कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त : भाजपा महिला मोर्चा
महिला मोर्चा ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने शुक्रवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को ज्ञापन सौंपा। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मेकला शिल्पा रेड्डी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों, दुष्कर्म, हत्या और हमलों पर चिंता जताते हुए सरकार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर महिला मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद डॉ. मेकला शिल्पा रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद तेलंगाना में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति गंभीर हो गई है और कानून-व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ बढ़ती घटनाओं के विरोध में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर सरकार से प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई है। शिल्पा रेड्डी ने 28 अगस्त को तुक्कुगुड़ा स्थित प्राइमकेयर अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत आदिवासी युवती के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस मामले को राज्यपाल के संज्ञान में लाया गया है।

उन्होंने मांग की कि पीड़ित परिवार को तत्काल एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए तथा पीड़िता की मां या भाई को सरकारी नौकरी देकर परिवार को पूरी तरह से सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने आरोपी मोहम्मद सनाउल्लाह खान को त्वरित अदालत के माध्यम से जल्द से जल्द मृत्युदंड दिलाने के लिए कार्रवाई की मांग भी की। उन्होंने नलगोंडा जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. नागम वर्षित रेड्डी के आवास पर कथित हमले का भी मुद्दा उठाया। शिल्पा रेड्डी ने आरोप लगाया कि स्थानीय कांग्रेस महापौर और उनके समर्थक कथित रूप से गुंडों के साथ वर्षित रेड्डी के घर में घुसे और तोड़फोड़ की। उन्होंने कहा कि घटना के स्पष्ट सीसीटीवी साक्ष्य होने और पीड़िता की ओर से शिकायत किए जाने के बावजूद सत्तारूढ़ दल से जुड़े महापौर होने के कारण पुलिस ने अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है।

विश्व पैकेजिंग दिवस कल मनाया जाएगा

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। वैश्विक पैकेजिंग उद्योग 6 सितंबर को पहली बार विश्व पैकेजिंग दिवस मनाएगा। विश्व पैकेजिंग संगठन (डब्ल्यूपीओ) ने खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आर्थिक विकास, सुरक्षा और स्थिरता में पैकेजिंग की भूमिका को उजागर करने के लिए इस वार्षिक आयोजन की शुरुआत की है। विश्व पैकेजिंग संगठन (डब्ल्यूपीओ) की स्थापना की वर्षगांठ, 6 सितंबर को विश्व पैकेजिंग दिवस के रूप में नामित किया गया है। हैदराबाद स्थित पैकेजिंग पेशेवर और डब्ल्यूपीओ ग्लोबल एंबेसडर चक्रवर्ती एवीपीएस ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन से परे पैकेजिंग के बारे में जनता की समझ को व्यापक बनाना और भोजन और दवाओं की सुरक्षा, उत्पाद हानि को कम करने, व्यापार को बढ़ावा देने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में इसके योगदान को मान्यता देना है। उद्घाटन अभियान चार विषयों पर केंद्रित होगा - प्रगति के लिए पैकेजिंग, खाद्य अपशिष्ट के खिलाफ पैकेजिंग, पैकेजिंग और आर्थिक विकास, और पैकेजिंग और स्थिरता। विश्व पैकेजिंग संगठन (डब्ल्यूपीओ) ने दुनिया भर के उद्योग संघों, निर्माताओं, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य हितधारकों को विश्व पैकेजिंग दिवस की साझा पहचान के तहत सेमिनार, फैक्ट्री विजिट, प्रतियोगिताएं, छात्र कार्यक्रम और डिजिटल अभियान आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Adake Shardha S, Mother of No. 14856276A, SEP, Adake Vishant Shankar, R/,o, Vill &PO : Walwa, Dist: Sangli, Maharashtra, changed my name from Adake Shardha S to Sharada Shankar Adake, vide Affidavit No. 995334 dt. 29.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

गुरुकुल की छात्रा अश्विनी की मौत की जांच की मांग

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। बीसी दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बीसी आरक्षण संघर्ष समन्वय जेएसी के अध्यक्ष दुंद्रा कुमारस्वामी ने तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग से रंगा रेड्डी जिले के कम्मादानम गुरुकुल में इंटरमीडिएट की छात्रा अश्विनी की मौत की व्यापक जांच का आदेश देने का आग्रह किया है। खबरों के मुताबिक अश्विनी अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी पर लटकी हुई मिली और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कुमारस्वामी ने कहा कि सरकारी आवासीय संस्थान में हुई इस घटना के बाद छात्रों की सुरक्षा और निगरानी में संभावित चूक की विस्तृत जांच जरूरी है। उन्होंने एफआईआर, जांच और पोस्टमार्टम के रिकॉर्ड की जांच के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज, छात्रावास रजिस्टर, उपस्थिति रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने की मांग की। उन्होंने सरकारी गुरुकुलों में सुरक्षा उपायों, आपातकालीन चिकित्सा सेवा, शिकायत निवारण तंत्र और मानसिक स्वास्थ्य सहायता का ऑडिट करने की भी मांग की।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

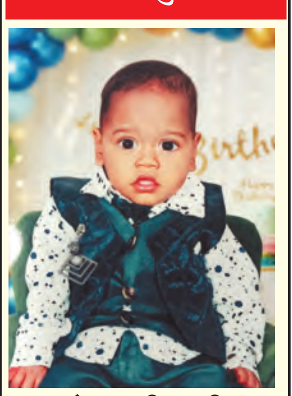

शेक जीलानी
माता : अलिशान बी
पिता : शेक खाजा

छापे की चुगली कर गई काम खराब, अब सिपाहियों की कॉल डिटेल निकाल रही अलीगढ़ पुलिस

अलीगढ़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नशा तस्करी के नेटवर्क की कमर तोड़ने में जुटी पुलिस अब गैंग के सरगना चंद्रेश चौधरी की तलाश में जुट गई है। चंद्रेश को इस मामले का मुख्य आरोपित बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, इगलास और आसपास के क्षेत्रों में गांजा तस्करी का नेटवर्क उसी के इशारे पर संचालित होता था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जमालपुर में गांजा तस्करी के आरोप में पकड़ी गई महिला से पूछताछ में पुलिस को चंद्रेश के बारे में इनपुट मिला था।

महिला ने बताया था कि इगलास क्षेत्र में गांजा तस्करी का काम चंद्रेश चौधरी के माध्यम से संचालित होता है। इसके बाद सीओ सिविल लाइन से मिले इनपुट के आधार पर सीओ इगलास ने रात तस्करों की गिरफ्तारी की योजना बनाई थी। कार्रवाई से पहले ही तस्करों को पुलिस की गतिविधियों की जानकारी मिल गई।

सीजेपी प्रवक्ता की अखिलेश यादव से मुलाकात पर सियासी घमासान

भाजपा और सपा आमने-सामने

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में सीजीपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की हालिया मुलाकात को लेकर राज्य का राजनीतिक माहौल पूरी तरह से गर्मा गया है। इस बैठक पर कड़ा ऐतराज जताते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राकेश त्रिपाठी ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर से जिस विवादित राजनीति का बीज बोया गया था, अब उसका पूरी तरह से पर्दाफाश होकर असली सच जनता के सामने निकलकर आ रहा है।

भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने अपने बयान में बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए आगे कहा कि तिलचट्टे अब सीधे राजनीतिक दलों के दफ्तरों तक पहुंचने लगे हैं। इस पूरी घटना से अब साफ तौर पर खुलासा हो गया है कि किस तरह से मासूम बच्चों और युवाओं के नाम पर एक खास राजनीतिक टूल का इस्तेमाल किया जा रहा था। उन्होंने पूछा कि ये लोग आखिरकार किसके दफ्तर में मिलने पहुंचे हैं, जो सार्वजनिक तौर पर सामूहिक नकल के संरक्षक रहे हैं।

नकल माफिया से साठगांठ का बड़ा दावा

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी हमेशा से ही नकल माफियाओं के साथ कदमताल करती आई है। आज इसी वजह से सीजीपी के ये तमाम लोग मुंह अंधेरे और रात के सन्नाटे में चुपचाप जाकर सपा प्रमुख से मुलाकात कर रहे हैं। भाजपा का स्पष्ट मानना है कि युवाओं के आंदोलनों की आड़ में राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम किया जा रहा है और इस गुप्त बैठक ने दोनों पक्षों की मिलीभगत को उजागर किया है।

सपा नेता फखरुल हसन का पलटवार

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के इन गंभीर आरोपों का जवाब देते हुए समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने स्थिति को पूरी तरह से स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि सीजीपी प्रवक्ता आशुतोष रांका ने निश्चित रूप से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की थी, लेकिन इस बैठक का मुख्य उद्देश्य केवल आभार प्रकट करना था। सीजीपी प्रतिनिधिमंडल जंतर-मंतर पर युवाओं के देशव्यापी आंदोलन को सपा द्वारा दिए गए मजबूत और निरंतर समर्थन के प्रति धन्यवाद देना चाहता था।

1.4 लाख की घूस लेते इंजीनियर गिरफ्तार, घर से 8.36 लाख बरामद

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने रात बड़ी कार्रवाई करते हुए एक इंजीनियर को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। बीएसईआईडीसीएल में कार्यपालक अभियंता के पद पर तैनात द्विजेन्द्र कुमार मिश्र को 1 लाख 4 हजार रुपये रिश्वत लेते पटना गोल्फ क्लब के गेट के पास पकड़ा गया। कार्रवाई के बाद विजिलेंस की टीम ने उनके पटना स्थित आवास पर भी छापेमारी की।

मामला कटिहार जिले में सरकारी विद्यालय के निर्माण से जुड़े काम का है। पटना के ठेकेदार राम सागर शर्मा ने कार्यपालक अभियंता के खिलाफ निगरानी में शिकायत की थी। ठेकेदार के मुताबिक, काम के लिए उन्हें 1,54,19,329 रुपये का पहला भुगतान मिल चुका था। आरोप है कि इसी भुगतान की रकम पर इंजीनियर ने दो प्रतिशत कमीशन के तौर पर 3 लाख रुपये की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने उसका सत्यापन कराया। सत्यापन में 1.04 लाख रुपये रिश्वत मांगने की बात सामने आई।

अनंत सिंह के ऐलान से जदयू में भूचाल

बिहार एमएलसी चुनाव में बढ़ाएंगे नीतीश की टेंशन

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधान परिषद चुनाव को लेकर सियासी पारा हाई हो गया है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि एमएलसी चुनाव में वह डॉ अनुज सिंह को अपना समर्थन देंगे। जदयू मुख्य प्रवक्ता और विधान परिषद सदस्य नीरज कुमार का साथ नहीं। अनंत सिंह का कहना है कि जो उनके साथ रहेगा, वह उसी का साथ देंगे। 26 विधानसभा क्षेत्रों में उनके जो भी समर्थक हैं, वे सभी डॉ अनुज सिंह का साथ देंगे। अनंत सिंह ने यह भी बताया कि अनुज, नीरज कुमार के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं अनंत सिंह के इस ऐलान को जदयू के विधान परिषद सदस्य और पार्टी के सीनियर नेता नीरज कुमार के खिलाफ बड़ी राजनीतिक गोलबंदी के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसे में आगामी विधान परिषद चुनाव के लिहाज से यह बयान काफी अहम है। अब देखना होगा कि अनंत सिंह के ऐलान के बाद उनके समर्थक किस तरह अनुज सिंह के पक्ष में सक्रिय होते हैं और इसका एमएलसी चुनाव में जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार के मुकाबले पर क्या असर पड़ता है?

नीतीश कुमार के फैसले के खिलाफ अनंत सिंह के इस बयान से अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या पार्टी में चीजें खराब हैं? बिहार में नवंबर 2026 में होने वाले विधान परिषद चुनावों को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। पटना स्नातक सीट का फिलहाल प्रतिनिधित्व नीरज कुमार (जदयू) कर रहे हैं। वह तीन बार से चुनाव जीत रहे हैं और इस बार भी वही उम्मीदवार होंगे। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द होगी। वहीं, अनुज सिंह एमएलसी चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं, लेकिन किस पार्टी से लड़ेंगे तय अभी नहीं है।

कुर्सी भले छूटी, राजनीति नहीं

कैसे बेटे निशांत को भविष्य का 'पावरफुल लीडर' बना रहे नीतीश

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार की सियासी राजनीति में भले इन दिनों एक साथ कई गतिविधियों का बोलबाला चल रहा है। इन गतिविधियों का सबसे ज्यादा कारगर हमला भी राज्य की सम्राट सरकार झेल रही है। मगर, सरकार पर हो रहे हमले हो या गठबंधन की भीतरी नाराजगी, सम्राट सरकार के लिए दोनों सिरदर्द भले बन रही है।

लेकिन, इन सब चिंता से दूर पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने बेटे निशांत को गढ़ रहे हैं। भविष्य की राजनीति के सशक्त किरदार के गुर सीखा रहे। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भले अभी 'पूर्व मुख्यमंत्री' हो गए, राज्य सरकार से सीधे-सीधे संपर्क में नहीं है।

पर, इन दिनों इनकी सारी गतिविधियां एक राजनीतिक पाठ से कम नहीं। बिहार में बाढ़ की आहट क्या हुई नीतीश कुमार सक्रिय हो गए। लाव-लश्कर उठाया और चल पड़े गंगा नदी में बढ़ते जलस्तर को देखने। इस खास समय की तस्वीर को देखे तो कभी जल संसाधन मंत्री रहे और वर्तमान में जनता दल (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा को बतौर एक एक्सपर्ट की तरह समझाते दिख रहे हैं। राज्य के प्रति चिंता राजनीतिज्ञ को श्रेष्ठ बनाता है, ये तो इस तस्वीर से साफ दिखता है। बकौल संजय झा नीतीश कुमार ने न केवल हमारे साथ बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया बल्कि प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते भी दिखे।

बिहार की बागडोर भले नीतीश कुमार के हाथ में नहीं हैं, मगर राज्य की जनता की फिक्र जरूर है। 'नीतीश संवाद' इस चेतना की एक कड़ी है। ज्ञात हो कि 5 सितंबर से बिहार के 12 जिलों में 'नीतीश संवाद' कार्यक्रम में इनके सहयोग के लिए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष समेत जदयू के अन्य नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे। ये

'बीजेपी को हराना आसान नहीं', सपा से खींचतान के बीच बोले इमरान मसूद

सहारनपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच छिड़ी सियासी जंग के बीच सांसद इमरान मसूद का बड़ा बयान आया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि जो भी होना है जल्दी होना चाहिए, बीजेपी को हराना आसान नहीं है। हमें तुरंत मैदान मे निकलना चाहिए ताकि बीजेपी हमसे आगे न निकल जाए। सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने यूपी चुनाव को लेकर कहा कि हम चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश में भाजपा हारे, हम चाहते हैं कि यूपी में हमारी पार्टी भी सर्वाइव करे और ये हमारा मौलिक अधिकार है। तो हम अपनी पार्टी का भी सर्वाइवल चाहते हैं और हम भाजपा को हराना भी चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में राहुल गांधी के नेतृत्व में एक माहौल बन गया है। मेरा जो काम करने का तरीका है वो सिंपल और साफ़ हैं कि लड़ाई ऐसी होनी चाहिए जिसका नतीजा आए, जो भी होना है उसे तुरंत करके हमें मैदान में निकलना चाहिए, बीजेपी हमसे आगे न निकल जाए, बीजेपी को हराना इतना आसान नहीं है। हवा के अंदर बीजेपी नहीं हार रही है।

तो हमें सब चीजों को फ़ाइनल करके रोड मैप तैयार करके आगे निकलना चाहिए। यूपी में कांग्रेस और सपा मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। इमरान मसूद के इस बयान को सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय करने की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि अभी इसे लेकर कोई बातचीत शुरू नहीं हुई है लेकिन काँग्रेस चाहती है, उसे सम्मानजनक सीटें मिलें। वहीं दूसरी तरफ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी कांग्रेस को ज्यादा सीटें दिए जाने का दबाव बढ़ता दिख रहा है।

कोलकाता के फ्लैट से गिरफ्तार हुई 'नासा ठग' की पत्नी शालिनी, पति के साथ मिलकर रचा था महाठगी का जाल

गोरखपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नासा और परमाणु ऊर्जा से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनी का समन्वयक बताकर निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले जालसाज सुकांता सुब्रत बनर्जी की पत्नी शालिनी नास्कर को रामगढ़ताल पुलिस ने कोलकाता से गिरफ्तार किया है। गुरुवार को दोपहर बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया। ठेकेदार को झांसा देकर उसने 30 लाख रुपये की ठगी की थी। इससे पहले पुलिस ने 10 नवंबर 2025 को सुकांता को गिरफ्तार किया था,

जबकि उसकी पत्नी तीन मुकदमों में वांछित चल रही थी। दोनों पति-पत्नी मिलकर निवेशकों को दो वर्ष में 100 गुणा मुनाफे का लालच देकर ठगी करते थे। रामगढ़ताल के बड़गो निवासी ठेकेदार विभव दूबे ने छह नवंबर 2025 को जालसाजी कर 30 लाख रुपये हड़पने का मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमे में अमित कुमार नंदी को आरोपित बनाया गया था। जांच में सामने आया कि कोलकाता के अर्वन एनआरआइ आनंदपुर में रुबी हास्पिटल के पास रहने वाले सुकांता बनर्जी व उसकी पत्नी शालिनी नास्कर भी शामिल हैं।

राम मंदिर में छिपा हुआ दुश्मन है!

बृजभूषण सिंह ने नए सीईओ जितेंद्र मिश्रा को क्यों किया सतर्क, बोले- यहां हालात अलग

गोंडा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में सेवानिवृत्त वायु मार्शल जितेंद्र मिश्रा ने अयोध्या में कार्यभार संभाल लिया है। अयोध्या पहुंचने पर राम मंदिर परिसर में ट्रस्ट के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने ट्रस्ट पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की।

इसी बीच भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने जितेंद्र मिश्रा को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। हालांकि, बधाई के साथ उन्होंने नए सीईओ को एक खास सलाह भी दी। बृजभूषण सिंह ने कहा कि अयोध्या की परिस्थितियां उनके पिछले कार्यक्षेत्र से अलग हैं और यहां उन्हें विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत होगी। बृजभूषण सिंह ने जितेंद्र मिश्रा के ऑपरेशन सिंदूर में योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने वहां अच्छा काम किया है। उन्होंने नए सीईओ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अयोध्या में जिम्मेदारी अलग तरह की है। भाजपा नेता ने कहा कि यहां 'छिपा हुआ दुश्मन' है, इसलिए जितेंद्र मिश्रा को काफी सतर्क होकर काम करना होगा। उनके इस बयान के बाद अयोध्या में उनकी टिप्पणी को लेकर चर्चा शुरू हो गयी है। सेवानिवृत्त वायु मार्शल जितेंद्र मिश्रा को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पहला सीईओ नियुक्त किया गया है।

वायु सेना में लंबे समय तक सेवा देने के बाद वह इसी वर्ष करीब चार महीने पहले सेवानिवृत्त हुए हैं। जितेंद्र मिश्रा धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति बताए जाते हैं। उन्हें भगवान भोलेनाथ के प्रति विशेष आस्था है। वायु सेना में सेवा के दौरान भी वह नियमित रूप से पूजा-पाठ करते रहे हैं। अब राम मंदिर की व्यवस्थाओं और रामभक्तों की सुविधाओं से जुड़ी जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी। सेवानिवृत्ति के बाद जितेंद्र मिश्रा दिल्ली के मयूर विहार स्थित अपने आवास पर पत्नी वत्सला मिश्रा के साथ रह रहे थे। उनके दो बेटे कामकाज के सिलसिले में अलग-अलग शहरों में रहते हैं। उनकी माता सरस्वती देवी देवरिया स्थित गांव के साथ-साथ दिल्ली भी आती-जाती रहती हैं। वहीं उनके भाई देवेंद्र मिश्र इलाहाबाद हाई कोर्ट में अधिवक्ता हैं। नयी जिम्मेदारी मिलने के बाद जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का सीईओ बनना उनके लिए ईश्वरीय आदेश जैसा है। उन्होंने कहा कि वह ट्रस्ट के पदाधिकारियों से बातचीत कर जल्द अयोध्या पहुंचकर रामकाज में जुटेंगे।

उन्होंने कहा कि उनका पूरा प्रयास रहेगा कि उनके किसी भी कार्य से किसी की धार्मिक आस्था या विश्वास को ठेस न पहुंचे। जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि ट्रस्ट के पदाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर रामभक्तों की सेवा और सुविधा के लिए काम किया जाएगा। उनका प्रयास होगा कि अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को यथासंभव बेहतर सुविधाएं और व्यवस्थाएं मिलें। मंदिर परिसर में आने वाले भक्तों की सेवा-सत्कार और व्यवस्थाओं को लेकर भी वह लगातार संबंधित अधिकारियों के संपर्क में रहेंगे।

आरटीआई लगाने पर सीसीटीवी फुटेज नहीं दी जा सकती

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सूचना के अधिकार को लेकर सुनाया फैसला

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा कि सीसीटीवी में संवेदनशील जानकारी हो सकती है, इसलिए इसे सीधे आवेदक को उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। ऐसी जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम में दिए गए अपवाद के दायरे में आती है। हालांकि, संबंधित व्यक्ति किसी सक्षम न्यायालय या आयोग के समक्ष शिकायत करता है तो वहां से फुटेज सुरक्षित रखने और जरूरत पड़ने पर उसे मंगाने का आदेश दिया जा सकता है। न्यायमूर्ति शेखर बी। सराफ और न्यायमूर्ति अब्देश कुमार चौधरी की पीठ ने यह आदेश शोभित कश्यप की ओर से दाखिल रिट याचिका का निस्तारण करते हुए दिया।

याचिकाकर्ता ने 20 मार्च 2025 को आरटीआई आवेदन देकर पूरी सूचना के साथ सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग की थी। उन्होंने सूचना उपलब्ध नही कराने वाले अधिकारी पर 25 हजार रुपये जुर्माना लगाने और कथित उत्पीड़न के लिए मुआवजा दिलाने की भी मांग की थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरटीआई कानून के तहत मांगी गई सीसीटीवी फुटेज उसके आवेदक को सीधे नहीं दी जा सकती, क्योंकि इसमें संवेदनशील जानकारी हो सकती है और यह कानून के तहत अपवादों के दायरे में आ सकती है। राज्य सूचना आयोग की ओर से बताया गया कि मांगी गई सीसीटीवी फुटेज में संवेदनशील जानकारी है। इसलिए सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8 (1) (छ) के तहत इसे सीधे आवेदक को नहीं दिया जा सकता।

गौरव त्यागी हत्याकांड : पीड़ित परिवार से मिले अजय राय, न्याय दिलाने का दिया भरोसा

हापुड़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। हापुड़ में पीट-पीटकर मौत के घाट उतारे गए गौरव त्यागी के परिवार के आंसू पोंछने और घटना की जानकारी लेने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय उनके घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और भरोसा दिलाया कि कांग्रेस इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है। गौरव की हत्या को लेकर परिवार और समाज में व्याप्त आक्रोश के बीच अजय राय की इस मुलाकात को राजनीतिक रूप से भी अहम माना जा रहा है। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के गंव मोहम्मदपुर आजमपुर में गौरव त्यागी की निर्मम हत्या के मामले में सपा का दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बृहस्पतिवार को गांव पहुंचा। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया। सपा नेताओं ने सरकार से परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा, मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी और परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। सपा विधायक शाहिद मंजूर, कमाल अख्तर और अतुल प्रधान ने कहा कि युवक की हथौड़ों से पीटकर हत्या किया जाना बेहद गंभीर और जघन्य घटना है। इस वारदात ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि मुकदमे की सुनवाई त्वरित न्यायालय में कराकर आरोपितों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाई जानी चाहिए।

अखिलेश यादव और सीजेपी की मुलाकात पर ओपी राजभर का तंज, 'अब तिलचट्टों का सहारा'

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका से मुलाकात को लेकर निशाना साधा है। राजभर ने तंज कसते हुए कहा कि सपा मुखिया को अपने कार्यकर्ताओं पर इतना भरोसा नहीं रहा कि वो अब तिलचट्टों का साथ ले रहे हैं। ओम प्रकाश राजभर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर सपा मुखिया की सीजेपी प्रवक्ता से मुलाक़ात पर तीखा हमला किया है। उन्होंने लिखा- 'का हो अखिलेश यादव जी, सुने हैं कि आप अभिजीत नक्षत्र में दीपक जलाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच आपके घर में 'तिलचट्टे' आने लगे, वो भी मुंह बांध के।

टीवी में तो दिखाता है कि 'लाल' वाला स्प्रे तिलचट्टों को खत्म करने के लिए होता है, यहां तो 'लाल' वाले खुद ही तिलचट्टों से मदद मांग रहा है? बताइए भला। अपने कंसवादी लोडरों पर इतना भी भरोसा नहीं है कि जो अब 'तिलचट्टों' का साथ ले रहे हैं?

आपके पिता और चच्चू एतना मेहनत किये! गांव-गांव साइकिल क पैडल मार-मार के समाजवादी पार्टी चलाए, यही दिन देखने के लिए? कि बेटवा एसी में बइठ के तिलचट्टन के भरोसे सरकार बनाएगा?

अब पता चल गया कि आप भी रील बाज तिलचट्टन के बल पर राजनीति करने वाले हैं। आप चांदी के चम्मच वाले हैं, विदेशी ताकत और अकूत पैसे के बल पर सत्ता का खेल आपकी पुरानी आदत है। आपके सैफई सिंडिकेट के बच्चे तो विदेश में पढ़ते हैं, लंदन-पेरिस घूमते हैं,

मगर यही बिनती है कि अपने गांव-देहात के यादव और गरीब जोलहा-पसमांदा मुस्लिम युवाओं को ऐसी आग में मत झोंकिएगा कि उनका और उनके परिवार का भविष्य तबाह हो जाए।'

निशु आजाद के पिता पर हुए हमले पर राजद का बड़ा बयान, 'जिस शख्स ने '

खुद से इस बात को कबूल किया है, उसकी वीडियो भी मैंने देखी

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कुछ दिनों पहले दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने आंदोलन किया था। उस दौरान हुई मारपीट को लेकर अब स्वतंत्र भारद्वाज नाम के युवक ने ऐसा दिया किया है कि सियासी हड़कंप मच गया है। उसने एक पॉडकास्ट में चिराग पासवान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक को अपना भाई बता दिया। उसने यहां तक कहा हकि निशु आजाद के पिता संजय कुमार की उसने जंतर-मतर पर पिटाई की, उन्हें टांके लगे लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार नहीं किया। इस पर विवाद शुरू हो गया है। आरजेडी की ओर रिएक्शन आया है। शुक्रवार (04 सितंबर, 2026) को आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने सीजेपी के कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता पर हुए हमले पर कहा, जिस शख्स ने खुद से इस बात को कबूल किया है, उसकी वीडियो भी मैंने देखी।

एक व्यक्ति खुलेआम कह रहा है कि वो कितना रसूख़दार है, फलाना व्यक्ति उसके भैया हैं, जिसमें उसने किसी को नहीं बख्शा है।।। मनोज जा ने आगे कहा, ।।ऊपर से लेकर मध्यम स्तर तक सभी लोग इसमें शामिल हैं तो फिर इसमें कहने को कुछ नहीं बचता है। इसमें राहुल गांधी के संज्ञान लेने से पूर्व, स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई होनी चाहिए थी।

कृष्ण जन्माष्टमी पर सीएम योगी का ब्रजवासियों से बड़ा वादा

आपकी भावनाओं के अनुरूप बदलेंगे पूरा ब्रज

मथुरा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट तक जन्मस्थान परिसर में रहे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यहां श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी भावनाओं के अनुरूप पूरे ब्रज को बदलने में विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। चाहे मथुरा हो नंदगांव हो बरसाना हो गोवर्धन हो या वृंदावन सब आपकी भावनाओं के अनुसार विकसित होगा। मैंने बैठक लेकर भी यह बात सभी के सामने स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि है इसलिए होगा क्योंकि यह सरकार तो भगवान राम, कृष्ण कन्हैया, बाबा विश्वनाथ मां विंध्यवासिनी पर विश्वास करती है पर जो पहले की सरकार थी वे लोग बाबर औरंगजेब में अपनी आस्था रखते थे। उनमें आस्था रखने वाले लोग सनातन और आप में क्या आस्था रखेंगे। उनके अनुयाई और वह जहर खोलने का ही काम करेंगे।योगी ने कहा कि कहा कि बहन बेटी अन्नदाता, उद्यमियों, किसानों को यह लोग लाचार बनाने का काम करने की पूरी कोशिश करेंगे लेकिन डंबल इंजन की सरकार इन्हें अपने मंसूबों में कभी सफल नहीं होने देगी।

हम सब का सम्मान करते हैं खास तौर से सनातन का। बृजवासियों को सम्मान देने के लिए मैं स्वयं हर जन्माष्टमी पर मथुरा आता हूं। पिछली सरकार यहां आने से डरते थी कि कहीं उनका वोट बैंक ना हिल जाए। उन्हें तो अपने वोटो की फिक्र थी। यही कारण था कि उनके समय में जवाहर बाग कांड जैसी घटनाएं होती थी। अब ब्रज में ऐसे कांड नहीं रंगोत्सव होता है। ब्रजराज उत्सव होता है। यह एक नए विश्वास, प्रेरणा की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण का एक ही संदेश है।कर्तव्य पथ पर चलना। देश सनातन और मानव के लिए काम करते हुए देश को विकसित भारत बनाना।

अमेरिकी राजदूत बोले- भारत-अमेरिका रिश्तों से दूसरे देश जलते हैं
पीएम मोदी उन नेताओं में सबसे ऊपर, जिनसे ट्रम्प मिलना चाहते हैं

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मजबूत होते रिश्तों से कई दूसरे देश 'जलते' हैं। गोर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प प्रधानमंत्री मोदी को अपना दोस्त मानते हैं और दिसंबर में होने वाले G20 समिट के दौरान जिन नेताओं से वह मिलना चाहते हैं, उनमें मोदी का नाम सबसे ऊपर होगा।

G20 में मोदी-ट्रम्प की अलग मुलाकात संभव

सर्जियो गोर ने इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में कहा कि ट्रम्प और मोदी के बीच अच्छे व्यक्तिगत रिश्ते हैं। ऐसे में दिसंबर में G20 समिट के लिए मोदी के फ्लोरिडा पहुंचने पर दोनों नेताओं की अलग से मुलाकात भी हो सकती है। हालांकि, मोदी और ट्रम्प के बीच अलग से द्विपक्षीय बैठक की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। गोर ने ट्रम्प के 2027 में भारत दौरे की संभावना के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा कि ट्रम्प 2020 में अपनी भारत यात्रा को अब भी याद करते हैं।

अमेरिकी राजदूत के मुताबिक, जब भी ट्रम्प भारत की बात करते हैं तो वह यहां के लोगों से मुलाकात और प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने रिश्तों को याद करते हैं।

गोर ने कहा कि अगला साल आने में ज्यादा समय नहीं है। हालांकि, उन्होंने ट्रम्प के भारत दौरे की कोई तारीख या आधिकारिक कार्यक्रम नहीं बताया।

ट्रेड डील पर बोले- समझौते के काफी करीब

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर गोर ने कहा कि दोनों देश समझौते के काफी करीब हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद डील से जुड़े मुद्दों पर दोबारा काम किया जा रहा है। उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में दोनों देश समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं।

गोर ने कहा कि इतने बड़े व्यापार समझौते में समय लगना सामान्य है। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच लंबे समय से चल रही व्यापार वार्ता का उदाहरण देते हुए कहा कि बड़े व्यापारिक समझौतों में कई साल लग सकते हैं।

240 अरब डॉलर का व्यापार, 500 अरब डॉलर का लक्ष्य

गोर के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच अभी करीब 240 अरब डॉलर का व्यापार है। दोनों देशों का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इसे बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील से दोनों देशों को आर्थिक फायदा हो सकता है। अमेरिका एक मजबूत और स्थिर भारत के साथ मिलकर काम करना चाहता है। गोर के बयान से साफ है कि भारत-अमेरिका के रिश्तों में व्यापार के साथ दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी भी अहम है।

हिमालय के ग्लेशियर सिर्फ बढ़ते तापमान से नहीं जूझ रहे
बर्फ पर जमी कालिख सूरज की गर्मी सोख रही, नेपाल जैसी तबाही का खतरा बढ़ा

बीजिंग/काठमांडू, 4 सितंबर (एजेंसियां)। हिमालय के ग्लेशियरों पर अब सिर्फ बढ़ते तापमान का खतरा नहीं है। हवा में मौजूद कालिख और धूल भी बर्फ के पिघलने की रफ्तार बढ़ा रही है। गाड़ियों, कोयला बिजलीघरों, फैक्ट्रियों, ईंट भट्ठों, घरों के चूल्हों और जंगलों व खेतों में लगने वाली आग से निकलने वाले कण हवा के साथ ऊंचे पहाड़ों तक पहुंचते हैं और ग्लेशियरों की सफेद सतह पर जम जाते हैं।

बर्फ पर जमी कालिख सूरज की गर्मी ज्यादा सोखती है। इससे बर्फ जल्दी पिघलने लगती है। इससे ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग के साथ प्रदूषण का यह असर ग्लेशियरों को कमजोर और अस्थिर कर सकता है।

नेपाल इसका चिंताजनक उदाहरण है। यहां हाल में ग्लेशियर टूटने के बाद अचानक बाढ़ आई और भारी नुकसान हुआ। इस घटना की सटीक वजह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ता तापमान और ग्लेशियरों पर जमा प्रदूषण ऐसे हादसों का जोखिम बढ़ा सकते हैं।

सफेद बर्फ पर कालिख पड़ते ही पिघलना क्यों बढ़ जाता है?

साफ बर्फ सूरज की करीब 90% रोशनी वापस अंतरिक्ष में भेज देती है। इसलिए वह सूरज की गर्मी का बड़ा हिस्सा सोखने से बच जाती है।

जब बर्फ पर कालिख यानी ब्लैक कार्बन जमती है तो उसकी सफेदी कम हो जाती है। सतह सूरज की ज्यादा ऊर्जा सोखने लगती है और तेजी से गर्म होती है। इससे बर्फ के पिघलने की रफ्तार भी बढ़ जाती है।

एक मॉडलिंग स्टडी के मुताबिक, 2007 से 2016 के बीच हिमालय में ग्लेशियरों के कुल बर्फ नुकसान में दक्षिण एशिया से आया ब्लैक कार्बन एक-तिहाई तक जिम्मेदार हो सकता है।

यानी ग्लेशियरों पर असर सिर्फ बढ़ते तापमान का नहीं है। बर्फ पर जम रही कालिख भी उसके गर्म होने और पिघलने में भूमिका निभा रही है।

पाकिस्तान से उठी कालिख भी हिमालय तक पहुंच रही

सैटेलाइट डेटा के अध्ययन से पता चला है कि पाकिस्तान के औद्योगिक मैदानी इलाकों से निकलने वाला ब्लैक कार्बन और खनिज धूल हवा के साथ ऊंचे हिमालयी ग्लेशियरों तक पहुंच सकता है।

ये महीन कण ग्लेशियर की सतह पर जमते हैं और बर्फ को गहरा कर देते हैं। इससे सूरज की ज्यादा ऊर्जा सोखी जाती है और पिघलने की प्रक्रिया तेज हो सकती है।

तेजी से पिघलने वाला पानी ग्लेशियर की दरारों के रास्ते अंदर भी जा सकता है। इससे बर्फ के भीतर पानी के रास्ते बन सकते हैं और ग्लेशियर की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। अगर कमजोर ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा अचानक टूटकर नीचे आता है तो फ्लैश फ्लड यानी अचानक तेज बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।

प्रदूषण सिर्फ बर्फ को काला नहीं करता

ब्लैक कार्बन का असर ग्लेशियर की सतह तक सीमित नहीं है। हवा में मौजूद कालिख सूरज की गर्मी सोखकर पहाड़ों के ऊपर के वातावरण को गर्म कर सकती है और बादलों के बनने के तरीके को भी प्रभावित कर सकती है। इससे कुछ इलाकों में बर्फबारी कम होने की स्थिति बन सकती है।

ऐसे में ग्लेशियर पर दोहरा दबाव पड़ता है। एक तरफ पुरानी बर्फ तेजी से पिघलती है और दूसरी तरफ उसकी भरपाई के लिए नई बर्फ कम मिल सकती है।

कालिख के बड़े स्रोत कौन से हैं?

दक्षिण एशिया में ब्लैक कार्बन के प्रमुख स्रोतों में पेट्रोल-डीजल वाहन, कोयला आधारित बिजलीघर और उद्योग, ईंट भट्ठे, लकड़ी और ठोस ईंधन से चलने वाले पारंपरिक चूल्हे, जंगलों की आग और फसल जलाना शामिल हैं।

इनसे निकले महीन कण हवाओं के साथ लंबी दूरी तय कर सकते हैं। यानी ग्लेशियर से हजारों किलोमीटर दूर पैदा हुआ प्रदूषण भी हिमालय की बर्फ तक पहुंच सकता है।

ब्लैक कार्बन के मामले में राहत की एक वजह भी है। कार्बन डाइऑक्साइड के मुकाबले यह वातावरण में बहुत कम समय तक रहता है। आमतौर पर कुछ दिनों से कुछ हफ्तों तक। इसलिए इसके उत्सर्जन में कमी लाने पर असर जल्दी दिखाई दे सकता है।

इसका एक उदाहरण 2020 का कोविड लॉकडाउन है। 2023 में प्रकाशित एक स्टडी में वैज्ञानिकों ने उस दौरान हुए प्रदूषण में कमी का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि प्रदूषण घटने से हिमालय की बर्फ ज्यादा चमकीली हुई और उसके पिघलने की दर 40% तक कम हो गई। इससे पता चलता है कि वाहनों, उद्योगों और दूसरे स्रोतों से निकलने वाली कालिख को कम करके ग्लेशियरों पर पड़ने वाला दबाव कुछ हद तक जल्दी घटाया जा सकता है।

हिमालय का संकट सिर्फ पहाड़ों तक सीमित नहीं

हिमालय के ग्लेशियर भारत समेत पूरे दक्षिण एशिया के लिए बेहद अहम हैं। इनसे निकलने वाला पानी कई बड़ी नदियों के प्रवाह में योगदान देता है।

ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से कुछ समय के लिए नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन लंबे समय तक यही रफ्तार बनी रही तो ग्लेशियरों में जमा बर्फ घटती जाएगी। इससे भविष्य में पानी की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है।

इसके अलावा ग्लेशियरों के पास बनी झीलों के फटने से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी GLOF का खतरा भी बढ़ सकता है। ऐसी बाढ़ कुछ ही समय में निचले इलाकों में भारी तबाही ला सकती है।

पाकिस्तान का 100 साल पुराना हिंदू मंदिर गिराने से इनकार
कहा- बारिश की वजह से टूटा; आरोप- मदरसा बनाने के लिए मंदिर तोड़ा

इस्लामाबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने पंजाब प्रांत में करीब 100 साल पुराने हिंदू मंदिर गिराए जाने की खबरों को गलत बताया है। उसका कहना है कि 21 जुलाई को भारी बारिश के कारण मंदिर क्षतिग्रस्त होकर गिर गया था।

वहीं, स्थानीय लोगों और हिंदू समुदाय के प्रतिनिधियों का आरोप है कि मंदिर को जानबूझकर गिराया गया और उसकी जमीन पास के मदरसे के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश की गई।

दूसरी ओर, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि मंदिर की इमारत को 21 अगस्त को गिराया गया। दोनों तारीखों के बीच करीब एक महीने का अंतर है। इसी वजह से मंदिर गिराए जाने की घटना को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

पाकिस्तान मसिहा मिल्लत पार्टी, स्थानीय लोगों और हिंदू समुदाय ने आरोप लगाया था कि मंदिर को स्थानीय मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने गिराया।

इन लोगों ने इस मामले में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान से जुड़े लोगों की भूमिका होने का भी आरोप लगाया है। TLP

पाकिस्तान का एक कट्टरपंथी इस्लामी संगठन है, जिस पर वहां प्रतिबंध लगा हुआ है।

भारत ने मंदिर गिराए जाने की निंदा की

मामला सामने आने के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने 2 सितंबर को इसकी निंदा की थी। भारत ने कहा था कि मंदिर की सुरक्षा के लिए स्थानीय अधिकारियों ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जो चिंता की बात है।

विदेश मंत्रालय ने कहा था कि यह घटना पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की स्थिति पर सवाल खड़े करती है।

भारत ने पाकिस्तान से मंदिर गिराने के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करने और मंदिर को फिर से ठीक कराने की मांग की थी।

पाकिस्तान बोला- तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया

भारत के बयान के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने भारत के आरोपों को झूठा और राजनीतिक मकसद से लगाया गया बताया। उन्होंने कहा कि भारत इस मामले में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है।

खान ने पाकिस्तान के स्थानीय एवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड के अधिकारियों के हवाले से कहा कि मंदिर की इमारत भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई थी।

मंदिर की मरम्मत करवाएगा पाकिस्तान

पाकिस्तान का यह भी दावा है कि स्थानीय अधिकारियों ने मंदिर को हुए नुकसान का सर्वे किया है और मंदिर को दोबारा ठीक करने के लिए कदम शुरू कर दिए गए हैं।

पाक ग्रूमिंग गैंग ने लंदन में सिख युवती को फंसाया
ब्रेनवॉश किया, नितनेम-गुरुद्वारा जाना छोड़ा, पुलिस को कंप्लेंट कर घर छोड़ चली गई

पठानकोट, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड में पंजाबी युवती पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग के चंगुल में फंस गई। युवती की मां ने एक पंजाबी चैनल से बातचीत में कहा कि उसकी 19 साल की बेटी है। वह नितनेम करती, गुरुद्वारे जाकर सेवा करती थी लेकिन गैंग ने उसे फंसा लिया। उसने सब कुछ छोड़ दिया।उसका ब्रेनवॉश कर दिया। जब हमने समझाने की कोशिश की तो हमारी शिकायत लंदन पुलिस को कर दी। इसके बाद हमें छोड़कर चली गई। मां ने कहा कि यूनिवर्सिटी में लड़कियों के एक ग्रुप से जोड़ने के बाद एक लड़का उसके टच में आया, उसके बाद ही उसका पूरा व्यवहार बदल गया। उसने इंग्लैंड में रहते सिखों से इस मामले में मदद मांगी है।

लड़की को कैसे फंसाया, ग्रूमिंग गैंग का पूरा प्रोसेस क्या है, आगे क्या होता है, ये जानने के लिए पूरी रिपोर्ट पढ़िए

5 पॉइंट में जानिए, युवती की मां ने ग्रूमिंग को लेकर क्या कहा..

स्कूल में पढ़ी, यूनिवर्सिटी तक सब ठीक था

मां ने कहा- मेरी बेटी का नाम सिमरन है। वह 19 साल की है। बेटी यहीं (लंदन) की जन्मी है, लेकिन फिर भी वह जैसी हमारी भारतीय समुदाय की बच्चियां होती हैं, उस तरह थी। हमारे घर में एक अच्छे माहौल में पली-बढ़ी थी उसने स्कूल खत्म किया और सितंबर 2025 में यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए गई। तब तक सब कुछ ठीक था।

यूनिवर्सिटी में लड़कियों का ग्रुप बना, फिर एक लड़का उसके टच में आया

मां ने कहा- यूनिवर्सिटी में जाकर मुस्लिम लड़कियों का ग्रुप बना। फिर एक लड़का उनके संपर्क में आया। जिसने मेरी बेटी से संपर्क किया और फिर उसका थोड़ा-थोड़ा व्यवहार बदलने लगा। वह पहले बहुत अच्छी थी, बहुत इज्जत करती थी हमारी, कभी वह हमारे आगे बोलती नहीं थी। फिर हमें शक हुआ कि शायद कुछ गलत है। हमें जून 2026 में पता चला कि एक मुस्लिम लड़का उसके साथ जुड़ चुका है। उसके बाद उसका व्यवहार बदल गया।

मां-बाप को वह बातें बोलती, जिससे यकीन नहीं आता

मां ने कहा- वह काफी आक्रामक होने लगी। यहां तक कि उसको यह पता चलना बंद हो गया कि हम उसके माता-पिता हैं। वह कभी-कभी हमें इतनी गलत चीजें बोल देती थी कि हम विश्वास ही नहीं कर पाते थे कि यह सिमरन ही बोल रही है। स्कूल में हर टीचर उसकी तारीफ करता था कि यह हमारी बहुत इज्जत करती है।

घर पर पाठ करती, गुरुद्वारे जाती, फिर पूरी बदल गई

मां ने कहा- वह घर पर पाठ करती थी। जब भी उसको समय मिलता था, हम गुरुद्वारे जाते, सेवा करके आते थे। उसका ब्रेनवाश कर दिया गया। मतलब कि पूरी तरह से बदल दिया उसको। वह अपना किरदार ही भूल गई। मेरी फैमिली गुरसिख है। पति का परिवार अमृतधारी है। बेटी सिमरन भी सिक्खी को मानती थी लेकिन फिर वह पूरी तरह से बदल गई।

समझाया तो पुलिस को हमारी ही शिकायत कर दी, फिर छोड़कर चली गई

मां ने कहा- जब हमने उसे समझाने की कोशिश की तो उसने लंदन पुलिस को शिकायत कर दी। उसने झूठ कहा कि हमने उसको मारा-पीटा। जबकि हमने कभी भी उस पर हाथ नहीं उठाया।

यहां तक कि हमने उससे ऊंची आवाज में बात करना भी बंद कर दिया था। हमें लगता था कि हम प्यार से उसको समझा लें, घर वापस ले आएं, हर वह चीजें करने लगे, जिससे वह खुश रहती थी। लेकिन मुझे नहीं पता कि उसका इतना माइंडवॉश कर दिया उन्होंने कि हमारी मेरी पूरी फैमिली पर आरोप लगाकर वह चली गई।

ट्रम्प-सरकार ने अवैध प्रवासियों को खदेड़ने वाले गेम लॉन्च किए

पीछा करके पकड़ेंगे खिलाड़ी; मेक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाएंगे

वाशिंगटन डीसी, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस ने ऑनलाइन वीडियो गेम्स की एक वेबसाइट लॉन्च की है। इसमें खिलाड़ी अवैध प्रवासियों का पीछा कर उन्हें पकड़ सकते हैं, डिपोर्ट कर सकते हैं और अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर दीवार बना सकते हैं।

वेबसाइट का एक गेम 'रियो रन' क्लासिक 'स्नेक' पर बेस्ड है। इसमें अमेरिकी बॉर्डर प्रमुख टॉम होमन का डिजिटल किरदार रियो ग्रांडे नदी के पास प्रवासियों का पीछा करता है।

दूसरा गेम 'बिल्ड द वॉल' है। इसमें खिलाड़ी ब्लॉक्स जोड़कर अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर दीवार बनाते हैं। गेम में लिखा है- "आने वाली भीड़ से सीमा की रक्षा करें।"

व्हाइट हाउस बोला- नीतियों को लोगों तक पहुंचाने का तरीका

व्हाइट हाउस के एक्स अकाउंट ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' लोगो से मिलता-जुलता एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें लिखा था- "जीतना बंद नहीं कर सकते। दीवार बनाओ। डिपोर्ट करो। ट्रम्प अकाउंट भरो।"व्हाइट हाउस ने कहा कि इन गेम्स के जरिए राष्ट्रपति की उपलब्धियों और नीतियों को लोगों तक ऐसे तरीके से पहुंचाया जा रहा है, जो उन्हें आसानी से समझ आए और उनसे जुड़ सके। गेम्स लॉन्च होते ही मानवाधिकार संगठनों ने व्हाइट हाउस की आलोचना शुरू कर दी। टेक्सास के ईगल पास में फ्रोंटेरा फेडरेशन की सह-निदेशक अमेरिका गार्सिया ग्रेवाल ने कहा कि प्रशासन लंबे समय से लोगों की जिंदगी के साथ खेल रहा था, अब उसने इसे सचमुच वीडियो गेम बना दिया है।

बॉर्डर पर काम करने वाली संस्था AMIGOS सैन डिएगो कम्युनिटी की प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर एड्रियाना जासो ने कहा कि इन गेम्स से प्रशासन के रवैये में गंभीरता की कमी दिखती है।

उन्होंने कहा कि प्रवासियों को अमानवीय और मजाक का विषय बनाया जा रहा है, जबकि हिरासत केंद्रों में लोगों की मौत हो रही है। उनके मुताबिक, "यह मुद्दे को ऐसे दिखाता है जैसे यह कोई गेम हो, जबकि असल में ऐसा नहीं है।"

अमेरिकी सरकार के मुताबिक, अब तक करीब 9.61 लाख अवैध प्रवासियों को अमेरिका से निकाला जा चुका है। 20 जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 तक ट्रम्प प्रशासन ने 6.05 लाख से ज्यादा अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किया था। इनमें ऐसे विदेशी नागरिक शामिल हैं, जिन्हें अमेरिकी इमिग्रेशन कानूनों के तहत देश में रहने का अधिकार नहीं था।

ट्रम्प ने सबसे बड़े मास डिपोर्टेशन का वादा किया था

ट्रम्प ने 2024 के चुनाव प्रचार में अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा मास डिपोर्टेशन अभियान चलाने का वादा किया था। जनवरी 2025 में सत्ता में लौटने के बाद उनकी सरकार ने इस पर तेजी से काम शुरू किया।

प्रशासन ने बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों की गिरफ्तारी और देश से बाहर भेजने के लिए इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (ICE) को ज्यादा अधिकार दिए। अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर सुरक्षा बढ़ाई गई और अवैध तरीके से दाखिल होने वालों के खिलाफ कार्रवाई सख्त की गई। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि इन कदमों का मकसद अवैध सीमा पार करने पर रोक लगाना और बिना वैध दस्तावेज अमेरिका में रह रहे लोगों को तेजी से देश से बाहर भेजना है।

एस्टोनिया के रक्षामंत्री ने इस्तीफा दिया : यूक्रेन को समय पर तोप के गोले नहीं दे पाए
कॉन्ट्रैक्ट में भारतीय कंपनी शामिल, अनुभव नहीं होने का आरोप

टालिन, 4 सितंबर (एजेंसियां)। एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हानो पेवकुर ने इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे की वजह यूक्रेन के लिए की गई करीब 768 करोड़ रुपए की एक डील है। सौदे के तहत भारतीय कंपनी से जुड़ी इटली की एक फर्म को गोला-बारूद सप्लाई का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। आरोप है कि कंपनी के पास तोप के गोले बनाने या बेचने का अनुभव नहीं था। इसके बावजूद उसे बड़ा कॉन्ट्रैक्ट दिया गया और भारी रकम एडवांस में दी गई।

कंपनी के साथ किए गए थे 4 समझौते

2024 में एस्टोनिया के सेंटर फॉर डिफेंस इन्वेस्टमेंट ने तोप के गोलों की खरीद के लिए डेटासेल एसआरएल के साथ चार समझौते

किए। यह कंपनी इटली में रजिस्टर्ड है।

नवंबर 2024 तक यूक्रेन पहुंचने थे गोले

गोला-बारूद का पहला बैच नवंबर 2024 में यूक्रेन पहुंचना था, लेकिन डेटासेल ने देरी की। बाद में जो सामान पहुंचा, उसे लेकर भी सवाल उठाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ खेप अधूरी थी और उसमें गोले चलाने के लिए जरूरी हिस्से मौजूद नहीं थे। इनमें फ्यूज, प्रोपेलेंट चार्ज और प्राइमर जैसे हिस्से शामिल हैं। इसलिए एस्टोनिया ने कुछ सामान को स्वीकार नहीं किया।

कंपनी ने आरोपों को खारिज किया

डेटासेल ने एस्टोनिया के आरोपों को खारिज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि उसने बड़ी मात्रा में सामान तैयार किया और उसकी सप्लाई के लिए बिल भी दिए।

कंपनी ने यह भी कहा कि डिलीवरी में देरी के पीछे अलग-अलग देशों से मंजूरी और जरूरी दस्तावेज मिलने में हुई देरी जैसी वजहें थीं।

एस्टोनिया के 768 करोड़ रुपए अटके

एस्टोनिया ने इस सौदे में करीब 768 करोड़ रुपए दिए थे। अब वह इस रकम को वापस पाने की कोशिश कर रहा है। अगर पैसा वापस नहीं मिला तो एस्टोनिया पर इस रकम का वित्तीय बोझ पड़ सकता है। यूरोपीय आयोग भी एस्टोनिया के साथ इस मामले पर बातचीत कर रहा है।

ईयू के फंड से आया था पैसा

इस सौदे में इस्तेमाल हुआ पैसा यूरोपीय संघ की यूरोपियन पीस फैसिलिटी (EPF) से आया था। यह फंड यूक्रेन को सैन्य सहायता देने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।अब सवाल यह है कि अगर एस्टोनिया कंपनी से पैसा वापस नहीं ले पाया तो इस फंड का क्या होगा। यूरोपीय आयोग इस मामले में एस्टोनियाई अधिकारियों के संपर्क में है।

कुवैत में तमिलनाडु की महिला ने प्रताड़ना का आरोप लगाया
कहा- 50 दिन से ठीक से खाना नहीं खाया, 2 महीने की सैलरी नहीं मिली

कुवैत सिटी, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कुवैत में घरेलू काम करने गई तमिलनाडु की एक महिला ने वीडियो जारी कर खुद के साथ प्रताड़ना किए जाने की शिकायत की है।

महिला का कहना है कि उसे करीब 50 दिन से ठीक से खाना नहीं मिला और दो महीने की सैलरी भी नहीं दी गई। उसने भारत सरकार और प्रशासन से उसे सुरक्षित वापस लाने की गुहार लगाई है।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में महिला एक कमरे से हाथ जोड़कर मदद मांगती नजर आ रही है। वह तमिल भाषा में भारत वापस लाए जाने की अपील कर रही है। महिला ने कहा कि वह अब ऐसी स्थिति को और बर्दाश्त नहीं कर सकती।

महिला की पहचान वनिता के रूप में हुई है। वह तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले की रहने वाली है। परिवार के मुताबिक, वनिता करीब तीन महीने पहले घरेलू काम के लिए कुवैत गई थी।

मां का आरोप- एजेंट ने परिवार को गुमराह किया

वीडियो सामने आने के बाद तमिलनाडु प्रशासन ने वनिता के परिवार से संपर्क किया। वनिता की मां वेन्निला और परिवार के अन्य सदस्यों ने उसकी सुरक्षित वापसी के लिए शिकायत दर्ज कराई है।

वेन्निला का आरोप है कि वनिता को कुवैत भेजने वाले एजेंट ने परिवार को गुमराह किया। उन्होंने बताया कि वनिता परिवार की आर्थिक मदद करने के लिए विदेश गई थी, लेकिन कुवैत पहुंचने के बाद उसके साथ कथित तौर पर खराब व्यवहार किया जाने लगा।

परिवार ने जिला प्रशासन से वनिता को सुरक्षित भारत वापस लाने के लिए जल्द कदम उठाने की अपील की है।

शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने शुरू की कार्रवाई

कल्लाकुरिची की पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वनिता के परिवार की शिकायत मिल गई है। प्रशासन मामले की जानकारी जुटा रहा है और महिला की सुरक्षित वापसी के लिए जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

हालांकि, वनिता और उसके परिवार की ओर से लगाए गए प्रताड़ना, सैलरी नहीं मिलने और पर्याप्त खाना नहीं दिए जाने के आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

कुवैत में करीब 10.60 लाख भारतीय

कुवैत में बड़ी संख्या में भारतीय रहते और काम करते हैं। विदेश मंत्रालय के मार्च 2026 तक के आंकड़ों के मुताबिक, वहां करीब 10.60 लाख भारतीय नागरिक रह रहे हैं। इनमें कुवैत में काम करने वाले भारतीयों के अलावा अन्य भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

2024 में कुवैत में भारतीय नागरिकों की संख्या करीब 10.08 लाख थी। यानी दो साल में वहां रहने वाले भारतीयों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

ऐसे मामलों में विदेश में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए परिवार, स्थानीय प्रशासन और भारतीय मिशन के बीच तालमेल अहम हो जाता है। वनिता के मामले में भी परिवार ने प्रशासन से जल्द मदद की अपील की है।

ईरान ने यूएस को चिढ़ाया 'हबीबी अंकल सैम, ईरान आओ'

दूतावास ने होर्मुज में माइनस्वीपर गेम का वीडियो पोस्ट किया

तेहरान, 4 सितंबर (एजेंसियां)। ईरान ने अमेरिका को चिढ़ाते हुए एक वीडियो शेयर किया है। सिएरा लियोन में ईरानी दूतावास ने 35 सेकेंड का वीडियो पोस्ट किया। इसके साथ लिखा- "हबीबी (अंकल सैम), ईरान आओ!" वीडियो में होर्मुज स्ट्रेट का 3D नक्शा दिखता है। इस पर 'माइन्सवीपर' गेम खेला जा रहा है। इस गेम में खिलाड़ी को छिपी हुई समुद्री माइन्स (बारुदी सुरंगो) से बचना होता है।

ईरान ने यह वीडियो ऐसे समय पोस्ट किया है, जब होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइन्स बिछाने को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है।

अमेरिका ने होर्मुज में रॉकेट लॉन्चर को निशाना बनाया

अमेरिका ने रविवार को होर्मुज के एक द्वीप पर ईरान के रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया था। अमेरिका का कहना था कि ईरान इनका इस्तेमाल समुद्र में माइन्स डालने के लिए कर सकता है।

अमेरिका ने पिछले हफ्ते ही होर्मुज के अंतरराष्ट्रीय जहाज मार्गों से मुद्री माइन्स हटाई थीं। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान ने दोबारा समुद्री माइन्स बिछाईं तो उन्हें बिछाने वाले जहाज और बोट को नष्ट कर दिया जाएगा।

तमिलनाडु में डॉग ने महिला को यौन उत्पीड़न से बचाया

मेंटली डिस्टर्ब थी, जबरदस्ती की कोशिश कर रहा था युवक, पीछा कर भगाया

चेन्नई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक युवक ने सड़क किनारे बैठी मानसिक रूप से बीमार महिला के साथ कथित यौन उत्पीड़न की कोशिश की। महिला के चीखने की आवाज सुनकर पास मौजूद एक स्ट्रीट डॉग आरोपी पर झपट पड़ा और उसे दूर तक खदेड़ दिया। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना गुरुवार देर रात अशोकापुरम इलाके में रेलवे ओवरब्रिज के पास हुई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी नशे में था। वह पहले महिला के पास पहुंचा और उससे पूछा कि आसपास घूम रहे डॉग क्या उसके हैं, इसके बाद उसने जबरदस्ती की।

नेपाल में फिर हादसे के शिकार हुए भारतीय: कार पोखरा की फेवा झील में गिरी, बिहार के दो लोगों की मौत

काठमांडू, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल के पोखरा में शुक्रवार तड़के एक हादसे में दो भारतीयों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक कार के फेवा झील में गिर जाने से दो भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। गंडकी प्रांत पुलिस कार्यालय के प्रमुख जितेंद्र बी.सी. के अनुसार, बिहार के पंजीकरण नंबर वाली कार सुबह करीब 4:50 बजे झील में जा गिरी। मृतकों में से एक की पहचान बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल निवासी 26 वर्षीय नवदीप कुमार यादव के रूप में हुई है।

दूसरे मृतक भारतीय नागरिक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। घायल भारतीय नागरिकों की पहचान रक्सौल निवासी 27 वर्षीय अनमोल कुमार यादव और 33 वर्षीय सूरज यादव के रूप में हुई है। दोनों को झील से सुरक्षित निकालकर इलाज के लिए गंडकी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

अजित पवार प्लेन हादसे को लेकर भिड़ गईं सुप्रिया और सुनेत्रा

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अजित पवार के निधन को लेकर उनकी बहन सुप्रिया सुले और पत्नी सुनेत्रा पवार में जुबानी जंग शुरू हो गई है। एनसीपी (एसपी) की सांसद और कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने अजित पवार के प्लेन क्रैश की जांच को लेकर एनसीपी पर आरोप लगाए थे जिसके बाद राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गई थीं। वहीं, अब अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने भी सुप्रिया सुले के आरोपों पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि अजित पवार के निधन के मुद्दे पर राजनीति करना उचित नहीं है। दरअसल, सुप्रिया सुले पीएम मोदी की तस्वीर हटाने को लेकर मनसे नेता अमित ठाकरे के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी को लेकर बात कर रही थीं।

इस दौरान सुले ने कहा, "आप सिर्फ दीवार से एक तस्वीर हटाने के लिए उनके (अमित ठाकरे) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर देते हैं, लेकिन एक बड़ा प्लेन क्रैश हुआ जिसमें

सुले ने कहा 'हमारा भाई गया और सत्ता का सुख वे भोग रहे'

राज्य के मौजूदा डिप्टी सीएम की जान चली गई। लेकिन अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। मेरे भाई (अजित पवार) की मौत को लेकर प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की गई? हमने अपने परिवार के एक प्रमुख सदस्य को खो दिया। एनसीपी राज्य में मौजूदा सरकार का हिस्सा है। क्या उनके 40 विधायकों या 8-9 मंत्रियों में से किसी ने भी कभी मेरे भाई की मौत के मामले में प्राथमिकी या उचित जांच की मांग करते हुए एक शब्द भी कहा है? हमारा भाई चला गया और वे सत्ता का आनंद ले रहे हैं।"

सुनेत्रा पवार ने क्या कहा?

वहीं, अजित पवार की पत्नी और महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने पुणे में सुप्रिया सुले के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा- अजित दादा के जाने का सबसे ज्यादा दुख उनकी माता उनके बच्चे और हमें है। जांच एजेंसी को समय देना चाहिए उस पर पूरा भरोसा है। इस घटना पर बार बार राजनीति करना उचित नहीं है।

कैसे हुआ था अजित पवार का निधन

आपको बता दें कि 28 जनवरी 2026 को बारामती में हुए एक प्लेन क्रैश में महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मौत हो गई थी। अजित पवार एक चुनावी सभा में भाग लेने के लिए मुंबई से बारामती जा रहे थे। हालांकि, बारामती में लैंडिंग के वक्त अजित पवार का प्लेन क्रैश हो गया। इस हादसे में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हुई थी।

क्या नेपाल ने भारत से मांगा था बाढ़ का मुआवजा?: विदेश मंत्री शिशिर ने साफ किया रुख किस मुद्दे पर मांगा साथ?

काठमांडो, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल के बाढ़ के बाद भारत से नुकसान का मुआवजा मांगे जाने की खबरों के बीच नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बड़ा स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने कहा कि नेपाल ने भारत से किसी भी तरह के आर्थिक मुआवजे की मांग नहीं की है। खनाल ने साफ कहा कि न तो उन्होंने और न ही नेपाल के विदेश मंत्रालय या सरकार के किसी व्यक्ति ने भारत, चीन या अमेरिका से मुआवजा मांगा है। खनाल के मुताबिक नेपाल की अपील मुआवजे के बजाय जलवायु परिवर्तन के असर को समझने और उस पर मिलकर काम करने की है। उन्होंने कहा कि हिमालयी क्षेत्र में भारत, नेपाल और चीन की पर्यावरणीय स्थिति एक-दूसरे से जुड़ी हुई है और तीनों देश बढ़ते तापमान तथा जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में उनका जोर इस बात पर है कि क्षेत्रीय देश बेहतर तैयारी करें और दुनिया के दूसरे देश भी नेपाल जैसे छोटे देशों की मदद के लिए आगे आएं।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर 2 घातक हमले

बीएलए ने 25 जवानों की मौत का किया दावा

बलोच, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए ने पाकिस्तानी सेना पर दो अलग-अलग हमलों का दावा किया है। बीएलए के मुताबिक, इन हमलों में पाकिस्तान के 25 सैन्यकर्मी मारे गए, जबकि तीन सैन्य वाहनों को नष्ट कर दिया गया। बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच ने जारी बयान में कहा कि पहला हमला जियारत क्रॉस के पास सैन्य काफिले पर किया गया। बीएलए के मुताबिक, उसके लड़ाकों ने सैन्य काफिले की चार गाड़ियों को निशाना बनाया। इनमें से दो गाड़ियां, जिसमें एक सैन्य ट्रक भी शामिल था, नष्ट हो गईं और 18 सैन्यकर्मी मारे गए।

बीएलए का दावा है कि हमले में पांच घायल सैन्यकर्मी मौके से भागने में कामयाब रहे, जबकि उसके लड़ाकों ने काफिले से हथियार भी कब्जे में लिए। संगठन के मुताबिक, इस हमले में उसका फतेह स्क्वाड शामिल था। दूसरा हमला सुराब के हजीका इलाके में किया गया। बीएलए के मुताबिक, उसके स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशंस स्क्वाड यानी एसटीओएस ने विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को रिमोट के जरिए उड़ा दिया। इस हमले में एक सैन्य वाहन नष्ट हुआ और सात पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों के मारे जाने का दावा किया गया है। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से अभी तक इन हमलों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बलूचिस्तान में बीएलए के हमले के बाद बड़ी जानकारी सामने आई है। जियारत क्रॉस के पास पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला हुआ था। इस हमले में मारे गए कुछ सुरक्षाकर्मियों की कथित लिस्ट सामने आई है। हमले में पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों के कई जवान मारे गए। सामने आई लिस्ट में कुछ जवानों के नाम और उनकी पहचान दी गई है।

बीएलए ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि उसने सैन्य काफिले की चार गाड़ियों को निशाना बनाया। इनमें दो गाड़ियां नष्ट हो गईं और 18 पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों के मारे जाने का दावा किया गया। हालांकि, सामने आई जवानों की लिस्ट पर पाकिस्तान ने अभी तक इन नामों या बीएलए के मौत के आंकड़े पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है। यानी फिलहाल नामों की यह लिस्ट और मौत का आंकड़ा बीएलए के दावे और सामने आई रिपोर्टों पर आधारित है।

उत्तरी साइप्रस फेरी हादसा मरने वालों की संख्या 12 हुई 16 लोग अभी भी लापता

इस्तांबुल, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को बचाव दल को दो महिलाओं के शव मिले, जिससे उत्तरी साइप्रस के पास हुए फेरी हादसे में मरने वालों की संख्या 12 हो गई है। वहीं, 16 लोग अभी भी लापता हैं। रविवार दोपहर को बंटे हुए द्वीप के उत्तरी तट पर स्थित कायरिनिया बंदरगाह से निकलने के कुछ ही देर बाद 'फिलो-जेट' फेरी पलट गई थी, जिसमें 267 लोग सवार थे।बचाव दल 239 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में कामयाब रहा।

शुरुआती गिनती में आठ लोगों की मौत और 20 लोगों के लापता होने की बात सामने आई थी; अधिकारियों का मानना था कि लापता लोग जहाज के साथ ही डूब गए होंगे।अधिकारियों के अनुसार, चौबीसों घंटे चल रहे बचाव अभियान में चार और पीड़ितों के शव बरामद किए गए हैं जिनमें से दो शव शुक्रवार सुबह मिले जिससे मरने वालों की संख्या 12 हो गई है।

'थलपति विजय जैसा मुख्यमंत्री चाहते हैं उत्तर भारत के लोग', तमिलनाडु की मंत्री ने की सीएम की तारीफ

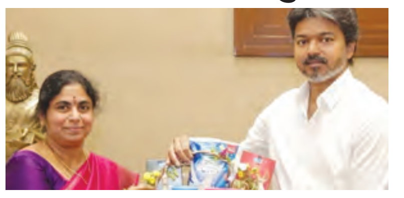

चेन्नई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की दुग्ध एवं डेयरी विकास मंत्री सी। विजयलक्ष्मी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की उपलब्धियों पर न केवल पड़ोसी राज्य, बल्कि उत्तर भारत के राज्यों की भी पैनी नजर है और वहां के लोग भी उनके जैसा मुख्यमंत्री चाहते हैं।

उन्होंने विजय की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने तमिलनाडु के युवाओं में राजनीति के प्रति गहरी रुचि पैदा की है और उनके बीच राजनीति को लेकर जागरूकता बढ़ाई है। सी। विजयलक्ष्मी ने विधानसभा में कहा कि करोड़ों लोग विजय के विधानसभा में दिए गए संबोधन का टेलीविजन प्रसारण देखते हैं और यह युवाओं में राजनीति के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि अपने जीवन में मैंने केवल लोगों को दूसरी भाषाओं की डब की गई फिल्मों का आनंद लेते देखा है। लेकिन आपके (मुख्यमंत्री विजय) विधानसभा में दिए गए संबोधनों और सार्वजनिक भाषणों को भी दूसरी भाषाओं में डब किया जाता है और उन्हें अन्य राज्यों में रहने वाले, दूसरी भाषाएं बोलने वाले लोग देखते और पसंद करते हैं।

उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धियों पर केवल आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल में ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत के सभी राज्यों में भी पैनी नजर रखी जाती है। वहां के लोग भी थलपति विजय जैसा मुख्यमंत्री पाने के आकांक्षी हैं। उन्होंने बुधवार को दावा किया कि यह एक तथ्य है कि मुख्यमंत्री को युवाओं के बीच मिल रहे भारी समर्थन से कई नेता हाशिए पर चले गए हैं, जिसके चलते उन्हें "राजनीतिक संन्यास" लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय के पास क्या भारत के प्रधानमंत्री बनने की काबिलियत है,

पानी की टंकी में नवविवाहित महिला का शव मिला, हिरासत में पति

इंदौर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि प्रेम विवाह के महज 25 दिन बाद इंदौर में एक नवविवाहित महिला अपने घर के बाहर पानी की टंकी में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। पुलिस रिकॉर्ड में मृतक की पहचान वंदना कुशवाहा के रूप में हुई है। राउ पुलिस स्टेशन क्षेत्र के नेहरू नगर इलाके में एक पानी की टंकी में मृतक का शव मिला था। पड़ोसियों की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव बरामद किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि महिला के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। उसके पति उपेंद्र पटेल और देवर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। एसीपी निधि सक्सेना ने कहा, प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत होता है। हालांकि, मौत का सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। पुलिस के मुताबिक, वंदना और पटेल पहले नेहरू नगर में रहते थे। बाद में उनका परिवार राजनगर में एक किराए के मकान में शिफ्ट हो गया। इसके बाद 11 अगस्त को दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया और वंदना पटेल के घर में उनके साथ रहने लगीं। पुलिस ने बताया कि वंदना के परिवार ने चंदन नगर पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

अनिरुद्धाचार्य ने स्वरा भास्कर को बताया 'चरित्रहीन'? बोले- जौहर जैसी बातें नहीं समझेंगी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने हाल ही में क्षत्राणियों की 'जौहर प्रथा' पर विवादित बयान दिया था, जिसके बाद से उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, बीते 31 अगस्त को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'वुमन, लाइफ, फ्रीडम' कार्यक्रम में जौहर करने वाली महिलाओं को 'कायर' कहा था। उनके इस बयान पर अब कथावाचक अनिरुद्धाचार्य की प्रतिक्रिया आई है। अनिरुद्धाचार्य का कहना है कि रानी पद्मावती जैसी नारियां पवित्र नारियां हैं, जिन्हें सती कहा जाता है।

उन्होंने अपने चरित्र की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति दे दी। इन कथाओं से यह समझना चाहिए कि प्राण से अधिक कीमत अगर किसी चीज की है तो चरित्र की है। इसलिए प्राण जाएं पर चरित्र न जाए। स्वरा भास्कर पर निशाना साधते हुए अनिरुद्धाचार्य ने कहा, ये इतनी गहरी बातें हैं कि क्षत्राणियों ने प्राण दे दिए लेकिन अपने चरित्र को नहीं जाने दिया। ऐसी गहरी बातें कोई चरित्रवान व्यक्ति ही समझ पाएगा। जो चरित्रवान नहीं है वो इन बातों को समझेगा भी कैसे? विवादों में आने के बाद स्वरा भास्कर ने कहा था कि उनके बयान को गलत तरीके से अनुवादित कर चलाया गया है।

उन्होंने कभी रानी पद्मावत या राजपूत महिलाओं को कायर नहीं कहा था। उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म के 'जौहर' सीन को प्रॉब्लमैटिक बताया था। उन्होंने लोगों ने अपील की कि उनकी स्पीच के बारे में गलत बातें न फैलाएं। स्वरा का कहना है कि उन्होंने ऐसा बिल्कुल नहीं कहा था कि रानी पद्मावती कायर थीं या महल की बाकी औरतें कायर थीं। उन्होंने कहा था जब वह मूवी का क्लाइमेक्स देख रही थीं तो उन्हें लगा कि अगर भगवान न करे अगर वह रेप पीड़िता होतीं तो कायर महसूस करतीं कि उन्होंने अपनी जान क्यों नहीं ले ली।

'पर्दे' वाले बयान पर बढ़ा विवाद

वीएचपी ने मुस्लिम विद्वान पर साधा निशाना, पूछा- क्या इस्लाम में ऐसा होता है?

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद ने शुक्रवार को वरिष्ठ इस्लामिक विद्वान कांथापुरम ए पी अबूबकर मुसलियार की महिलाओं के बारे में कथित टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इन टिप्पणियों को असंवैधानिक और घिनौना बताया और विपक्षी नेताओं व मुस्लिम संगठनों से इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। आरएसएस से जुड़े इस संगठन ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली केरल सरकार और राष्ट्रीय महिला आयोग से भी मुसलियार की टिप्पणियों का संज्ञान लेने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

यह प्रतिक्रिया तब आई जब मुसलियार ने रविवार को कोच्चि में एक इस्लामिक सम्मेलन में कथित तौर पर कहा कि महिलाओं को सार्वजनिक मंचों पर लाने से 'भारी विनाश' होगा। इससे बचने के लिए इस्लाम महिलाओं के लिए 'पर्दे' का नियम बताता है। एक्स पर एक पोस्ट में, वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के साथ-साथ अन्य धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक नेताओं और मुस्लिम राजनीतिक दलों में इस इस्लामिक विद्वान के खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने एक्स पर आरोप लगाते हुए लिखा, 'केरल के ग्रैंड मुफ्ती के असंवैधानिक और घिनौने बयान पर पूरे धर्मनिरपेक्ष समुदाय के नेताओं की चुप्पी इस बात का स्पष्ट सबूत है कि वे भी इन महिला-विरोधी तत्वों की गिरफ्त में बुरी तरह फंसे हुए हैं।'

बंसल ने जमीयत, देवबंद और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित मुस्लिम संगठनों से यह स्पष्ट करने को भी कहा कि क्या मुसलियार द्वारा व्यक्त किए गए विचार इस्लाम के अनुरूप हैं। उन्होंने पूछा, 'क्या इस्लाम सच में ऐसा ही है?' साथ ही उन्होंने इस्लामिक रीति-रिवाजों के तहत महिलाओं के साथ होने वाले व्यवहार पर भी सवाल उठाए। बंसल ने 'उलेमाओं, मौलानाओं, मुफ्तियों और इस्लामिक संस्थाओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। पूछा कि वे ऐसे बयानों के खिलाफ बोलने से क्यों कतरा रहे हैं। वीएचपी नेता ने आगे कहा कि अगर मुसलियार और दूसरे धर्मगुरुओं ने सच में गलत बातें कही हैं या इस्लाम के खिलाफ कुछ कहा है, तो उनकी गिरफ्तारी की मांग होनी चाहिए। बंसल ने कहा, 'हम केरल सरकार से मांग करेंगे कि महिलाओं के प्रति ऐसी सोच रखने वाले व्यक्ति को जेल भेजा जाए और राष्ट्रीय महिला आयोग को भी इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए।'

मुसलियार ने गुरुवार को महिलाओं के बारे में अपनी टिप्पणी पर सफाई देते हुए कहा कि वे महिलाओं को घर में कैद रखने की वकालत नहीं करते हैं। इसके साथ ही जोर देकर कहा कि कई महिलाओं को शिक्षा और अवसर दिए जा रहे हैं। कांथापुरम ने कहा, 'यह कहना सही नहीं है कि महिलाओं को दूसरा दर्जा दिया गया है। हम ऐसे लोग नहीं हैं जो कहते हैं कि महिलाओं को दबना चाहिए। सभी को यह बात समझनी चाहिए।'

पार्क बिल वापस लेने पर कर्नाटक भाजपा ने किया पलटवार

कहा- दिल्ली से कंट्रोल हो रहे हैं डीके शिवकुमार

बेंगलुरु, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा नेता आर। अशोक ने शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के उस बयान पर तंज कसा, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस सरकार हर कन्नड़ भाषी की बात सुनती है। अशोक ने आरोप लगाया कि पार्क की पांच प्रतिशत जमीन का इस्तेमाल दूसरे विकास कार्यों के लिए करने की इजाजत देने वाले बिल को वापस लेने से मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की असलियत सामने आ गई है कि वे एक रिमोट-कंट्रोल्ड मुख्यमंत्री हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर सरकार का बचाव करने वाले सुरजेवाला के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए अशोक ने आरोप लगाया कि शिवकुमार राज्य सरकार को स्वतंत्र रूप से नहीं चला रहे हैं, बल्कि दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान से निर्देश ले रहे हैं।

अशोक ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, सुरजेवाला जी, उस बात की पुष्टि करने के लिए धन्यवाद जो सात करोड़ कन्नड़ लोग पहले से ही जानते थे कि डीके। शिवकुमार एक रिमोट-कंट्रोल्ड मुख्यमंत्री हैं और कर्नाटक ने अब तक जितने भी मुख्यमंत्री देखे हैं, उनमें वे सबसे कमजोर हैं। सुरजेवाला के इस दावे पर तंज कसते हुए कि सरकार हर कन्नड़ व्यक्ति की बात सुनती है, अशोक ने कहा कि बिल को वापस लेने से यह साबित होता है कि कांग्रेस सरकार ने शुरू में बेंगलुरु की हरियाली वाली जगहों को लेकर जनता की चिंताओं को नजरअंदाज किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के विरोध और नागरिकों की चिंताओं के बावजूद सरकार ने पार्क की जमीन के पांच प्रतिशत हिस्से को दूसरे कामों के लिए इस्तेमाल करने की इजाजत देने वाले प्रावधान को लागू करने की कोशिश की थी।

अशोक ने आरोप लगाया, बिल वापस ले लिया गया। दिल्ली ने सख्ती दिखाई। सीएम शिवकुमार ने घुटने टेक दिए। उन्होंने दावा किया कि इस प्रावधान के खिलाफ भाजपा के विरोध और जनता के बढ़ते विरोध के कारण सरकार को बिल वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।अशोका ने यह भी आरोप लगाया कि कर्नाटक में सुरजेवाला की मौजूदगी मुख्यमंत्री के पीछे हटने के फैसले को समझाने की कोशिश थी, न कि राज्य सरकार का जनता की राय पर स्वतंत्र रूप से प्रतिक्रिया देना। कांग्रेस नेता के इस दावे का मजाक उड़ाते हुए कि सरकार कन्नड़ लोगों की बात सुनती है, अशोक ने कहा कि सरकार ने लगातार विरोध का सामना करने के बाद ही बात सुनी।

पिंजरा लगा किसी और के लिए और उसमें गलती से फंस गया नर तेंदुआ

चित्रदुर्गा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के चित्रदुर्गा जिले के बिरेनहल्ली कटनाहट्टी गांव में एक दिलचस्प मोड़ तब आया जब कर्नाटक वन विभाग की तरफ से लगाए गए पिंजरे में एक नर तेंदुआ फंस गया। यह पिंजरा असल में एक मादा तेंदुए और उसके बच्चों को पकड़ने के लिए लगाया गया था, जिनकी गांव के पास मौजूदगी से ग्रामीणों और किसानों में डर फैल गया था। बता दें कि यह ऑपरेशन तब शुरू किया गया था जब बस्ती के बाहरी इलाकों में मादा तेंदुए और उसके बच्चों को बार-बार घूमते देखा गया। जानवरों और ग्रामीणों के बीच संभावित टकराव को रोकने के लिए वन अधिकारियों ने चारे वाला पिंजरा लगाया था।

लेकिन जब स्थानीय लोगों ने पिंजरे की जांच की, तो उन्हें उन तेंदुओं के बजाय एक पूरी तरह से विकसित नर तेंदुआ मिला। इस बात की जानकारी मिलते ही तुरंत वन विभाग को सूचित किया गया। इसके बाद, वन अधिकारी और फील्ड स्टाफ मौके पर पहुंचे, इलाके को सुरक्षित किया और मानक नियमों का पालन करते हुए पकड़े गए नर तेंदुए को सुरक्षित रूप से जंगल के तय इलाके में भेजने की प्रक्रिया शुरू की। इस सफलता के बावजूद, बिरेनाहल्ली कटनाहट्टी में तनाव बना हुआ है। मादा तेंदुआ और उसके बच्चे अभी भी खुले घूम रहे हैं और वन विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। वन विभाग की उन्हें पकड़ने की कोशिशें जारी हैं। अधिकारियों ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि इंसानों और जंगली जानवरों के बीच टकराव को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

पंजाब के सीधे-साधे गांववालों के साथ आतंकियों जैसा बर्ताव क्यों किया जा रहा : हरसिमरत कौर बादल

चंडीगढ़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने पंजाब में एक युवक के साथ हुई मारपीट के मामले को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। हरसिमरत कौर बादल ने शुक्रवार को एक और पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, पंजाब में आखिर हो क्या रहा है? सीधे-सादे पंजाबी गांववालों के साथ आतंकवादियों जैसा बर्ताव क्यों किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि यह वही लड़का है, जिसने गुरुवार को ही भगवंत मान और आम आदमी पार्टी की नाकामी के खिलाफ खुलकर विरोध किया था। हरसिमरत कौर बादल ने आरोप लगाया, आप जानते हैं उन्होंने उसे कैसे चुप कराने की कोशिश की? उसे करंट लगाकर, उसे बुरी तरह पीटकर, उसकी पगड़ी उतारकर और उसकी दाढ़ी के साथ बदसलूकी करके।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के आदेश पर उनके सिख भाई की गरिमा पर हमला किया गया। यह अक्षम्य है। उन्होंने कहा कि अकाली दल इस लड़के और उसके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है और उसके ठीक होने के लिए हरसंभव मदद करेगा। हम इस मामले को कोर्ट में भी ले जाएंगे। उन्होंने कहा, हम पंजाब हैं और हम इस तरह की तानाशाही को स्वीकार नहीं करेंगे। दरअसल, गुरुवार को हरसिमरत कौर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया था।

इस वीडियो में देखा जा सकता है कि पंजाब के एक गांव में जब सीएम भगवंत मान एक

सभा में बोल रहे थे, तभी छत के ऊपर एक पंजाबी युवक उनका विरोध करने लगा। इसके बाद पुलिसवाले जल्दी से छत पर जाकर उसे हिरासत में ले लेते हैं।

हरसिमरत कौर बादल ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा था कि आम आदमी पार्टी के राज में पंजाबियों की आवाज इस तरह दबाई जा रही है। उन्होंने कहा था कि यह वीडियो इस बात का सबूत है कि कैसे 4 साल की पूर्ण सत्ता ने इस कॉमेडियन को पूरी तरह से भ्रष्ट कर दिया है और उसे तानाशाह में बदल दिया है। उन्होंने कहा था, आज आम आदमी पार्टी के राज में कोई भी पंजाबी जो अपनी आवाज उठाता है या जवाबदेही मांगता है, उसे दबा दिया जाता है। पंजाब सब कुछ ध्यान से देख रहा है और पंजाब इन सभी अन्यायों का बदला लेगा।

हरसिमरत कौर बादल ने बताया था कि यह घटना सुनाम के शेरो गांव की है। वहां मुख्यमंत्री की एक फर्जी पीआर 'मिलनी' चल रही थी, तभी एक युवक ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ खुलकर विरोध किया। इसके कुछ मिनटों के भीतर ही पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और बेरहमी से पीटा।

ईरान के शाहेद ड्रोन का खात्मा करेगा अमेरिकी 'टिड्डी', ट्रंप सेना को मिला तोड़, दिया ऑर्डर

वॉशिंगटन, 4 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन से लेकर इजरायल तक में तबाही मचाने वाले ईरान के शाहेद-136 ड्रोन दुनियाभर के लिए सिरदर्द बन गए हैं। शाहेद ड्रोन बेहद सस्ते हैं और इसी वजह से इनको मार गिराना भी बहुत महंगा पड़ रहा है। इस महासंकट से निपटने के लिए अमेरिकी सेना ने अब तोड़ ढूढ़ लिया है। अमेरिकी सेना शाहेद ड्रोन के खात्मे के लिए अब लेजर वेपन पर बड़ा दांव लगाने जा रही है। अमेरिका ने एरोवायरनमेंट को 464 मलियिन डॉलर का ऑर्डर दिया ताकि लोकस्ट एक्स3लेजर वेपन को विकसित किया जा सके। अमेरिका का कहना है कि इस लेजर वेपन की मदद से ईरानी शाहेद ड्रोन को मात्र 5 डॉलर खर्च करके मार गिराया जा सकेगा।

अमेरिका ने कंपनी से लंबे समय तक चलने वाला हाई-एनर्जी लेज़र (ई-स्वास्थ्य) के लिए समझौता किया है। ई-स्वास्थ्य प्रोग्राम मानवरहित हवाई सिस्टम का मुकाबला करने के लिए बनाया गया है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि बहुत कम खर्च में पावर सप्लाई की मदद से ईरानी शाहेद ड्रोन को मार गिराया जा सकता है। अमेरिकी सेना के वाइस चीफ ऑफ स्टाफ जनरल क्रिस्टोफर लानेवे ने कहा कि यह अपनी तरह का पहला डायरेक्टेड एनर्जी प्रोग्राम है जो हमारे सैनिकों को ड्रोन को मार गिराने में सक्षम बनाएगा और दबदबा कायम करेगा। इसकी मदद से अमेरिकी सेना आगे भी अपने दुश्मनों पर बढ़त बनाए रखेगी।

क्या आपका ऑफिस बैग बन रहा है आर्थिक परेशानियों की वजह ?

ऑफिस बैग को जमीन पर रखने से आर्थिक परेशानियां, करियर में रुकावट और नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है। वास्तु शास्त्र कहता है कि इस आदत को तुरंत सुधार लेना चाहिए। जानिए बैग रखने से जुड़े कुछ ऐसे नियम, जो तरक्की में सहायक माने जाते हैं।

ऑफिस से घर लौटते ही ज्यादातर लोग अपना बैग कहीं भी रख देते हैं। कई बार बैग सीधे जमीन पर रख दिया जाता है। यह आदत सामान्य लग सकती है, लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे शुभ नहीं माना गया है। काम से जुड़ा बैग केवल सामान रखने का साधन नहीं होता, बल्कि यह आपकी आय, करियर और समृद्धि से भी जुड़ा होता है। इसे जमीन पर रखने से कई तरह के दोष लग सकते हैं। ऐसे में यहां जानिए बैग रखने से जुड़े कुछ वास्तु जरूरी नियम।

बैग का वास्तु से संबंध

वास्तु अनुसार हमारे रोजमर्रा के इस्तेमाल की हर वस्तु अपने साथ एक विशेष ऊर्जा लेकर चलती है। ऑफिस बैग भी उन्हीं वस्तुओं में शामिल है। इसमें लैपटॉप, जरूरी दस्तावेज, डायरी, पर्स और अन्य काम से जुड़ी चीजें रखी जाती हैं। इसलिए इसे धन और कार्यक्षेत्र से जुड़ा प्रतीक भी माना जाता है।

जमीन पर न रखें बैग

ऑफिस बैग को सीधे जमीन पर रखने से बचना चाहिए। वास्तु मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है और आर्थिक मामलों में रुकावट आने की आशंका बढ़ती है। इसके बजाय बैग को टेबल, शेल्फ या किसी साफ और ऊंचे स्थान पर रखें।

फिजूलखर्ची का कारण

अगर व्यक्ति अपने काम से जुड़ी चीजों का सम्मान नहीं करता, तो इसका असर उसकी आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है। मान्यता है कि बैग को जमीन पर रखने से धन की बचत में कठिनाई आ सकती है और मेहनत के अनुसार लाभ मिलने में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

करियर पर पड़ता है असर

भारतीय परंपरा में ऊंचाई को उन्नति और सफलता का प्रतीक माना गया है। इसलिए बैग को व्यवस्थित और ऊंची जगह पर रखना शुभ माना जाता है। वहीं, इसे जमीन पर रखने की आदत करियर की गति को धीमा करने और कार्यक्षेत्र में चुनौतियां बढ़ाने वाली मानी जाती है।

नकारात्मक ऊर्जा

वास्तु के अनुसार जमीन पर नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव अधिक माना जाता है। ऐसे में ऑफिस बैग को सीधे फर्श पर रखने से वह इस ऊर्जा के संपर्क में आ सकता है। मान्यता है कि इसका असर कामकाज, आत्मविश्वास और मानसिक स्थिति पर भी दिखाई दे सकता है।

दही हांडी कान्हा के जन्म के बाद क्यों मनाते ये पर्व

दही हांडी 5 सितंबर 2026 को है. कान्हा काल से लेकर आज तक दही हांडी उत्सव में कई बदलाव आए, कैसे बाल गोपाल का ये उत्सव प्रतियोगिता में बदला, क्यों जन्माष्टमी के अगले दिन मनाते हैं ये उत्सव

जन्माष्टमी पर आधी रात श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाने के बाद अगले दिन दही हांडी धूमधाम से मनाई जाती है. इस साल दही हांडी 5 सितंबर 2026 को है. इसे गोपालकला भी कहते हैं. आज ये सिर्फ धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि टीमवर्क, साहस और सामूहिक उत्साह का बड़ा सार्वजनिक आयोजन बन चुका है।

कहीं बच्चे कान्हा बनकर मटकी फोड़ते हैं तो कहीं सड़कों पर गोविंदा पथक कई मंजिल ऊंची मानव पिरामिड बनाकर हांडी तक पहुंचते हैं।

कान्हा के समय से जुड़ी है मटकी फोड़ने की कहानी

श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की सबसे लोकप्रिय लीलाओं में माखन चोरी की कथा आती है. मान्यता है कि गोकुल की महिलाएं दही-माखन को बच्चों की पहुंच से दूर रखने के लिए मटकी को ऊंचाई पर टांग देती थीं. कृष्ण अपने सखाओं के साथ मिलकर मानव पिरामिड बनाते और मटकी तक पहुंचकर माखन,दही निकाल लेते. आज की दही हांडी इसी बाल-क्रीड़ा का प्रतीक मानी जाती है.

जन्माष्टमी के अगले दिन दही हांडी - जन्माष्टमी की रात कान्हा का जन्म हुआ, अगले दिन उनकी बाल-लीलाओं खासकर दही-माखन से जुड़ी मस्ती को उत्सव के रूप में मनाने की परंपरा विकसित हुई, इसलिए दही हांडी जन्माष्टमी के अगले दिन मनाई जाती है.

महाराष्ट्र में कैसे बनी बड़ी परंपरा ?

दही हांडी का सबसे भव्य रूप महाराष्ट्र में देखने को मिलता है, खासकर मुंबई, ठाणे और पुणे में. मुंबई महानगरपालिका के पर्यटन संबंधी दस्तावेज में इस परंपरा के दक्षिण मुंबई के गिरगांव में 18वीं शताब्दी से प्रचलित होने का उल्लेख मिलता है।

उस समय बड़े घरों या वाड़ियों के मुख्य द्वार पर दही या छाछ से भरी मिट्टी की हांडी टांगी जाती थी. जुलूस के साथ ढोल-ताशे और लेझिम बजते और लोग मानव पिरामिड बनाकर हांडी फोड़ते थे. समय के साथ मोहल्ले की छोटी मटकी से यह आयोजन बड़े सार्वजनिक समारोह में बदल गया।

गोविंदा मंडल बनने लगे अलग-अलग इलाकों में प्रतियोगिताएं होने लगीं और विजेता टीमों को नकद पुरस्कार मिलने लगे।

दही हांडी उत्सव देता संदेश

दही हांडी का सबसे बड़ा संदेश मटकी फोड़ना नहीं, मिलकर लक्ष्य हासिल करना है. कान्हा की बाल-लीला से निकली ये परंपरा आज भी यही बताती है कि जब कई लोग एक-दूसरे का सहारा बनते हैं, तो ऊंचे से ऊंचा लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है. यही वजह है कि सदियों की यात्रा के बाद भी 'गोविंदा आला रे' का उत्साह कम नहीं हुआ है।

न मूर्ति, न रात में किसी की एंट्री क्या है बिहार के वन देवी मंदिर का रहस्य ?

बिहार का वन देवी मंदिर इन दिनों सिद्धार्थ मल्होत्रा की अपकमिंग फिल्म 'वन' के चलते सुर्खियों में बना हुआ है. इस मंदिर से जुड़ी कई मान्यताएं प्रचलित हैं।

देशभर में ऐसे बहुत से मंदिर हैं, जो काफी रहस्यमयी माने जाते हैं. इन मंदिरों से जुड़ी तमाम तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं, जिसके चलते दूर-दूर से लोग इनके दर्शन करने आते हैं. इन्हीं रहस्यमयी मंदिरों में से एक है बिहार का वन देवी मंदिर. बिहार में कई ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जिनसे जुड़ी रहस्यमयी मान्यताएं लोगों को हैरान कर देती हैं. इन्हीं में से एक है पटना के बिहटा इलाके में स्थित मां वन देवी मंदिर, जिसे एक प्राचीन और रहस्यमयी सिद्धपीठ माना जाता है।

ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर में सूर्यास्त के बाद कोई नहीं रुकता और शाम की आरती के बाद पूरा परिसर खाली कर दिया जाता है. अब यह मंदिर एक बार फिर चर्चा में है, क्योंकि दावा किया जा रहा है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की फिल्म 'द वन'की कहानी भी इस मंदिर और इससे जुड़ी लोककथाओं से प्रेरित है।

350 से 400 साल पुराना है वन देवी मंदिर

मां वन देवी मंदिर बिहार के पटना जिले के बिहटा क्षेत्र में अमहारा, राघोपुर और कंचनपुर गांवों की सीमा पर स्थित बताया जाता है. स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर करीब 350 से 400 साल पुराना है और इसका इतिहास कई रहस्यमयी कथाओं से जुड़ा हुआ है. इस मंदिर की सबसे खास बात ये है कि यहां देवी की कोई प्रतिमा स्थापित नहीं है. श्रद्धालु यहां एक प्राकृतिक और पवित्र पिंड को मां वन देवी के स्वरूप के रूप में पूजते हैं। यही वजह है कि इस मंदिर को दूसरे देवी मंदिरों से अलग माना जाता है।

सूरज ढलते ही क्यों खाली हो जाता है मंदिर ?

वन देवी मंदिर से जुड़ी सबसे चर्चित मान्यता सूर्यास्त के बाद की पाबंदी है. स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम को आरती और मंदिर के कपाट बंद होने के बाद यहां किसी को रुकने या आने-जाने की इजाजत नहीं दी जाती. यहां तक कि मुख्य पुजारी भी शाम की पूजा के बाद मंदिर परिसर खाली कर देते हैं. इन्हीं रहस्यमयी परंपराओं के कारण ये मंदिर लोगों के बीच खासा चर्चित रहता है।

क्या पांडवों ने भी की थी यहां पूजा ?

मंदिर से जुड़ी एक और प्रचलित मान्यता इसे महाभारत काल से जोड़ती है. कहा जाता है कि पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान इस घने जंगल में देवी शक्ति की आराधना की थी. इसी लोककथा के चलते वन देवी मंदिर को एक प्राचीन शक्ति स्थल के रूप में भी देखा जाता है।

सिद्धार्थ की फिल्म से चर्चा में आया मंदिर

वन देवी मंदिर हाल के दिनों में उस वक्त सुर्खियों में आया, जब फिल्म द वन को लेकर ये चर्चा सामने आई कि इसकी कहानी और माहौल इस मंदिर से जुड़ी लोककथाओं से प्रेरित है. फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया नजर आने वाले हैं. इसके बाद बिहार की लोक-संस्कृति और इस रहस्यमयी मंदिर को लेकर लोगों की दिलचस्पी और बढ़ गई है. रात होते ही सुनसान हो जाने वाला मंदिर, बिना मूर्ति देवी की पूजा और महाभारत काल से जुड़ी कथाएं- वन देवी मंदिर का रहस्य आज भी लोगों के लिए आस्था और जिज्ञासा का विषय बना हुआ है।

युवाओं को चाहिए कि वे परिवार बचाने में योगदान दें

अगर किसी पेड़ की जड़ सुखा दें तो वह उसके बीमार होने की तैयारी है। ऐसे ही रिश्तों में यदि सूखापन आ जाए तो परिवार रूपी वृक्ष गड़बड़ाएगा। इसका सीधा असर देश पर भी पड़ता है। क्योंकि फल और फूल तो उसी पेड़ पर लगते हैं, जो स्वस्थ होता है। अब भारत पर चारों तरफ से कई चुनौतियां हैं।

उन चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर के लोग जो भी कर रहे हों, पर एक सामान्य आदमी का योगदान यह हो सकता है कि वह अपने परिवारों को बचाए। बहुत बड़ी ताकत हैं परिवार हमारे देश की।

जैसे पूजा-पाठ, प्रार्थना का अपना अलग आनंद है। इनमें मूल रूप से स्वास्थ्य उतरा हुआ है। इन्हें छोड़ देना बीमारी के लक्षण हो सकते हैं, पर इन्हें अपनाए रखना स्वस्थ रहने की कवायद है। और स्वास्थ्य हमें परमात्मा ने शरीर में जन्म से ही भेंट दिया है।

बीमारियां हम बाहर से आमंत्रित कर लेते हैं। तो खासतौर पर युवाओं को चाहिए कि वे परिवार बचाने में योगदान दें। देश की उत्पादकता में तो अभी भी युवाओं का प्रतिशत बहुत कम है। पर कम से कम परिवार बचाने में यह योगदान बढ़ना चाहिए।

भगवान श्रीकृष्ण की सीख

अगर किसी स्थान या वातावरण में लगातार तनाव, असुरक्षा और नकारात्मकता बढ़ रही है तो उसके कारणों को समझने की कोशिश करें

महाभारत की कथा है। द्वारका में धीरे-धीरे परिस्थितियां बदलने लगी थीं। जिस नगरी में कभी सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण रहता था, वहां अब तरह-तरह के अपशकुन और उत्पात दिखाई देने लगे थे। लोग आपस में झगड़ने लगे थे, परिवारों में कलह बढ़ रही थी और नई पीढ़ी भी अनुशासन से दूर होती जा रही थी।

एक दिन श्रीकृष्ण द्वारिका के बुजुर्गों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, "हमारी द्वारका में जगह-जगह अपशकुन हो रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि ऋषियों ने हमारे कुल को ऐसा शाप दिया है, जिसे टालना बहुत मुश्किल है। अब उस शाप के निदान का अवसर भी निकल चुका है। हमें इसका परिणाम भोगना ही होगा।"

श्रीकृष्ण की बातें सुनकर बुजुर्ग चिंतित हो गए। उन्होंने कहा, "कृष्ण, हमें तो तुम्हारा ही भरोसा है। यह सच है कि द्वारका में अब पहले जैसी स्थिति नहीं रही। लोग एक-दूसरे से लड़ रहे हैं और हमारे बच्चे भी उद्दंड होते जा रहे हैं। अब हमें क्या करना चाहिए, यह तुम ही बताओ।"

तब श्रीकृष्ण ने बहुत महत्वपूर्ण बात कही। भगवान ने कहा, "अगर हम अपने प्राणों की रक्षा करना चाहते हैं तो हमें यह स्थान छोड़ देना चाहिए। व्यक्ति को अपने स्थान से मोह हो जाता है, लेकिन जब वही स्थान हमारे लिए विपरीत परिस्थितियां पैदा करने लगे और दुख का कारण बनने लगे, तब उससे मोह बनाए रखना बुद्धिमानी नहीं है।"

उन्होंने आगे कहा कि पास ही प्रभास क्षेत्र है। वह एक पवित्र स्थान है और वहां जाना सभी के लिए हितकारी होगा। उस स्थान का महत्व बताते हुए श्रीकृष्ण ने चंद्रमा का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि दक्ष प्रजापति के शाप के कारण चंद्रमा को कष्ट हुआ था। उस संकट से मुक्ति पाने के लिए चंद्रदेव ने प्रभास क्षेत्र में स्नान किया, भगवान की पूजा की और इसके फलस्वरूप वे शाप के प्रभाव से मुक्त हो गए।

श्रीकृष्ण ने कहा कि हम भी वहां जाकर स्नान करेंगे, अपने पितरों का तर्पण करेंगे और सत्संग सुनेंगे। इससे संकटों का सामना करने के लिए आवश्यक आत्मबल मिलेगा।

श्रीकृष्ण की बात सभी ने स्वीकार की और वे प्रभास क्षेत्र की ओर चले गए।

इस प्रसंग का संदेश यही है कि हर परिस्थिति में एक ही जगह टिके रहना समझदारी नहीं है। जब कोई स्थान, वातावरण या परिस्थिति लगातार हमारे जीवन में नकारात्मकता और संकट बढ़ाने लगे, तब उससे बाहर निकल जाना चाहिए।

प्रसंग की सीख

परिस्थितियों के संकेत पहचानें

जीवन में अचानक आने वाली हर परेशानी को नजरअंदाज न करें। अगर किसी स्थान या वातावरण में लगातार तनाव, विवाद, असुरक्षा और नकारात्मकता बढ़ रही है तो उसके कारणों को समझने की कोशिश करें। समस्या को पहचानना समाधान की पहली सीढ़ी है।

केवल मोह के कारण मत रुकिए

किसी जगह से वर्षों का जुड़ाव हो सकता है। वहां घर, रिश्ते, यादें और भावनाएं जुड़ी हो सकती हैं, लेकिन केवल भावनात्मक लगाव के कारण ऐसी परिस्थिति में बने रहना सही नहीं है, जो आपके विकास और शांति को नुकसान पहुंचा रही हो।

बदलाव को हार न समझें

जगह बदलना, नौकरी बदलना या किसी नकारात्मक वातावरण से बाहर निकलना हमेशा असफलता नहीं होता। कई बार बदलाव ही आगे बढ़ने का रास्ता बनता है। सही समय पर लिया गया निर्णय भविष्य की बड़ी परेशानी से बचा सकता है।

जाने से पहले कारण स्पष्ट करें

किसी जगह या परिस्थिति को छोड़ने से पहले खुद से पूछें- मैं यहां से क्यों जा रहा हूं? समस्या अस्थायी है या लगातार बनी हुई है? क्या इसे सुधारने की कोई वास्तविक संभावना है? अगर सुधार संभव नहीं है, तभी बदलाव की योजना बनाएं।

नए स्थान के लाभ समझें

सिर्फ पुरानी जगह छोड़ना पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना जरूरी है कि नया स्थान आपको क्या देगा। बेहतर वातावरण, अच्छे लोग, सीखने के अवसर, मानसिक शांति और विकास की संभावनाएं नए विकल्प में होनी चाहिए।

आत्मबल मजबूत रखें

श्रीकृष्ण ने प्रभास क्षेत्र में स्नान, तर्पण और सत्संग की बात कही। इसका एक व्यावहारिक अर्थ यह भी है कि कठिन समय में हमें अपने मन और आत्मबल को मजबूत करने वाले काम करने चाहिए। अच्छे लोगों की संगति, सकारात्मक विचार और आत्मचिंतन हमें सही निर्णय लेने की शक्ति देते हैं।

हर समस्या का समाधान लड़ाई नहीं है

कुछ लोग हर विपरीत परिस्थिति का सामना संघर्ष करके करना चाहते हैं, लेकिन हर लड़ाई लड़ना जरूरी नहीं होता। कभी-कभी पीछे हटना, दूरी बनाना या स्थान बदलना ही सबसे समझदार रणनीति होती है।

सही समय पर निर्णय लें

निर्णय लेने में बहुत देर न करें। जब आपको लगातार संकेत मिल रहे हों कि वर्तमान वातावरण आपके लिए ठीक नहीं है, तब स्थिति के और बिगड़ने का इंतजार न करें। सोच-समझकर सही समय पर लिया गया बदलाव जीवन को नई दिशा दे सकता है।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 5 सितंबर - 2026

कानून के नाम पर मनमानी

लोकतंत्र में कानून का राज तभी सार्थक है, जब कानून लागू करने वाली संस्थाएं भी नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करें। पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध रोकने का अधिकार है, लेकिन यह अधिकार मनमानी की छूट नहीं देता। इलाहाबाद हाई कोर्ट का नोएडा की एक छात्रा आकृति से जुड़े मामले में आया फैसला इसी सवाल को सामने रखता है। दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा को श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया और रासुका के तहत महीनों हिरासत में रखा गया। अदालत में उसके खिलाफ कोई ठोस सबूत पेश न हो पाना पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। हाई कोर्ट की खंडपीठ के सामने यह तथ्य आया कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से कथित मनगढ़ंत कहानी के आधार पर उक्त छात्रा को पांच महीने से हिरासत में रखा गया था। गिरफ्तारी और रासुका के तहत नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में भी कई प्रक्रियागत खामियां सामने आईं, जो कि चिंताजनक है, क्योंकि व्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल अधिकार है। उसे छीनने के लिए केवल संदेह पर्याप्त नहीं हो सकता। कानून को प्रमाण और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर ही आगे बढ़ना चाहिए। अदालत ने नोएडा के जिलाधिकारी को छात्रा को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश भी दिया। यह प्रशासनिक जवाबदेही का संकेत है। जब राज्य की शक्ति के इस्तेमाल से किसी व्यक्ति को लंबे समय तक स्वतंत्रता से वंचित होना पड़े और बाद में कार्रवाई का ठोस आधार सामने न आए, तो जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। वरना मुआवजा देना भी केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा। रासुका जैसे कठोर कानूनों का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और गंभीर खतरे से निपटना है। ऐसे कानूनों को सामान्य परिस्थितियों में असहमति दबाने या नागरिकों में भय पैदा करने का माध्यम बनाना खतरनाक होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरी है, लेकिन उसके नाम पर नागरिक स्वतंत्रता की अनदेखी लोकतंत्र को मजबूत नहीं करती। सुरक्षा और स्वतंत्रता का संतुलन संवैधानिक शासन की कसौटी है। इस मामले से पुलिस के विवेक पर भी बड़ा सवाल उठता है। क्या किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने और उस पर कठोर कानून लगाने से पहले तथ्यों की पर्याप्त जांच की गई? क्या अधिकारियों ने स्वतंत्र विवेक का इस्तेमाल किया या दबाव अथवा जल्दबाजी में कार्रवाई की? अदालत की टिप्पणियां इन सवालों को अनदेखा नहीं करने देतीं। पुलिस की सफलता गिरफ्तारी की संख्या नहीं, निष्पक्ष कार्रवाई से मापी जानी चाहिए। धरना, प्रदर्शन और आंदोलन लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के वैध माध्यम हैं। यदि प्रदर्शन में हिंसा, तोड़फोड़ या वास्तविक सुरक्षा खतरा पैदा हो तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की तरह देखना लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह है। श्रमिकों, विद्यार्थियों और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई में सावधानी जरूरी है, ताकि कठोरता असहमति को दबाने का संदेश न बने। इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला पुलिस और प्रशासन दोनों के लिए स्पष्ट चेतावनी है। पुलिस और प्रशासन को किसी भी दबाव में आने से पहले अपने कर्त्तव्य पर ध्यान देने की जरूरत है। उसे सबसे पहले उसी कानून के प्रति जवाबदेह होना होगा, जिसकी उसने शपथ लेकर ड्यूटी ज्वाइन किया है। किसी नागरिक की आजादी छीनने में मनमानी करने से पहले प्रमाण, प्रक्रिया और विवेक की कसौटी पर निर्णय लेना जरूरी है। लोकतंत्र में मजबूत पुलिस वह नहीं जो सबसे कठोर कार्रवाई के लिए डंडा घुमाते फिर बल्कि वह है जिस पर नागरिक को भरोसा हो कि वह शक्ति का इस्तेमाल न्याय और कानून की सीमा में ही करेगी।

संघ प्रमुख का बयान क्यों महत्वपूर्ण है?

जितेंद्र अग्रवाल

अमेरिका में हाल ही में एक बहुधर्मी कार्यक्रम में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत से मुसलमानों को लेकर सवाल पूछा गया। उनके उत्तर का सार बिल्कुल स्पष्ट था- यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदुत्व की मूल भावना को नहीं समझता। उन्होंने मानवता की एकता, विविधता के सम्मान और अलग-अलग आस्था-पद्धतियों के सह-अस्तित्व की बात कही। इस बयान को केवल एक ताजा राजनीतिक बयान मानकर छोड़ देना उचित नहीं होगा। संघ की अपनी प्रकाशित सामग्री में भी लंबे समय से यह विचार मिलता है कि "हिंदू" शब्द को केवल पूजा-पद्धति या संप्रदाय के अर्थ में नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत और राष्ट्रीय पहचान के संदर्भ में देखा जाता है। संघ की आधिकारिक व्याख्या में मुस्लिम और ईसाई नागरिक भी भारत की इसी भूमि और साझा पूर्वजों का हिस्सा माने जाते हैं। यही वह बिंदु है जहां "हिंदू राष्ट्र" और "हिंदुओं का राष्ट्र" के बीच का अंतर समझना आवश्यक हो जाता है।दरअसल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ- जिसे आज देश और दुनिया में आरएसएस के नाम से जाना जाता है- लगभग एक शताब्दी की अपनी यात्रा पूरी कर चुका है। 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा नागपुर में स्थापित यह संगठन आज भी भारतीय सार्वजनिक जीवन में चर्चा, समर्थन, विरोध और आलोचना—सभी का विषय बना हुआ है। संघ के बारे में सबसे बड़ी समस्या शायद यही है कि उसके बारे में राय बनाने वाले बहुत से लोग संघ को उसके स्वयंसेवकों के बीच जाकर देखने के बजाय उसके विरोधियों द्वारा बनाई गई धारणाओं से समझते हैं। नतीजा यह हुआ कि वर्षों से संघ के संबंध में अनेक भ्रांतियां चलती रहीं-विशेषकर यह कि संघ मुसलमानों का विरोधी है, भारत को ऐसा हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता है जिसमें दूसरे धर्मों के लिए कोई स्थान न हो और उसकी राजनीतिक अभिव्यक्ति भाजपा है। लेकिन किसी संगठन को समझने के लिए उसके आलोचकों के शब्दों से अधिक उसके अपने विचार, उसके व्यवहार और उसके सामाजिक कार्यों को देखना जरूरी है। संघ के विचार में हिंदू राष्ट्र का अर्थ ऐसा राज्य नहीं बताया जाता जिसमें गैर-हिंदुओं को नागरिक अधिकार न मिलें या उन्हें देश से बाहर निकाल दिया जाए। संघ की वैचारिक व्याख्या में हिंदू राष्ट्र को भारत की सभ्यता, संस्कृति और जीवन-दृष्टि से जोड़ा जाता है। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी भी हिंदू राष्ट्र को भारतीय जीवन-पद्धति और सांस्कृतिक पहचान के रूप में व्याख्यायित करते रहे हैं।इस अवधारणा से असहमति हो सकती है। होनी भी चाहिए। लोकतंत्र में किसी विचार से असहमति रखना नागरिक अधिकार है। लेकिन किसी विचार की आलोचना करने और उसके बारे में गलत अर्थ गढ़ने में अंतर है।

हिंदू राष्ट्र का अर्थ मुसलमानों का निष्कासन नहीं

भारत की सभ्यता की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक उसकी विविधता रही है। यहां अनेक मत, पंथ, पूजा-पद्धतियां और दर्शन साथ-साथ विकसित हुए हैं।"वसुधैव कुटुम्बकम" और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" जैसे सूत्र इसी व्यापक दृष्टि की ओर संकेत करते हैं।इसलिए यदि कोई यह कहता है कि हिंदू राष्ट्र का मतलब भारत से मुसलमानों या ईसाइयों को निकाल देना है, तो वह संघ की अपनी घोषित वैचारिक व्याख्या के साथ न्याय नहीं कर रहा है। साथ ही, यह भी उतना ही आवश्यक है कि संघ की आलोचना करने वालों को केवल इसलिए गलत न ठहराया जाए क्योंकि वे हिंदू राष्ट्र की अवधारणा से असहमत हैं। असहमति लोकतंत्र की शक्ति है; गलत सूचना लोकतंत्र की कमजोरी।

विभाजन की पीड़ा को भूलना भी संभव नहीं

भारत का विभाजन धर्म के आधार पर हुआ। उस विभाजन ने दोनों ओर असंख्य परिवारों को उजाड़ा और भारी मानवीय त्रासदी पैदा की। इस ऐतिहासिक पीड़ा को याद करना स्वाभाविक है। बहुत से लोग आज भी यह तर्क देते हैं कि जब पाकिस्तान धर्म के आधार पर बना तो भारत के मुसलमानों को भी वहां चले जाना चाहिए था। लेकिन इतिहास को पीछे ले जाना न संभव है और न उचित।

1947 के बाद भारत में रहने वाले मुसलमान भारत के नागरिक हैं। उनकी आने वाली पीढ़ियां भी इसी मिट्टी में जन्मी हैं। किसी नागरिक की देशभक्ति का मूल्यांकन उसके धर्म से नहीं, बल्कि उसके आचरण और राष्ट्र के प्रति उसके दायित्व से होना चाहिए। इसीलिए एक सच्चा राष्ट्रवादी हिंदू किसी देशभक्त मुसलमान को अपना शत्रु नहीं मान सकता। और इसी कसौटी पर किसी हिंदू को केवल उसके धर्म के कारण संदेह की दृष्टि से देखना भी उतना ही गलत है।

देश पहले है, मजहब व्यक्ति की आस्था है।

जिसे भारत की मिट्टी से प्रेम है, जो भारत की संप्रभुता और संविधान का सम्मान करता है और देश की प्रगति में अपना योगदान देता है-वह भारत का अपना है। और यदि कोई व्यक्ति किसी भी धर्म का होकर देश के विरुद्ध खड़ा होता है, तो उसकी आलोचना धर्म के आधार पर नहीं, उसके कृत्य के आधार पर होनी चाहिए।

आरएसएस राजनीतिक दल नहीं है

यह तथ्य भी स्पष्ट होना चाहिए कि आरएसएस स्वयं कोई राजनीतिक दल नहीं है। भारतीय जनता पार्टी एक स्वतंत्र राजनीतिक दल है, हालांकि आरएसएस और बीजेपी के बीच वैचारिक एवं संगठनात्मक संबंधों पर सार्वजनिक जीवन में लंबे समय से चर्चा होती रही है। आरएसएस से प्रेरित अनेक संगठन शिक्षा, मजदूर, किसान, विद्यार्थी, जनजातीय समाज, सेवा और अन्य क्षेत्रों में काम करते हैं। इसलिए संघ को समझने के लिए केवल चुनावी राजनीति को देखना उसी तरह अधूरा है जैसे किसी विशाल वृक्ष को देखकर केवल उसकी एक शाखा को ही पूरा वृक्ष मान लेना।

शाखा संघ का वास्तविक विद्यालय है

आरएसएस को समझना है तो उसके कार्यालय से ज्यादा उसकी शाखा को देखना चाहिए। शाखा में स्वयंसेवक नियमित रूप से एकत्र होते हैं। शारीरिक गतिविधियां, खेल, अनुशासन, बौद्धिक चर्चा, गीत, प्रार्थना और सामाजिक विषयों पर संवाद-इन सबके माध्यम से स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व निर्माण पर जोर दिया जाता है।संघ का दावा है कि जाति और संप्रदाय के आधार पर भेदभाव उसकी संगठनात्मक दृष्टि का हिस्सा नहीं है। इस दावे को परखने का सबसे अच्छा तरीका भी यही है कि कोई व्यक्ति स्वयं शाखा में जाए, स्वयंसेवकों से मिले और वहां के वातावरण को देखे।किसी संगठन को दूर बैठकर सुनने के बजाय उसके बीच जाकर देखना हमेशा अधिक विश्वसनीय होता है।

आरएसएस की चर्चा अक्सर हिंदुत्व और राजनीति के संदर्भ में होती है, लेकिन संघ से जुड़े सेवा कार्यों का दायरा भी बड़ा है। सेवा भारती और संघ के सेवा विभाग शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सहायता और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। वनवासी कल्याण आश्रम जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यों से जुड़ा है।

विद्या भारती शिक्षा के क्षेत्र में, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विद्यार्थी क्षेत्र में, भारतीय मजदूर संघ श्रमिक क्षेत्र में और भारतीय किसान संघ किसानों से जुड़े विषयों में काम करते हैं।

हर माँ घर लौटे, यही विकास की असली पहचान

आरके जैन

जब किसी माँ की जान बचती है, तो आँकड़े में एक संख्या घटती है, लेकिन किसी घर की पूरी दुनिया बच जाती है। 122 से 87 तक पहुँचा मातृ मृत्यु अनुपात इसी बदलाव का प्रमाण है। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की सतत विकास लक्ष्य प्रगति रिपोर्ट 2026 के अनुसार, 2015-17 में प्रति लाख जीवित जन्म पर 122 माताओं की मृत्यु होती थी, जो 2022-24 में घटकर 87 रह गई। 35 की यह कमी महज गणित नहीं; यह हर एक लाख जीवित जन्म पर 35 माताओं के बचने का अर्थ है। देशभर में इससे हजारों परिवारों की दुनिया सुरक्षित हुई है। हर घटती संख्या के पीछे एक बची माँ की साँस, बच्चे की सलामत गोद और परिवार का सुरक्षित भविष्य है।

कभी प्रसव की राह में अस्पताल से पहले मजबूरियाँ खड़ी मिलती थीं। अस्पताल दूर, सड़क खराब, वाहन का भरोसा नहीं और पैसों की तंगी अलग संकट थी। अंधविश्वास और रूढ़ मान्यताएँ प्रसव को इलाज नहीं, किस्मत के भरोसे छोड़ देती थीं। कई बार घर ही प्रसव कक्ष बनता और जटिलता बढ़ने पर मदद देर से पहुँचती। अब तस्वीर बदल रही है। नियमित जाँच, आयरन की गोलियाँ, संस्थागत प्रसव और जरूरत पर एम्बुलेंस ने मातृत्व को सुरक्षित किया है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और सुरक्षित मातृत्व अभियान ने भी यह भरोसा मजबूत किया है कि माँ को बचाना सुविधा नहीं, व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

इस बदलाव की जड़ें उन गाँवों की मिट्टी में हैं, जहाँ इलाज की दूरी धीरे-धीरे घटकर लोगों की चौखट तक आ गई है। तपती दोपहर हो या स्याह रात, आशा कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं तक पहुँचती हैं, जाँच के लिए प्रेरित करती हैं, खतरे के संकेत समझाती हैं और जरूरत पड़ने पर अस्पताल पहुँचाती हैं। आंगनवाड़ी केंद्र पोषण और जागरूकता की कड़ी बनते हैं। नर्सें प्रसव कक्ष में रात-दिन डटी रहती हैं, डॉक्टर सीमित साधनों में भी जीवन बचाने की जद्दोजहद करते हैं। इसलिए मातृ मृत्यु में कमी किसी एक विभाग की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन अनाम हाथों की साझा जीत है, जिन्होंने किसी माँ को मौत की देहरी तक पहुँचने से पहले थाम लिया। मातृ मृत्यु का घटता आँकड़ा दरअसल समाज की बदलती दृष्टि की कहानी भी कहता है। गर्भवती को समय पर अस्पताल पहुँचाना केवल उपचार तक पहुँचना नहीं, उसके जीवन को महत्व देना है। शिक्षित महिला खतरे के संकेत पहचानती है, सक्षम परिवार इलाज टालता नहीं और जागरूक समाज अंधविश्वास के बजाय विज्ञान का साथ चुनता है। इसलिए मातृ मृत्यु अनुपात में गिरावट स्वास्थ्य क्षेत्र की उपलब्धि भर नहीं, सामाजिक चेतना के बदलते चेहरे का आईना भी है। महिला को सिर्फ संतान जन्म देने वाली देह न मानकर अधिकार, स्वास्थ्य और सम्मान से पूर्ण मनुष्य समझना ही इस परिवर्तन की असली नींव है।

संस्थागत प्रसव का 90 प्रतिशत से ऊपर पहुँचना इस बदलाव की गहराई को रेखांकित करता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के 2023-24 के आँकड़े इसकी स्पष्ट पुष्टि करते हैं। मातृ मृत्यु का घटता आँकड़ा सुकून देता है, मगर सवाल भी छोड़ जाता है- क्या 87 पर संतोष किया जा सकता है? 87 अब भी शून्य नहीं है। हर मातृ मृत्यु के पीछे एक घर की बुझी रोशनी, एक बच्चे की सूनी गोद और एक पति के कंधों पर अचानक बढ़ा जिम्मेदारियों का बोझ है। इसलिए 122 से 87 तक पहुँचना बड़ी उपलब्धि है, पर इसे मंजिल मान लेना भूल होगी। विकास केवल मृत्यु अनुपात घटने पर संतुष्ट हो जाना नहीं; विकास तब सार्थक होगा, जब प्रसव के दौरान किसी माँ की मृत्यु असामान्य और अस्वीकार्य मानी जाए—जीवन की अनिवार्य कीमत नहीं।

मातृत्व सुरक्षा की असली कसौटी वहीं सामने आती है, जहाँ सुविधा की आखिरी सीमा समाप्त हो जाती है। पहाड़ी इलाकों, दूर-दराज जिलों और गरीब बस्तियों में आज भी अस्पताल तक पहुँचना आसान नहीं है। कहीं एम्बुलेंस देर से आती है, कहीं रक्त बैंक में पर्याप्त रक्त नहीं मिलता और कहीं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की कमी जटिल स्थिति को और गंभीर बना देती है। प्रसव की आपात स्थिति में कुछ मिनट भी जीवन-मृत्यु का फैसला कर सकते हैं। इसलिए योजनाएँ बनाना भर पर्याप्त नहीं; उनका ईमानदार क्रियान्वयन, मजबूत रेफरल व्यवस्था, पर्याप्त रक्त, प्रशिक्षित स्टाफ और तेज आपात सेवाएँ जरूरी हैं। आखिरी गाँव तक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाए बिना मातृ मृत्यु को निर्णायक रूप से घटाना संभव नहीं होगा। माँ को बचाने की जिम्मेदारी की पहली शर्त है-उसे अकेला न छोड़ना। गर्भावस्था और प्रसव को केवल महिला का दायित्व मानने वाली सोच बदलनी होगी। पति पत्नी की नियमित जाँच को उतनी ही गंभीरता से ले, जितनी किसी जरूरी पारिवारिक जरूरत को। सास बहू की कमजोरी को 'सामान्य' कहकर न टाले, डॉक्टर की सलाह माने। परिवार गर्भवती के पोषण, आराम और उपचार को खर्च नहीं, भविष्य में किया गया निवेश समझे। मातृत्व सुरक्षा तभी मजबूत होगी, जब समाज माने कि माँ को बचाने की जिम्मेदारी केवल माँ की नहीं-परिवार, समुदाय और शासन की भी है।

किसी देश की प्रगति का सबसे सच्चा प्रमाण तब मिलेगा, जब प्रसव के बाद हर माँ अपने नवजात को सीने से लगाए सकुशल घर लौटेगी। जीडीपी, ऊँची इमारतें, तकनीकी उपलब्धियाँ और आर्थिक विकास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जीवन बचाने से बड़ा विकास का कोई पैमाना नहीं। 122 से 87 की यात्रा उम्मीद जगाती है, पर जिम्मेदारी भी बढ़ाती है। यह उन माताओं को मौन श्रद्धांजलि है, जो लौट नहीं सकीं, और आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कर्मियों, नर्सों, डॉक्टरों व परिवारों को सलाम है, जिन्होंने अनगिनत जिंदगियाँ बचाईं। अब 87 को पड़ाव नहीं, शून्य की ओर अगली छलांग की शुरुआत मानना होगा। क्योंकि एक माँ बचती है तो साथ में बच्चे का भविष्य, परिवार की धुरी और आने वाली पीढ़ी की उम्मीद बचती है।

राष्ट्र निर्माता शिक्षक का सम्मान एक ही दिन क्यों?

अशोक कुमार भार्गव

शिक्षक दिवस राष्ट्र निर्माता शिक्षकों के नमन का दिन है जो ज्ञान की रोशनी से विद्यार्थियों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। जो अपने विद्यार्थियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए निस्वार्थ भाव से अपना वर्तमान समर्पित कर देते हैं। वे जो वर्तमान पीढ़ी के व्यक्तित्व को परिष्कृत कर राष्ट्र के भविष्य को स्वर्णिम बनाते हैं। वे शिक्षक जो जीवन संग्राम में आने वाली चुनौतियों का सामना करने की सामर्थ्य अपने विद्यार्थियों में सृजित करते हैं। इन्हीं शिक्षकों की गरिमा और यश को गौरान्वित करने का दिवस है शिक्षक दिवस। शिक्षकों के श्रेष्ठतम कार्यों का मूल्यांकन कर उन्हें सार्वजनिक रूप से अलंकृत करने का संकल्प दिवस है शिक्षक दिवस।

निसंदेह किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव राष्ट्र निर्माता शिक्षक ही होते हैं। इसीलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षकों को परमेश्वर से भी पहले सम्मान दिया गया है क्योंकि शिक्षक अपने विद्यार्थियों के हृदय में शुभ संस्कारों के सर्जक के नाते ब्रह्मा हैं। उनके रक्षण वर्धन के नाते विष्णु और अशुभ संस्कारों, अन्तरविकारों को नष्ट करने के कारण शिव है अर्थात ब्रह्मा विष्णु और महेश के समन्वित स्वरूप का दूसरा नाम ही गुरु है। जिस प्रकार कुम्हार बाहर से घड़े को ठोकता पीटता है तथा भीतर से हाथ का सहारा देकर खोट निकालकर लोकोपयोगी घट का निर्माण करता है।

उसी प्रकार आदर्श शिक्षक भीतर से अपनी सहानुभूति का सहारा देता हुआ ऊपर से आवश्यकतानुसार चोट मारकर गढ गढ कर अपने शिष्य का शुभ निर्माण करता है। कबीरदासजी कहते हैं गुरु कुम्हार सिख कुंभ है, गढि गढ़ि काढै खोट। अंतर हाथ सहारे दै, बाहर- बाहर चोट। ऐसे सुनिर्मित विद्यार्थी ही राष्ट्र के भावी कर्णधार और राष्ट्र निर्माता होते हैं। यदि शिक्षक अपने छात्रों का निर्माण ठीक से न करें तो उसकी गलती राष्ट्र के भविष्य में झलकती है। महर्षि अरविंद ने ठीक ही कहा है अध्यापक राष्ट्र की संस्कृति के चतुरमाली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींच सींच कर महाप्राण शक्तियांज बनाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को भी यह समझ लेना चाहिए की यह तन विष की बैलरी गुरु अमरित की खान, सीस दिए जो गुरु मिले तो भी सस्ता जान। डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन महान दार्शनिक, शिक्षक और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति थे। इन्होंने कबीरदास की भांति शिक्षकों की महिमा को मंडित करने के लिए अपने प्रशंसकों द्वारा उनका जन्मदिवस सार्वजनिक रूप से मनाने के आग्रह पर अपना जन्मदिवस शिक्षकों के नाम समर्पित कर दिया। और 1962 से प्रति वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा। किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका अप्रतिम होती है जैसा कि चाणक्य ने स्पष्ट कहा है ' शिक्षक कभी साधारण नहीं होता प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते हैं।'

डॉ. राधाकृष्णन कहते हैं कि शिक्षक एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को बौद्धिक परंपराएं और तकनीकी कौशल पहुंचाने का केंद्र है। हेनरी ब्रुक्स एडम्स का कहना है कि ' एक शिक्षक अनंत काल को प्रभावित करता है, वह कभी नहीं बता सकता कि उसका प्रभाव कहां रुकता है।'

डॉ.भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक बदलाव, अधिकार प्राप्ति और मुक्ति का सबसे शक्तिशाली साधन माना।

उनकी दृष्टि में शिक्षक राष्ट्र रूपी रथ का सारथी है नौकरी करने वाला मास्टर नहीं। शिक्षा केवल किताबों से ही नहीं मिलती, वह शिक्षक के आचरण और व्यवहार से भी मिलती है। इसलिए शिक्षक में करुणा, समता और बंधुता का भाव होना चाहिए। वह प्रज्ञावान शीलवान और लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखने वाला योग्य शिक्षक होना चाहिए। जिस धरा पर कबीर ने गुरु की महिमा को गोविंद से पहले ये कह कर मंडित किया कि 'हरि रूठै गुरु ठौर है, गुरु रूठै नहीं ठौर, उसी धरा पर क्या शिक्षकों की गरिमा का सम्मान सिर्फ एक दिन होना चाहिए? क्या ये संभव नहीं है कि शिक्षक जो न केवल राष्ट्र निर्माता चरित्र निर्माता हैं उसकी महिमा का सम्मान निरंतर करें क्योंकि राष्ट्र का निर्माण सिर्फ एक दिन में नहीं होता है, वरन उसके लिए अनवरत साधना होती है और शिक्षक भी किसी एक दिन में ही अपने विद्यार्थियों को संपूर्ण नहीं बना देते, वरन वे प्रतिदिन इस दिशा में समर्पण भाव से क्रियाशील रहते हैं। अतः ऐसे आदर्श शिक्षक ही वर्ष में सिर्फ एक दिन नहीं वरन प्रतिदिन प्रतिपल प्रतिक्षण सम्मान के पात्र होते हैं। भारत की सांस्कृतिक चेतना में शिक्षा और समाज का शाश्वत संबंध रहा है। सभ्यता के प्रारंभ से ही वैविध्यपूर्ण भारतीय समाज में धर्म, दर्शन और शिक्षा राष्ट्र की बुनियाद रही है। नालंदा,तक्षशिला, विक्रमशिला भारतीय शिक्षा पद्धति के गौरवशाली बौद्धिक स्मारक हैं। प्राचीन शिक्षा पद्धति पर वेदों, उपनिषदों,पुराणों आदि के जीवन दर्शन की स्पष्ट छाप थी। भारतीय मनीषियों ने उस समय जब बालक अपनी शिक्षा समाप्त कर गुरु की आज्ञा से गृहस्थ आश्रम में प्रविष्ट होता था समाज अभिनंदन करता था। गुरु और शिष्य का आदर्शात्मक संबंध अलौकिक था।नगर के कोलाहल से दूर गुरुकुल व्यवस्था में संघर्षों से मुक्त बौद्धिक शक्ति, चरित्र बल और आध्यात्मिक चेतना से संपन्न हो कर सांसारिक जीवन में उनका प्रवेश अर्थ धर्म काम और मोक्ष के पुरुषार्थ की सिद्धि में सहायक होकर पूर्ण मनुष्य का निर्माण करने वाली थी।

जीवन की राह में ज्ञान का दीप जलाते हैं शिक्षक

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में लगभग सभी महापुरूषों ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा दी है। गुरू रूपी इन्हीं शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। यह एकमात्र ऐसा दिन है, जब छात्र अपने शिक्षकों अर्थात गुरुओं को उपहार देते हैं। पहले जहां गुरूकुल परम्परा हुआ करती थी और उस समय जीवन की व्यावहारिक शिक्षाएं इन्हीं गुरूकुल में गुरु दिया करते थे, आज नए जमाने में गुरूओं का वही अहम कार्य शिक्षक पूरा कर रहे हैं, जो छात्रों के सच्चे मार्गदर्शक बनकर उन्हें स्कूल से लेकर कॉलेज तक वह शिक्षा देते हैं, जो उन्हें जीवन में बुलंदियों तक पहुंचाने में सहायक बनती है। आज भले ही शिक्षा प्राप्त करने या ज्ञानोपार्जन के लिए अनेक तकनीकी साधन सुलभ हैं किन्तु एक अच्छे शिक्षक की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। जिस प्रकार एक अच्छा शिल्पकार किसी भी पत्थर को तराशकर उसे खूबसूरत रूप दे सकता है और एक कुम्हार गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान कर सही आकार के खूबसूरत बर्तन बनाता है, समाज में वही भूमिका एक शिक्षक अदा करता है, इसीलिए शिक्षक को समाज के असली शिल्पकार का भी दर्जा दिया जाता है। इतिहास ऐसे शिक्षकों के उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिन्होंने अपनी शिक्षा से अनेक लोगों के जीवन की दिशा ही बदल दी।

भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर भारत में प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 13 मई 1962 को राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने और उसी वर्ष उनके कुछ छात्र उनका जन्मदिन मनाने के उद्देश्य से उनके पास गए तो उन्होंने उन छात्रों को परामर्श दिया कि उनके जन्मदिन को अध्यापन के प्रति उनके समर्पण के लिए 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए और इस प्रकार 5 सितम्बर 1962 से ही देश में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। 5 सितम्बर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे डा. राधाकृष्णन ने अपने जीवनकाल के 40 वर्ष एक आदर्श शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिए। मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने मैसूर यूनिवर्सिटी, कलकत्ता यूनिवर्सिटी तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्यापन किया और लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भी दर्शन शास्त्र पढ़ाया। 1931 में किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान की किन्तु उन्होंने देश की आजादी के बाद अपने नाम के साथ 'सर' लगाना बंद कर दिया। राधाकृष्णन 1947 से 1949 तक संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य रहे और 1954 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1962 में ब्रिटिश अकादमी का सदस्य बनने पर उन्हें गोल्डन स्पर, इंग्लैंड के 'ऑर्डर ऑफ मैरिट' तथा 1975 में मरणोपरांत अमेरिकी सरकार द्वारा 'टेम्पलटन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। डा. राधाकृष्णन एक महान् दार्शनिक और आदर्श शिक्षक होने के साथ-साथ राजनीति में भी प्रवीण थे।

दर्शन शास्त्र जैसे गंभीर विषय को भी डा. राधाकृष्णन अपनी अद्भुत शैली से बेहद सरल और रोचक बना देते थे। जिस विषय का वे अध्यापन करते थे, पहले स्वयं उसका गहन अध्ययन करते थे। डा. राधाकृष्णन अपने व्याख्यानों के साथ-साथ विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से छात्रों को उच्च नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में समाहित करने के लिए प्रेरित कर उनका बेहतर मार्गदर्शन भी करते थे। उनका कहना था कि हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि शिक्षक के बिना इस दुनिया में हम सभी अधूरे हैं। शिक्षक ही हैं, जो देश के भविष्य के वास्तविक आकृतिकार हैं और हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं।

गुरु की महत्ता बताता शिक्षक दिवस

डॉ टी महादेव राव

कबीरदास द्वारा लिखी गई उक्त पंक्तियाँ जीवन में गुरु के महत्त्व को वर्णित करने के लिए काफ़ी हैं। भारत में प्राचीन समय से ही गुरु व शिक्षक परंपरा चली आ रही है। गुरुओं की महिमा का वृत्तांत ग्रंथों में भी मिलता है। जीवन में माता-पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता, क्योंकि वे ही हमें इस रंगीन ख़ूबसूरत दुनिया में लाते हैं। उनका ऋण हम किसी भी रूप में उतार नहीं सकते, लेकिन जिस समाज में रहना है, उसके योग्य हमें केवल शिक्षक ही बनाते हैं। यद्यपि परिवार को बच्चे के प्रारंभिक विद्यालय का दर्जा दिया जाता है, लेकिन जीने का असली सलीका उसे शिक्षक ही सिखाता है। समाज के शिल्पकार कहे जाने वाले शिक्षकों का महत्त्व यहीं समाप्त नहीं होता, क्योंकि वह ना सिर्फ़ विद्यार्थी को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, बल्कि उसके सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती है। शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक कुम्हार होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश के साथ प्रबुद्ध हो सकता है। इसलिये, देश में सभी शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। अपने शिक्षकों के महान कार्यों के बराबर हम उन्हें कुछ भी नहीं लौटा सकते हालाँकि, हम उन्हें सम्मान और धन्यावाद दे सकते हैं। हमें पूरे दिल से ये प्रतिज्ञा करनी चाहिये कि हम अपने शिक्षक का सम्मान करेंगे क्योंकि बिना शिक्षक के इस दुनिया में हम सभी अधूरे हैं। शिक्षक दिवस गुरु की महत्ता बताने वाला प्रमुख दिवस है। भारत में 'शिक्षक दिवस' प्रत्येक वर्ष 5 सितम्बर को मनाया जाता है। शिक्षक का समाज में आदरणीय व सम्माननीय स्थान होता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार गुरु पूर्णिमा के दिन को 'गुरु दिवस' के रूप में स्वीकार किया गया है। बहुत सारे कवियों, गद्यकारों ने कितने ही पन्ने गुरु की महिमा में रंग डाले हैं।

भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस और उनकी स्मृति के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला 'शिक्षक दिवस' एक पर्व की तरह है, जो शिक्षक समुदाय के मान-सम्मान को बढ़ाता है। कहा जाता है कि किसी भी पेशे की तुलना अध्यापन से नहीं की जा सकती। ये दुनिया का सबसे अनमोल और आदरणीय पेशा है। 5 सितंबर को अध्यापन पेशे को समर्पित किया गया है। शिक्षकों को सम्मान देने और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को याद करने के लिये हर साल इसे मनाया जाता है। देश के विकास और समाज में हमारे शिक्षकों के योगदान के साथ ही अध्यापन पेशे की महानता को उल्लेखित करने के लिये हमारे पूर्व राष्ट्रपति के जन्मदिवस को समर्पित किया गया है। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था और 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के द्वारा दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरुआत की।उन्होंने देश में बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया है। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें अपने बहुमूल्य सेवा की पहचान के लिये 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन के अध्यक्ष के रुप में नियुक्त किया गया। 1962 से शिक्षक दिवस के रुप में 5 सितंबर को मनाने की शुरुआत हुई।

सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय पेसर्स कौन? सूची में आरपी-मुनाफ और नेहरा शामिल नहीं

क्रिकेट में किसी गेंदबाज की महानता सिर्फ अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड से नहीं, बल्कि उसके पूरे पेशेवर करियर में लिए गए विकेटों से भी आंकी जाती है। भारत ने एक से बढ़कर एक दिग्गज तेज गेंदबाज दिए हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक अपनी छाप छोड़ी। दिलचस्प बात यह है कि जब पेशेवर क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाजों की टॉप-11 सूची सामने आती है, तो कुछ बेहद बड़े नाम इसमें नजर नहीं आते।

मुनाफ पटेल, अजीत अगरकर, आरपी सिंह, प्रवीण कुमार, श्रीसंत और आशीष नेहरा जैसे स्टार गेंदबाज इस सूची से बाहर हैं। पेशेवर क्रिकेट से मतलब है किसी गेंदबाज का प्रथम श्रेणी, लिस्ट-ए और सभी तरह के टी20 में विकेट।

1. कपिल देवः 1170 विकेट

इस लिस्ट में सबसे ऊपर यानी नंबर-1 स्थान पर महान ऑलराउंडर कपिल देव हैं। कपिल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 835 विकेट और लिस्ट-ए में 335 विकेट लिए। प्रथम श्रेणी में कपिल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 83 रन देकर नौ विकेट है, जबकि लिस्ट-ए में कपिल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 43 रन देकर पांच विकेट है। कपिल 1983 में पहली बार विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे थे।

2. जहीर खानः 1168 विकेट

इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर भारत के दिग्गज तेज गेंदबाजों में शुमार जहीर खान हैं। जहीर ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 672 विकेट लिए। वहीं, लिस्ट-ए में उनके नाम 357 विकेट हैं। टी20 में जहीर ने 139 विकेट लिए। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 138 रन देकर नौ विकेट है, जबकि लिस्ट-ए में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 42 रन देकर पांच विकेट है। टी20 में जहीर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17 रन देकर चार विकेट है।

3. जयदेव उनादकटः 941 विकेट

भारतीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। उनादकट पेस में वेरिएशन के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अब तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 495 विकेट, लिस्ट-ए में 185 विकेट और टी20 में 261 विकेट लिए हैं। प्रथम श्रेणी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 39 रन देकर आठ विकेट है। वहीं, लिस्ट-ए में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23 रन देकर पांच विकेट है। टी20 में 25 रन देकर पांच विकेट उनका बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस है। उनादकट ने भारत के लिए चार टेस्ट, आठ वनडे और 10 टी20 खेले हैं। उन्होंने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच अगस्त

2023 में खेला था।

4. जवागल श्रीनाथः 940 विकेट

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं। श्रीनाथ ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 533 विकेट और लिस्ट ए में 407 विकेट लिए। उनके समय टी20 क्रिकेट नहीं आया था। श्रीनाथ को भारत के सबसे तेज और महान तेज गेंदबाजों में गिना जाता है। प्रथम श्रेणी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 76 रन देकर नौ विकेट है। लिस्ट-ए में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23 रन देकर पांच विकेट है।

5. विनय कुमारः 923 विकेट

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज विनय कुमार इस लिस्ट में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 504 विकेट और लिस्ट-ए में 225 विकेट लिए हैं। टी20 में उनके नाम 194 विकेट हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 32 रन देकर आठ विकेट है। वहीं, लिस्ट-ए में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 34 रन देकर पांच विकेट है। टी20 में विनय कुमार का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चार रन देकर चार विकेट है। विनय ने भारत के लिए एक टेस्ट, 31 वनडे और नौ टी20 खेले।

6. मोहम्मद शमीः 903 विकेट

भारत के स्टार पेसरों में शुमार शमी ने हाल ही में पेशेवर क्रिकेट में 900 विकेट पूरे किए हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 382 विकेट, लिस्ट-ए में 283 विकेट और टी20 में 238 विकेट झटके हैं। प्रथम श्रेणी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90 रन देकर आठ विकेट है, जबकि लिस्ट-ए में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 57 रन देकर सात विकेट है। वहीं, टी20 में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11 रन देकर चार विकेट है। शमी फिलहाल 36 साल के हैं और समय समय पर टीम इंडिया में उनकी वापसी की मांग उठती रहती है। उन्होंने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच मार्च 2025 में खेला था।

7. जसप्रीत बुमराहः 878 विकेट

भारत के महान तेज गेंदबाजों में शुमार हो चुके जसप्रीत बुमराह इस लिस्ट में सातवें स्थान पर हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 326 विकेट, लिस्ट-ए में 203 विकेट और टी20 में 349 विकेट लिए हैं। बुमराह का प्रथम श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 27 रन देकर छह विकेट, लिस्ट-ए में 19 रन देकर छह विकेट और टी20 में 10 रन देकर पांच विकेट है। विराट कोहली बुमराह को राष्ट्रीय धरोहर तक कह चुके हैं।

8. ईशांत शर्माः 845 विकेट

भारत के दिग्गज तेज गेंदबाजों में शुमार ईशांत शर्मा इस लिस्ट में आठवें स्थान पर हैं। अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच 2023 में खेलने वाले ईशांत ने अभी तक क्रिकेट से संन्यास का एलान नहीं किया है। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 486 विकेट लिए। वहीं, लिस्ट-ए में उनके नाम 201 विकेट हैं। टी20 में ईशांत ने कुल मिलाकर 158 विकेट लिए। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में ईशांत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 24 रन देकर सात विकेट है, जबकि लिस्ट-ए में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21 रन देकर पांच विकेट है। टी20 में ईशांत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 12 रन देकर पांच विकेट है।

9. इरफान पठानः 829 विकेट

भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान इस लिस्ट में नौवें स्थान पर हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 384 विकेट लिए, जबकि लिस्ट-ए में उनके नाम 272 विकेट हैं। टी20 में पठान ने 173 विकेट निकाले। प्रथम श्रेणी में पठान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 35 रन देकर सात विकेट है। वहीं, लिस्ट ए में 27 रन देकर पांच विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है। टी20 में पठान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 13 रन देकर पांच विकेट है।

10. भुवनेश्वर कुमारः 813 विकेट

भारत के एक और स्टार पेसर भुवनेश्वर कुमार इस लिस्ट में 10वें स्थान पर हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 231 विकेट, लिस्ट-ए में 219 विकेट और टी20 में 363 विकेट लिए हैं। अपनी घातक स्विंग के लिए पहचाने जाने वाले भुवनेश्वर ने आईपीएल के पिछले दो सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई है। प्रथम श्रेणी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 41 रन देकर आठ विकेट है, जबकि लिस्ट-ए में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 42 रन देकर पांच विकेट है। टी20 में भुवी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चार रन देकर पांच विकेट है। भुवी पिछले काफी समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच नवंबर 2022 में खेला था, जो कि न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में एक टी20 मैच था।

11. उमेश यादवः 779 विकेट

भारत के तेज गेंदबाज उमेश यादव पेशेवर क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में 11वें स्थान पर आते हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी में 380 विकेट, लिस्ट-ए में 194 विकेट और टी20 में 205 विकेट लिए। प्रथम श्रेणी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 48 रन देकर सात विकेट है, जबकि लिस्ट-ए में 26 रन देकर पांच विकेट और टी20 में 18 रन देकर पांच विकेट है। उमेश ने भारत के लिए अपना पिछला मैच 2023 में खेला था। वह मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल था।

बीसीसीआई की कार्रवाईः बंगाल के स्पिनर रोहित यादव पर क्यों लगाया दो साल का प्रतिबंध? अंडर-19 टीम में हुआ था चयन

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उम्र को लेकर कथित गलत जानकारी देने के मामले में बंगाल के लेग स्पिनर रोहित यादव पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। खास बात यह है कि कुछ सप्ताह पहले ही उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया था। उत्तर प्रदेश के रहने वाले रोहित ने जुलाई में भारत की अंडर-19 टीम के साथ श्रीलंका का दौरा किया था। उन्होंने वहां छह विकेट लिए थे और टीम को अंतिम टेस्ट जीतने में अहम योगदान दिया था।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि रोहित पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। रोहित को इस महीने के अंत में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाले भारत के घरेलू वनडे और बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए भी टीम में शामिल किया गया था। श्रीलंका दौरे के दौरान दस्तावेजों की जांच में उनकी उम्र को लेकर विसंगतियां सामने आईं।

रोहित के पास जन्म के तीन अलग-अलग प्रमाणपत्र मिले, जिनमें जन्म वर्ष 2007, 2009 और 2010 दर्ज है।

उम्र को लेकर अलग-अलग जानकारी

इसके अलावा उनके आधार रिकॉर्ड में भी अलग-अलग जन्म वर्ष पाए गए। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) में उनका जन्म वर्ष 2007 दर्ज था, जबकि आधार रिकॉर्ड में 2017 और 2020 के अपडेट में 2006 और 2021 में इसे बदलकर 2009 किया गया। इन विसंगतियों के कारण वह आयु वर्ग की क्रिकेट खेलने के लिए अयोग्य पाए गए। सीएबी ने इन गड़बड़ियों के चलते पहले ही रोहित को अपनी जूनियर टीमों से बाहर कर दिया था और बाद में बीसीसीआई को इसकी जानकारी दी। अब बोर्ड ने उन्हें दो साल तक घरेलू क्रिकेट खेलने से भी रोक दिया है और सभी संबद्ध राज्य क्रिकेट संघों को इसकी सूचना दे दी है।

सीएबी ने 62 खिलाड़ियों पर कसा शिकंजा

रोहित उन 62 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें सीएबी ने दस्तावेजों और उम्र संबंधी विसंगतियों के कारण 2026-27 और 2027-28 सत्र में किसी भी टूर्नामेंट के लिए पंजीकरण या स्थानांतरण के लिहाज से अयोग्य घोषित किया है। इस सूची में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के पूर्व सदस्य रवि कुमार और बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर विशाल भट्टी भी शामिल हैं।

रवि 2022 में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के अहम सदस्य रहे हैं। सीएबी रिकॉर्ड में उनकी उम्र को लेकर 45 महीने का अंतर पाया गया है। संघ ने कई अन्य आयु वर्ग के खिलाड़ियों के रिकॉर्ड में भी कई वर्षों तक की विसंगतियां चिन्हित की हैं। यह कार्रवाई खिलाड़ियों के दस्तावेजों और जन्म तिथि के रिकॉर्ड की व्यापक जांच का हिस्सा है, जिसकी सूची सीएबी ने अपनी वेबसाइट पर भी जारी की है।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव तीसरे राउंड में पहुंचे

पांच सेट चले मुकाबले में क्वेंटिन हेलिस को हराया

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। पांच सेट तक चले एक बेहद कड़े और संघर्षपूर्ण

मुकाबले में जर्मनी के ज्वेरेव फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस को हराया। आर्थर ऐश स्टेडियम में 4 घंटे और 53 मिनट तक चले मुकाबले को एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 6-4, 4-6, 7-6(3), 6-7(3), 6-3 से जीता। पहला राउंड मुकाबला भी 5 सेट में जीतने वाले ज्वेरेव ने दूसरे राउंड में फ्रांस के खिलाड़ी के सामने लय पाने में समय लिया, लेकिन अंततः मैच को अपने नाम किया। मैच के दौरान एलेक्जेंडर ज्वेरेव को खतरनाक बैकहैंड और सर्व से जूझना पड़ा, लेकिन ज्वेरेव ने मैच के जरूरी मौकों का सही फायदा उठाया और अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार किया, जबकि हेलिस को अहम पलों में चूकने की वजह से नुकसान उठाना पड़ा। ज्वेरेव यूएस ओपन जीतने के इरादे से उतरे हैं। वह पहली बार किसी मेजर में टॉप सीड के तौर पर मुकाबला कर रहे हैं।

जर्मन खिलाड़ी का अगला मुकाबला 25वीं सीड एलेजांद्रो टैबिलो से है, जो अमेरिकन स्लैम में एक जाना-पहचाना नाम है। ज्वेरेव ने पिछले साल यूएस ओपन के पहले राउंड में चिली के खिलाड़ी को हराकर अपनी एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में 2-0 का सुधार किया था।

टैबिलो, जिनके नाम तीन खिताब हैं, क्ले को अपना पसंदीदा सरफेस बताते हैं। क्ले पर 2024 रोम सेमीफाइनल में, यह ज्वेरेव के लिए एक मुश्किल काम था क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया और दूसरे में टाईब्रेक में जीत हासिल की, जिससे तीन सेट की जीत मिली। ज्वेरेव सीजन में मेजर टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे, फ्रेंच ओपन का खिताब जीते, और विंबलडन का फाइनल खेला। वह इस साल ग्रैंड स्लैम इवेंट्स में 20 जीत तक पहुंचने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी हैं, जिससे उनका रिकॉर्ड 20-2 हो गया है।

पावरग्रिड अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट का शुभारंभ

हैदराबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन महारत्न सीपीएसई पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने आज हैदराबाद के मोइनाबाद स्थित फायरफॉक्स स्पोर्ट्स एंड रिसॉर्ट्स में पावरग्रिड अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ किया। पावरग्रिड के दक्षिण क्षेत्र-I (एसआर-I) द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल आयोजन 4 से 6 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

उद्घाटन समारोह में श्री दोमन यादव, कार्यपालक निदेशक (एसआर-I) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तथा श्री बी. श्रवण कुमार, संयुक्त सचिव, तेलंगाना कबड्डी संघ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए श्री दोमन यादव ने कबड्डी खेल की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'कबड्डी शक्ति, सहनशक्ति, रणनीति और टीम भावना की परीक्षा है, जो पावरग्रिड की कार्यसंस्कृति की मूल भावना को प्रतिबिंबित करती है। अंक और ट्रॉफियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सच्ची खेल भावना सबसे स्थायी छाप छोड़ती है। मैं सभी खिलाड़ियों से पूरे उत्साह के साथ प्रतिस्पर्धा करने, नियमों का सम्मान करने तथा विभिन्न क्षेत्रों के बीच आपसी सौहार्द को मजबूत करने का आह्वान करता हूं।' अपने संबोधन में श्री अरुण कुमार ने पावरग्रिड की कार्यसंस्कृति और कबड्डी के बीच समानताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि दोनों ही क्षेत्रों में सतर्कता, अनुशासन, दृढ़ता और टीमवर्क की आवश्यकता होती है, जो मैदान और कार्यस्थल दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनिवार्य हैं।

श्री बी. श्रवण कुमार, संयुक्त सचिव, तेलंगाना कबड्डी संघ ने स्वदेशी खेलों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए पावरग्रिड की सराहना की। उन्होंने कहा कि कबड्डी बुद्धिमत्ता, रणनीति और कौशल का खेल है, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों के माध्यम से देश का गौरव बढ़ाया है। तेलंगाना कबड्डी संघ के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर से पावरग्रिड के विभिन्न क्षेत्रीय प्रतिष्ठानों का प्रतिनिधित्व करने वाली 12 टीमों के 144 खिलाड़ी-कर्मचारी भाग ले रहे हैं। इनमें कॉरपोरेट सेंटर (सीसी), उत्तरी क्षेत्र-I (एनआर-आई), उत्तरी क्षेत्र-II (एनआर-II), उत्तरी क्षेत्र-III (एनआर-III),

पूर्वी क्षेत्र-I (ईआर-I), पूर्वी क्षेत्र-II (ईआर-II), उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एनईआर), उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र (एनडब्ल्यूआर), दक्षिणी

क्षेत्र-I (एसआर-I), दक्षिणी क्षेत्र-II (एसआर-II), पश्चिमी क्षेत्र-I (डब्ल्यूआर-I) तथा पश्चिमी क्षेत्र-II (डब्ल्यूआर-II) शामिल हैं। आगामी तीन दिनों के दौरान टीमें कई रोमांचक मुकाबलों में अपनी खेल प्रतिभा, रणनीतिक कौशल, टीम भावना और क्षेत्रीय गौरव का प्रदर्शन करेंगी। उद्घाटन समारोह का समापन मुख्य अतिथि द्वारा खिलाड़ियों और तकनीकी अधिकारियों से परिचय के साथ हुआ, जिसके बाद औपचारिक टॉस के जरिए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट पावरग्रिड के उस सतत प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों की सहभागिता, शारीरिक फिटनेस और टीमवर्क की संस्कृति को बढ़ावा देना तथा संगठन के विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत बनाना है। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है। गुरुग्राम, हरियाणा स्थित मुख्यालय वाली पावरग्रिड विश्व के सबसे बड़े विद्युत पारेषण नेटवर्कों में से एक का स्वामित्व और संचालन करती है तथा पूरे भारत में विद्युत की विश्वसनीय, कुशल और सुरक्षित पारेषण व्यवस्था सुनिश्चित करती है।

अभिषेक शर्मा का जन्मदिनः युवराज सिंह ने इस तरह अपने शिष्य को दीं शुभकामनाएं

पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को अपने अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर खास शुभकामनाएं दीं। अभिषेक शर्मा को एक विस्फोटक बल्लेबाज बनाने में युवराज सिंह का मार्गदर्शक के रूप में अहम योगदान रहा है।

युवराज ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा किया

युवराज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी। युवराज ने लिखा, 'सर अभिषेक, यह आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है। आप जैसे बन गए हैं, उससे प्यार करें, अपने आस-पास के लोगों के साथ शेयरिंग और केयरिंग, और एक लीडर। हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हैं और हर बार और ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं। हमेशा ढेर सारा प्यार।'

वीडियो में युवराज ने अभिषेक का दी सजा?

वीडियो में युवराज और अभिषेक से रैश शॉट न खेलने के लिए कहते और उसकी गलतियों के लिए उससे सिट-अप करवाते हुए देखे जा सकते हैं। युवराज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'बोल मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। अभिषेक सिट-अप्स में कान पकड़ते हैं और कहते हैं कि मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा।'

वीडियो में क्या है खास?

वीडियो में दोनों के बीच करीबी रिश्ते को भी दिखाया गया है, जिसमें युवराज के कुछ हल्के-फुल्के मजाक भी हैं। इसमें युवराज, अभिषेक और संजू सैमसन को स्टैंड से विंबलडन इवेंट में शामिल होते हुए भी दिखाया गया है। साझा वीडियो में युवराज ने अभिषेक से पूछा, 'आपको क्या चाहिए?' अभिषेक ने कहा, 'आपका आशीर्वाद।' इस पर युवराज ने कहा, 'हमेशा।'

अभिषेक ने भारत के लिए खेलीं कई तूफानी पारियां

अभिषेक शर्मा टी20 में भारतीय टीम के नियमित सदस्य हैं और पारी की शुरुआत करते हैं। युवराज सिंह की तरह ही बाएं हाथ से विस्फोटक बल्लेबाजी करने वाले अभिषेक 56 टी20 मैचों की 54 पारियों में दो शतक और 11 अर्धशतक लगाते हुए 1629 रन बना चुके हैं। भारत के लिए टी20 में अभिषेक के नाम दूसरी सबसे तेज सेंचुरी है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ 37 गेंदों में शतक बनाया था। इस लिस्ट में वह सिर्फ पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से पीछे हैं। रोहित ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों पर शतक लगाया था। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में अभिषेक के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

'मेरी खुशकिस्मती है कि...', अक्षय कुमार ने एक बार फिर असरानी को किया याद, पोस्ट शेयर कर लिखा भावुक नोट

दिग्गज अभिनेता असरानी अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन वह एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। उनकी आखिरी फिल्म 'हैवान' होगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेता अक्षय कुमार ने फिल्म से असरानी का एक मजेदार सीन शेयर किया है और उन्हें भावुक अंदाज में याद किया है।

फिल्म का सीन किया शेयर

अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर 'हैवान' का एक वीडियो शेयर किया। इस क्लिप में असरानी अभिनेता शारिब हाशमी के साथ मजेदार बातचीत करते नजर आ रहे हैं। सीन में शारिब, असरानी के किरदार से उनका नाम पूछते हैं।

जब असरानी जवाब देते हैं, 'हुसैन', तो शारिब उनसे पूछते हैं- 'आगे-पीछे कुछ है नहीं क्या?' इस पर असरानी मजेदार अंदाज में जवाब देते हैं, 'पीछे हवलदार है और आगे आप हैं।' उनका यह जवाब सुनकर सीन और भी मजेदार हो जाता है।

अक्षय ने लिखा भावुक नोट

इस वीडियो को शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने असरानी को याद किया और उनके साथ काम करने को अपनी खुशकिस्मती बताया। उन्होंने लिखा कि उन्हें इस महान कलाकार के साथ काम करने और उनका आखिरी शॉट देखने का सौभाग्य मिला। अक्षय ने लिखा, 'मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे इस लीजेंड के साथ काम करने और 'हैवान' में उनका आखिरी शॉट देखने का मौका मिला। मिस यू असरानी जी आप जैसा कोई नहीं हो सकता।'

एल्विश यादव-तेजस्वी प्रकाश के बीच बढ़ा विवाद वीडियो वायरल होने पर बोले-पैसा बर्बाद मत करो

रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड सीजन 5' के सेट से सामने आए एक वायरल वीडियो को लेकर एल्विश यादव और तेजस्वी प्रकाश के बीच विवाद चर्चा में है। वीडियो में दोनों मेंटर्स के बीच तीखी बहस होती नजर आ रही है। क्लिप सामने आने के बाद एल्विश ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी और तेजस्वी पर सेट की फुटेज लीक करने का आरोप लगाया। उन्होंने ये भी कहा कि हर मुद्दे में जेंडर एंगल लाना सही नहीं है।

वायरल वीडियो में क्या हुआ?

वायरल क्लिप में एल्विश यादव अपनी टीम के सदस्यों को उनके प्रदर्शन को लेकर डांटते दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान तेजस्वी प्रकाश ने उन्हें टोका, जिसके बाद दोनों के बीच बहस शुरू हो गई।

वीडियो में एल्विश को तेजस्वी से 'चुप हो जाओ' कहते हुए भी सुना जा सकता है। इसके बाद दोनों के बीच काफी तीखी बातचीत होती है। इसी क्लिप के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आ गया।

एल्विश ने तेजस्वी पर लगाया वीडियो लीक करने का आरोप

वीडियो सामने आने के बाद एल्विश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर अपना पक्ष रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि सेट से फुटेज को इस तरह लीक किया गया, जिससे उन्हें गलत तरीके से दिखाया जा सके। एल्विश ने लिखा कि अगर कोई नेशनल टेलीविजन पर उनके बारे में 'लड़का-लड़की' वाली कहानी बनाने की कोशिश करता है, तो उन्हें इससे परेशानी नहीं है, लेकिन हर मामले में जेंडर एंगल घसीटना उन्हें सही नहीं लगता। उन्होंने कहा कि 'हर चीज में वुमन कार्ड लाना कूल नहीं है।'

उन्होंने अपने व्यवहार का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने परिस्थिति के हिसाब से उसी भाषा में जवाब दिया था। साथ ही, एल्विश ने तेजस्वी पर गलत इंटरव्यू देने और उनके फैंस के बारे में कथित तौर पर गलत तरीके से बात करने का भी आरोप लगाया।

'PR पर पैसा बर्बाद मत करो', एल्विश का तंज

एल्विश ने अपने पोस्ट में तेजस्वी पर एक और तंज कसा। उन्होंने कहा कि वह उन्हें बेहतर इन्वेस्टमेंट प्लान दे सकते हैं, ताकि उनका पैसा सही जगह लगाया जाए और PR पर बर्बाद न हो। उन्होंने यह भी कहा कि अब उन्हें समझ आ गया है कि कौन कितने महत्व का हकदार है। एल्विश ने साफ किया कि अगर अपने और अपने फैंस के लिए खड़ा होना गलत माना जाता है, तो उन्हें गलत होने में कोई परेशानी नहीं है।

तेजस्वी ने अभी नहीं दिया जवाब

इस पूरे विवाद में एल्विश यादव ने अपना पक्ष सामने रख दिया है, लेकिन तेजस्वी प्रकाश ने अब तक एल्विश के आरोपों और उनके कमेंट्स पर सार्वजनिक रूप से कोई जवाब नहीं दिया है।

एल्विश और तेजस्वी इससे पहले 'लाफ्टर शेफ्स' में भी साथ नजर आ चुके हैं और दोनों की बॉन्डिंग की चर्चा हुई थी। अब 'प्लेग्राउंड सीजन 5' के सेट से सामने आए इस वीडियो ने दोनों के बीच कथित मतभेद को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा बढ़ा दी है।

'कर्म करो, फल की आशा मत करो', कैलाश खेर ने कृष्ण की सीख पर कही बड़ी बात

गायक कैलाश खेर ने भगवान कृष्ण की शिक्षाओं और उनके जीवन दर्शन पर अपनी बात रखी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कृष्ण को प्रेम, आनंद और मुस्कान का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनकी सीख इंसान को कर्म और कर्तव्य का महत्व समझाती है।

'कृष्ण प्रेम और आनंद के प्रतीक हैं'

कैलाश खेर ने कहा कि कृष्ण प्रेम, आनंद और सुख के प्रतीक हैं। उनके मुताबिक कृष्ण की मुस्कान और व्यक्तित्व जीवन में आनंद का संदेश देते हैं।

उन्होंने कृष्ण की शिक्षाओं को इंसान के जीवन से जोड़ते हुए कहा कि भगवान कृष्ण की सीख मनुष्य को बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देती है।

'कर्म करना और कर्तव्य निभाना सिखाते हैं कृष्ण'

कैलाश खेर ने भगवान कृष्ण की शिक्षाओं में कर्म और कर्तव्य को खास बताया। उन्होंने कहा कि कृष्ण मनुष्य को कर्म करना और अपने कर्तव्य को निभाना सिखाते हैं। साथ ही, बिना फल की आशा किए कर्तव्य करते रहने की सीख भी देते हैं।

उन्होंने कहा कि कृष्ण केवल अधिकारों का बोध नहीं कराते, बल्कि कर्तव्यों को समझने और उन्हें निभाने की प्रेरणा भी देते हैं।

'शास्त्र और शस्त्र दोनों सिखाते हैं'

कैलाश खेर ने कृष्ण के एक और पहलू का जिक्र करते हुए कहा कि वह रक्षा और सुरक्षा की सीख भी देते हैं। उनके अनुसार, कृष्ण से शास्त्र और शस्त्र दोनों का महत्व समझने को मिलता है। कैलाश खेर की यह बात भगवान कृष्ण के उस स्वरूप को सामने रखती है, जिसमें प्रेम और आनंद के साथ कर्म, कर्तव्य और रक्षा-सुरक्षा जैसे जीवन के पहलुओं को भी महत्व दिया गया है।

सिंगर ने ऐसे की थी अपने करियर की शुरूआत

कैलाश खेर ने अपने सिंगिंग करियर की शुरुआत साल 2003 में आई फिल्म 'वैसा भी होता है पार्ट II' के गाने 'अल्लाह के बंदे 'से की थी। यह गाना उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ और वह रातों-रात घर-घर में मशहूर हो गए। इसके बाद साल 2004 में उन्होंने परेश और नरेश कामथ के साथ मिलकर 'कैलासा' नाम से अपना म्यूजिक बैंड बनाया। बैंड के एलबम और गाने दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हुए। आज कैलाश खेर हिंदी के अलावा तेलुगु, तमिल समेत 18 से ज्यादा भाषाओं में सैकड़ों गाने गा चुके हैं।

गोविंदा संग विवाद के बीच सुनीता आहूजा का डांस करते हुए वायरल वीडियो पर उठे सवाल

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा पिछले कई दिनों से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाओं में हैं। गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने उनपर अपनी बेटी की उम्र की लड़की के साथ अफेयर होने का आरोप लगाया था। इसके बाद गोविंदा ने भी आगे आकर पत्नी सुनीता को खूब खरी-खोटी सुनाई थी। दोनों के बीच बढ़ते विवाद के बाद सुनीता ने गोविंदा के साथ अपनी तलाक की अर्जी भी वापस ले ली थी। अब सुनीता के एक नए वीडियो ने एक बार फिर दोनों के विवाद को तूल दे दी है। दरअसल हाल ही में सुनीता ने अपने घर पर लॉकअप के सभी कंटेस्टेंट्स के लिए पार्टी रखी थी। इस पार्टी में कई कंटेस्टेंट्स का रियूनियन देखने को मिला। अब इसी पार्टी से कुछ वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसके बाद बवाल मच गया है।

सुनीता का डांस करने वाला वीडियो वायरल

दरअसल इसी पार्टी से सुनीता आहूजा का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सुनीता लॉकअप के कंटेस्टेंट योगेश रावत के साथ डांस करते हुए नजर आ रही हैं। अब इसी वीडियो को लेकर कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें घेर लिया है। एक यूजर ने एक्स पर वीडियो को शेयर करते हुए लिखा- 'कुछ दिन पहले सुनीता आहूजा कथित तौर पर गोविंदा और उनकी अभिनेत्री कोमल रानी को लेकर नाराजगी जाहिर करती नजर आई थीं। उन्होंने गोविंदा पर अपनी बेटियों की उम्र की लड़कियों के साथ घूमने को लेकर भी सवाल उठाए थे और उनके खिलाफ कोर्ट का रुख करने की बात सामने आई थी।'

बता दें, योगेश रावत के साथ इसी डांस वीडियो को लेकर अब सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि अगर गोविंदा किसी कम उम्र की लड़की के साथ नजर आएं तो उन पर सवाल उठते हैं, लेकिन वही चीज सुनीता आहूजा करें तो उसे सही क्यों माना जाए? यूजर ने अपने पोस्ट में सीधे-सीधे लिखा- 'गोविंदा करें तो कैरेक्टरलेस और आप करें तो सही?'

कई लोगों ने साधा सुनीता पर निशाना

बता दें, इस वीडियो को देखने के बाद कई लोगों ने कमेंट में सुनीता के इस बर्ताव पर सवाल किया। एक यूजर ने लिखा- 'अगर उन्हें गोविंदा के ऐसा करने पर आपत्ति थी, तो जब वह खुद कुछ वैसा ही करती नजर आ रही हैं, लोग इस विरोधाभास की ओर इशारा करेंगे ही।'एक दूसरे यूजर ने लिखा- 'लोगों को इस महिला के पाखंड के और भी उदाहरण देखने को मिलेंगे। वह अपने ही पति पर बेवफाई के आरोप लगाती हैं, लेकिन खुद साजिद खान, जिस पर दुर्व्यवहार के आरोप लगे हैं- के साथ फिल्म बनाती हैं! जिस दिन उन दोनों की साथ में कोई तस्वीर सामने आएगी, उस दिन इस महिला की बिल्कुल भी इज्जत नहीं बचेगी।'

एक्शन से इमोशनल किरदारों तक बदला तापसी पन्नू का फिल्मी सफर, 'बेबी' से 'गांधारी' में दिखाया अपना दम

बॉलीवुड में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं जो एक ही तरह के किरदारों में बंधकर नहीं रहना चाहते। तापसी पन्नू भी उन्हीं अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने करियर की शुरुआत से ही उन्होंने अलग-अलग तरह की फिल्मों और किरदारों को चुना। कभी वह एक्शन करती नजर आईं, तो कभी सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों में मजबूत महिला की भूमिका निभाई। अब तापसी 'गांधारी' में एक ऐसी मां की भूमिका में नजर आ रही हैं, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। ऐसे में आइए जानते हैं 'बेबी' से 'गांधारी' तक तापसी पन्नू का सफर कैसा रहा।

'बेबी' में दिखा था एक्शन अवतार

साल 2015 में आई फिल्म 'बेबी' ने तापसी पन्नू के फिल्मी करियर को एक नया मुकाम दिया। ये फिल्म तापसी की बॉलीवुड एंट्री फिल्म भी रही. अक्षय कुमार के साथ एक्ट्रेस की ये फिल्म करियर में एक अहम पड़ाव रही। फिल्म में उनका किरदार भले ही ज्यादा लंबा नहीं था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी से दर्शकों का ध्यान खींचा। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में तापसी को एक अलग अंदाज में देखा गया।

'नाम शबाना' से मजबूत हुई एक्शन इमेज

इसके बाद 'नाम शबाना' में उन्होंने अपने एक्शन अवतार को और आगे बढ़ाया। इस फिल्म में वो एक अंडरकवर एजेंट के किरदार में नजर आईं। इस भूमिका ने तापसी को बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों की कतार में खड़ा किया, जो एक्शन करने से भी पीछे नहीं हटतीं।

'पिंक' ने बदली तापसी की पहचान

अगर 'बेबी' और 'नाम शबाना' ने तापसी की एक्शन इमेज बनाई, तो 2016 में रिलीज हुई 'पिंक' ने उनके करियर को बिल्कुल अलग दिशा दी। फिल्म में उन्होंने मीनल अरोड़ा का किरदार निभाया, जो मुश्किल परिस्थितियों में अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाती है। 'पिंक' के बाद तापसी को सिर्फ एक एक्शन अभिनेत्री के तौर पर नहीं देखा गया। उन्होंने ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना शुरू किया, जिनमें कहानी और किरदार दोनों मजबूत थे।

हर बार चुना अलग किरदार

तापसी की खासियत रही है कि उन्होंने एक जैसी भूमिकाओं को बार-बार दोहराने से बचने की कोशिश की। 'मनमर्जियां' में उनका किरदार रोमांटिक और बिंदास था, तो 'थप्पड़' में उन्होंने घरेलू हिंसा के खिलाफ खड़ी महिला की कहानी को पर्दे पर उतारा।

इसके बाद 'रश्मि रॉकेट' में वो एथलीट बनीं। इस भूमिका के लिए उन्होंने अपने शरीर और लुक पर भी काफी काम किया। वहीं 'डंकी' में उन्होंने एक अलग तरह का भावनात्मक किरदार निभाया। हाल ही में वो अस्सी फिल्म में नजर आयीं थीं, जिसमें उन्होंने के वकील का किरदार निभाया था, जो गैंग रेप पीड़िता को इन्साफ दिलाने के लिए सारी दुनिया से लड़ जाती है।

देखा जाए तो तापसी ने अपने करियर में एक्शन, रोमांस, ड्रामा, सामाजिक मुद्दों और स्पोर्ट्स जैसे अलग-अलग जॉनर में काम किया और हर बार खुद को नए रूप में पेश करने की कोशिश की।

'गांधारी' में फिर लौटा तापसी का एक्शन

अब तापसी पन्नू 'गांधारी' के साथ एक बार फिर एक्शन के बीच नजर आ रही हैं। फिल्म में वो एक दृष्टिबाधित महिला की भूमिका निभा रही हैं। हालांकि, इस बार उनका किरदार सिर्फ एक एक्शन हीरोइन का नहीं है। फिल्म में वो एक मां की भूमिका निभा रही हैं, जो अपनी अगवा बेटी को खोजने और उसे बचाने के लिए संघर्ष करती है। 'गांधारी' तापसी के करियर में एक दिलचस्प बदलाव दिखाती है। यहां उनका एक्शन उनके किरदार के इमोशनल सफर से जुड़ा हुआ है।

परदे पर लौटा मुन्ना का स्वैग, रवि किशन ने दिया सरप्राइज; कैसी है लंबी फिल्म ?

मिर्जापुर- द मूवी

कलाकार : पंकज त्रिपाठी , अली फजल , दिव्येंदु , जीतेंद्र , रवि किशन , रसिका दुग्गल , कुलभूषण खरबंदा और श्वेता त्रिपाठी

अब तक कालीन भैया के बेटे मुन्ना और गुड्डू पंडित की लड़ाई आपने अपनी लैपटॉप या मोबाइल की स्क्रीन पर देखी थी पर इस कहानी का भौकाल इतना था कि हर कोई इसे बड़े परदे पर देखना चाहता था। मेकर्स ने इस ख्वाहिश को पूरा किया और तीन घंटे की झन्नाटेदार कहानी को सिनेमाघरों में बड़े परदे पर उतारा। नाम दिया 'मिर्जापुरः द मूवी'। कहानी वही, किरदार भी वही तो क्या मजा भी उतना ही आया?

कैसी है मिर्जापुर की कहानी?

फिल्म के किरदार और कहानी का बेस काफी हद तक सीरीज जैसे ही हैं। इस बार विलेन बने हैं बब्बन बबुआ (रवि किशन), वो कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) और उनके बेटे मुन्ना (दिव्येंदु) को मारकर मिर्जापुर की गद्दी पर राज करना चाहता है।

कालीन भैया तक पहुंचने में उनकी मदद सीएम के छोटे भाई जेपी यादव (प्रमोद पाठक) और जरीना (अनंगशा बिस्वास) करते हैं। बब्बन की एक प्रेमिका भी है मुमताज बीबी (सोनल चौहान) जो उनके साथ रहती है। उसकी और बब्बन की सुरक्षा उनका वफादार बिरजू लोहार (मोहित मलिक) करता है।

बब्बन, मुन्ना (अली फजल) और बबलू (जीतेंद्र) के जरिए कालीन भैया तक पहुंचता है डील कन्फर्म करता है। उसका प्लान कालीन को मिर्जापुर से बाहर निकालकर उसे मारना है। इसमें वो सफल हो पाता है या नहीं बस इतनी ही कहानी है।

कैसा रहा कलाकारों का अभिनय?

रवि किशन फिल्म के सरप्राइज पैकेज हैं। उनको पूरी फिल्म में सबसे ज्यादा स्क्रीन टाइम दिया गया है। अपने किरदार को उन्होंने बखूबी निभाया भी है। चाहे एक्शन सीन हो या इमोशनल, वो हर फिल्म के साथ निखर रहे हैं। अखंडानंद त्रिपाठी उर्फ कालीन भैया के किरदार में पंकज त्रिपाठी अपने उसी दबदबे को बरकरार रखते हैं।

दिव्येंदु को फिर मुन्ना के किरदार में बकैती करते हुए देखकर अच्छा लगता है। बबलू बने जीतेंद्र, विक्रांत मेसी की कमी खलने नहीं देते। इसके अलावा मोहित मलिक, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, सुशांत सिंह और शीबा चड्ढा समेत सभी कलाकारों ने अपने किरदार से भरपूर न्याय किया है।

क्या निर्देशन में चूके?

अब बात करते हैं उस क्षेत्र की जहां फिल्म बिगड़ती है। हैरानी होती है यह देखकर कि जो काम गुरमीत सिंह ने सीरीज में इतना कमाल का किया था, वही काम फिल्म में बिगड़ा कैसे। समस्या यह है कि यह फिल्म ना तो वेब सीरीज 'मिर्जापुर' के अपने चिर–परिचित अंदाज से बाहर निकल पाई और ना ही जो दिखाना चाहती थी वो पूरी तरह से दिखा पाई।

ताज्जुब है कि 3 घंटे लंबी फिल्म होने के बाद भी डायरेक्टर से काफी कुछ अधूरा छूट गया। कई किरदार और उनकी कई कहानियां दिखाने के चक्कर में कुछ कलाकारों को तो स्क्रीन पर बस पलभर का समय मिला। यहां मेकर्स ने कहानी एक्सटेंड की, वक्त भी लंबा लिया पर सब कुछ कवर करने के चक्कर में भटक गए।

फिल्म में क्या अच्छा?

मुन्ना भैया की वापसी। लंबे समय से दर्शक दिव्येंदु को इस किरदार में फिर से देखना चाहते थे।

थिएटर में फिल्म की टाइटल थीम और पूरी फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक सुनकर मजा आता है।

कई किरदार होने के बाद भी कहानी भटकती नहीं है, बस कहीं कहीं धीमी हो जाती है।

क्लाइमैक्स के कुछ सीन छोड़ दें तो एक्शन सीन अच्छे हैं।

फिल्म में क्या बुरा?

सीरीज में जितनी कसावट थी, वह यहां महसूस नहीं होती।

कहीं-कहीं फिल्म धीमी सी लगती है। वो एक्साइटमेंट नहीं बन पाता कि अब क्या होने वाला है?क्लाइमैक्स समेत कुछ चीजों का पहले से ही अंदाजा हो जाता है।

फिल्म के गाने जबरदस्ती इसे और लंबा बनाते हैं।कहने को तो कालीन भैया का कट्टों का व्यापार है, पर क्लाइमैक्स सीन में सब हाथों से लड़ रहे हैं।

जब अक्षय खन्ना ने इस 'खान' को जड़े 17 थप्पड़ सूजकर लाल हो गया था चेहरा, घबरा गई थी पूरी टीम

हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा और कल्ट फिल्मों में शुमार 'दिल चाहता है' की रिलीज को हाल ही में 25 साल पूरे हुए हैं. इस सिल्वर जुबली के खास मौके पर फिल्म की स्टारकास्ट और मेकर्स ने एक साथ आकर शूटिंग के दिनों की कई मजेदार और हैरान कर देने वाली अनसुनी कहानियां साझा कीं. इन्हीं यादों के दौरान फिल्म के निर्देशक फरहान अख्तर और आमिर खान ने उस मशहूर थप्पड़ वाले सीन का खुलासा किया, जिसमें अक्षय खन्ना ने आमिर खान को एक-दो नहीं, बल्कि पूरे 17 थप्पड़ मारे थे.इस शूटिंग का नतीजा यह हुआ कि टेक खत्म होने तक 'मिस्टर परफेक्टनिस्ट' आमिर खान का गाल पूरी तरह लाल हो गया था और चेहरा सूज गया था.

फरहान ने जब प्लान किया सीक्रेट

यूट्यूब चैनल 'युवा' पर बातचीत के दौरान निर्देशक फरहान अख्तर ने याद किया कि सीन को ज्यादा से ज्यादा रियल बनाने के लिए उन्होंने अक्षय खन्ना के साथ एक सीक्रेट प्लान बनाया था. फरहान ने बताया, 'मैंने अक्षय से कहा था कि आमिर उम्मीद कर रहा होगा कि डायलॉग खत्म होने पर थप्पड़ पड़ेगा, लेकिन तुम उसे डायलॉग के बीच में ही थप्पड़ मार देना ताकि उसके चेहरे पर असली सरप्राइज वाले एक्सप्रेशन्स आ सकें.'

परफेक्ट शॉट के लिए आमिर ने भी की जिद

इसके बाद आमिर खान ने खुद ही परफेक्ट शॉट देने के लिए असली थप्पड़ खाने पर जिद की. आमिर का मानना था कि ओवर-द-शोल्डर शॉट के दौरान भी अगर असल में थप्पड़ पड़े, तो इससे किरदार के मूड और भावना में उतरने में काफी मदद मिलती है. आमिर ने कहा, 'जब आपको असल में कोई थप्पड़ मारता है, तो आपकी भावनाएं और रिएक्शन पूरी तरह बदल जाते हैं.'

17 थप्पड़ के बाद सूज गया था चेहरा

आमिर का चेहरा शूटिंग के इस जुनून का असर यह हुआ कि कई टेक्स और अलग-अलग एंगल से शूट करते-करते आमिर खान को 17 बार थप्पड़ खाने पड़े. फरहान अख्तर ने बताया, 'जब शूटिंग खत्म हुई, तो मुझे अच्छी तरह याद है कि आमिर के चेहरे पर थप्पड़ का पूरा निशान छप गया था और उनका चेहरा एक तरफ से सूज गया था.' फिल्म में वह मोड़ बहुत भावनात्मक था जब सिड (अक्षय खन्ना) तारा (डिंपल कपाड़िया) के प्रति अपने प्यार का इजहार करता है और आकाश (आमिर खान) इस रिश्ते पर कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी कर देता है. इस पर सिड उसे थप्पड़ मार देता है.

ये फिल्म 10 अगस्त साल 2001 में रिलीज हुई थी.

फरहान ने लड़ाई के लिए थप्पड़ का सीन ही क्यों चुना?

इस सीन में ज्यादा हिंसा या मारपीट न रखने की वजह बताते हुए फरहान ने कहा, 'मुझे लगता है कि दोस्तों के बीच जब एक दोस्त दूसरे को थप्पड़ मारता है, तो वह अपने आप में बहुत बड़ी बात होती है. इसके लिए किसी भारी हिंसा की जरूरत नहीं होती. दोस्तों के बीच एक थप्पड़ ही काफी से ज्यादा होता है.'

'दिल चाहता है' ने बदली थी दोस्ती वाली फिल्मों की भाषा

2001 में रिलीज हुई 'दिल चाहता है' फरहान अख्तर के निर्देशन में पहली फिल्म थी. कहानी तीन दोस्तों आमिर खान के आकाश, सैफ अली खान के समीर और अक्षय खन्ना के सिद्धार्थ के इर्द-गिर्द घूमती है. तीनों की जिंदगी, प्यार और दोस्ती समय के साथ अलग-अलग मोड़ लेती है. फिल्म का गोवा ट्रिप आज भी बॉलीवुड के सबसे यादगार फिल्मी ट्रिप्स में गिना जाता है. फिल्म ने दोस्ती, रिश्तों और बदलती उम्र को जिस आधुनिक अंदाज में दिखाया, उसने इसे एक खास पहचान दिलाई. 25 साल बाद भी 'दिल चाहता है' के सीन और डायलॉग लोगों को याद हैं. लेकिन आमिर और अक्षय के इस थप्पड़ वाले सीन की पर्दे के पीछे की कहानी यह भी बताती है कि कभी-कभी एक यादगार सीन को वास्तविक बनाने के लिए कलाकार किस हद तक जाने को तैयार होते हैं.

सिंगर अंकित के हत्यारोपी की धमकी- दो मर्डर और होंगे

शामली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। शामली में हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड में एक लाख रुपए के इनामी शार्प शूटर सत्यम का वीडियो सामने आया है। इसमें वह धमकी देते हुए सुनाई दे रहा है- आने वाले समय में भाई दो मर्डर होंगे, ठीक है। और कोई उन्हें बचा सकता हो तो बचा लेना भाई। मारेंगे तो मारेंगे भाई, छोड़ेंगे नहीं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने अंकित के परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी है। साथ ही वीडियो की सत्यता और इसे पोस्ट करने वाले की पहचान को लेकर जांच शुरू कर दी गई है। अंकित हत्याकांड के दो शूटरों सुमित (24) और मोहित (22) को यूपी पुलिस ने चार दिन पहले मुठभेड़ में मार गिराया था। दोनों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम था। वहीं, अंकित हत्याकांड के दो आरोपी सत्यम और आर्यन अब भी फरार हैं। दोनों पर एक-एक लाख रुपए का इनाम है। 26 अगस्त की शाम शामली में जिम

से बाहर निकलते समय अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस चौकन्नी हो गई। जांच में इंस्टाग्राम, स्नैपचैट समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सत्यम, आर्यन और गोगी गिरोह के नाम से 20 से अधिक अकाउंट सामने आए। इन अकाउंट से लगातार वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं। पुलिस सभी अकाउंट की गतिविधियों की जांच कर इन्हें ऑपरेट करने वालों की पहचान में जुटी है।

मंगलवार को हरियाणा से अंकित के करीब 12 दोस्त बंतीखेड़ा गांव पहुंचे थे। उन्होंने अंकित के पिता सतबीर सिंह और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। दोस्तों ने परिवार को सतर्क रहने की सलाह दी और आशंका जताई कि गिरोह की ओर से परिवार को भी निशाना बनाया जा सकता है। सतबीर सिंह ने दोस्तों से कहा कि वह अपना बेटा खो चुके हैं। ऐसे में सभी लोग अपना ध्यान रखें और सावधानी बरतें।

हत्याकांड की जांच में पुलिस अब जेल में बंद आरोपियों से भी पूछताछ करेगी। करनाल जेल में बंद राकेश उर्फ पंपू और दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद रोहित को रिमांड पर लेने के लिए पुलिस 7 सितंबर को कोर्ट में अर्जी दाखिल करेगी। एएसपी सुमित के मुताबिक, रिमांड के दौरान आरोपियों से पूछताछ में हत्याकांड से जुड़े कई अहम सुराग मिल सकते हैं।

बिहार के 16 जिलों में बाढ़, 5 लाख लोग प्रभावित

मुंगेर में डायवर्सन बहा, बांका में सड़क धंसी, फतुहा में श्मशान घाट डूबा; हावड़ा-कटिहार समेत 14 ट्रेनें रद्द

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, पटना के गांधी घाट और हाथीदह में गंगा का जलस्तर अब तक के हाइएस्ट फ्लड लेवल को पार कर सकता है।

मुंगेर जिले में महाने नदी पर बरसंडा में बना डायवर्सन नदी के तेज दबाव और बहाव में बह गया। बांका में हल्की बारिश में ओढ़नी डैम की सड़क धंस गई। पटना के फतुहा में श्मशान घाट डूब गए हैं, जिससे लोग सड़क किनारे अंतिम संस्कार करने को मजबूर हैं।

बेगूसराय के शाम्हो-सूर्यगढ़ा सड़क पर पानी आ जाने के कारण सड़क से संपर्क टूट गया है। खगड़िया में गुरुवार को बाढ़ के पानी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। भागलपुर के नवगछिया अनुमंडल के राघोपुर इलाके में गंगा उफनाई हुई है।

वहीं, अररिया और सीवान में बारिश हुई। मौसम विभाग ने पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सारण और गोपालगंज में तेज बारिश की संभावना जताई है। पटना समेत बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

मालदा डिविजन के न्यू फरक्का में जमीन धंसने से हावड़ा-कटिहार समेत 14 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं।

एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पास आय से 200 गुना ज्यादा संपत्ति

छापेमारी में 11 करोड़ का खुलासा; बालाघाट, छिंदवाड़ा और भोपाल में जांच

बालाघाट, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बालाघाट पीडब्ल्युडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर कमल किशोर सिंगारे के पास से आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो को जांच में 11 करोड़ रुपए की संपत्ति मिली है। यह संपत्ति उनकी आय से करीब 200 गुना अधिक है। पद का दुरुपयोग कर आय से अधिक संपत्ति जमा करने के मामले में जबलपुर की टीम ने गुरुवार सुबह 6 बजे एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के बालाघाट स्थित सरकारी आवास पर दबिश दी थी। उस समय वे सो रहे थे। टीम ने उन्हें जगाकर जांच शुरू की। उनके सरकारी आवास से ढाई लाख रुपए नकद और 25 लाख रुपए का एक वाहन बरामद किया था। गुरुवार को टीम ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के बालाघाट के सरकारी आवास के साथ-साथ छिंदवाड़ा और भोपाल के आवासों पर भी एक साथ छापेमारी की थी।

बालाघाट में कार्रवाई के बाद ईओडब्ल्यू की टीम उन्हें छिंदवाड़ा स्थित आवास ले गई। वहां ईओडब्ल्यू को एग्जीक्यूटिव इंजीनियर और उनके रिश्तेदारों के नाम से करोड़ों रुपए की संपत्ति मिली। छिंदवाड़ा स्थित आवास से 3 करोड़ रुपए की जमीन और मकान, 7.50 लाख रुपए नकद, 1 करोड़ रुपए के घरेलू सामान, 52 लाख रुपए के सोने के गहने, 1.20 लाख रुपए के चांदी के गहने, 49 लाख रुपए के दो चार पहिया वाहन, 4 लाख रुपए के तीन दोपहिया वाहन और 1.50 करोड़ रुपए का शॉपिंग कॉम्प्लेक्स मिला है। इसके अलावा, कमलकिशोर सिंगारे और उनके परिवार के नाम से अलग-अलग बैंकों में 12 खाते मिले हैं। ईओडब्ल्यू इन खातों में जमा राशि की जानकारी जुटा रही है। छिंदवाड़ा के फार्म हाउस में 2 करोड़ रुपए जमीन और निर्माण पर खर्च किए जाने की जानकारी मिली है। फार्म हाउस की छत पर स्विमिंग पूल भी बना है। यहां से 8 लाख रुपए का महिंद्रा ट्रैक्टर, 1.50 लाख रुपए की ट्रॉली और 5 लाख रुपए के अन्य कृषि उपकरण मिले हैं।

नाबालिग ने थप्पड़ का बदला लेने सुपरवाइजर को मार डाला

सोते वक्त सिर पर मारा हथौड़ा, चीखने पर भी नहीं रुका

बिलासपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रेलवे ठेकेदार के सुपरवाइजर की हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बारिश का पानी छिटकने और पिटाई का बदला लेने के लिए 16 साल के नाबालिग ने हथौड़े से सिर पर वार कर सुपरवाइजर की हत्या कर दी।

दरअसल, घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध नजर आया था। इसके आधार पर पुलिस ने जांच तेज की और संदिग्ध तक पहुंची। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर नाबालिग ने हत्या की वजह बताते हुए जुर्म स्वीकार किया। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है। दरअसल, मूल रूप से बिहार के आरा निवासी नरेश गुप्ता (35) रेलवे ठेकेदार अनिल सिंह की कंस्ट्रक्शन साइट पर सुपरवाइजर था। रोज की तरह बुधवार रात काम खत्म होने के बाद नरेश ने साइट के गेट पर ताला लगाया और अपने क्वार्टर में सोने चला गया। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे साइट पर काम करने वाले कर्मचारी पहुंचे। उन्होंने गेट खोलने के लिए नरेश को आवाज लगाई और फोन भी किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद कर्मचारी गेट कूदकर अंदर पहुंचे। कमरे के पास जमीन पर नरेश की खून से लथपथ लाश पड़ी मिली। कर्मचारियों ने फौरन ठेकेदार और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और डॉग स्क्वायड के साथ घटनास्थल की जांच की। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से जरूरी सुराग जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिम्स भेज दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें एक नाबालिग हथौड़ा लेकर भागता हुआ दिखाई दिया। जांच करने पर उसकी पहचान बापू नगर निवासी के रूप में हुई। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने सुपरवाइजर की हत्या करना स्वीकार कर लिया। 16 साल के नाबालिग ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि मंगलवार रात तेज बारिश हो रही थी। वह साइकिल से घर जा रहा था। सड़क किनारे खड़े सुपरवाइजर के ऊपर साइकिल से बारिश का पानी छिटक गया। इस पर सुपरवाइजर उसके पीछे गया और रास्ते में रोककर उसे तीन थप्पड़ मारे। थप्पड़ मारने की बात से नाबालिग खुद को अपमानित महसूस करने लगा।

इसके बाद उसने सुपरवाइजर से बदला लेने की योजना बनाई और उसकी हत्या कर दी। सुपरवाइजर से हुए अपमान का बदला लेने के लिए नाबालिग बुधवार रात कंस्ट्रक्शन साइट पर पहुंचा। सामने भीड़ और रास्ते बंद होने के कारण वह साइट के पीछे की तरफ गया। वहां से रात करीब 11.40 बजे उसने कंस्ट्रक्शन साइट में छलांग लगाकर घुसा।

जेठानी ने देवरानी को चाकू मारे, मौत

लाश टंकी में डालकर अस्पताल पहुंची; भाई पर कमेंट करने से नाराज थी

इंदौर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर में जेठानी ने अपनी नवविवाहिता देवरानी की चाकू मारकर हत्या कर दी। उसने गर्दन पर दो वार किए। लाश को खींचकर घर के बाहर बनी पानी से भरी हौज यानी टंकी में डाल दिया। फिर अस्पताल में भर्ती अपने पति से मिलने चली गई। हत्या की वजह देवरानी द्वारा जेठानी के भाई पर कमेंट करना बताया गया है। वारदात राऊ थाना इलाके के नेहरू नगर में गुरुवार की है। पुलिस ने शुक्रवार को इसका खुलासा कर आरोपी पार्वती बाई कुशवाह को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, देवरानी वंदना कुशवाह का शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन को सौंप दिया है। वंदना ने 11 अगस्त को ही उपेंद्र पटेल से लव मैरिज की थी।

पुलिस ने बताया कि पार्वती का भाई रेप केस में दमोह जेल में बंद है। रक्षाबंधन वाले दिन वंदना ने उसके बारे में कमेंट किया था। इसे लेकर वंदना और पार्वती के बीच विवाद हो गया था। गुरुवार को पार्वती और वंदना के बीच एक बार फिर बहस हो गई। इस दौरान वंदना ने कह दिया कि मेरा पति मेरे वश में है। मैं तुम्हें, तुम्हारे पति और बच्चों को घर से निकलवा दूंगी। वंदना की ये बात सुनकर पार्वती गुस्से में आ गई। उसने किचन से चाकू उठाया और वंदना की गर्दन पर वार कर दिए। घटना के समय पार्वती के बच्चे स्कूल गए हुए थे जबकि पति और देवर अरबिंदो अस्पताल में थे।

पड़ोसियों ने वंदना के चीखने की आवाज सुनी थी। जब काफी देर तक उसके घर में कोई हलचल नहीं दिखी तो पड़ोसियों ने ही पुलिस को फोन किया। पुलिस मौके पर पहुंची तो घर के बाहर बने हौज में वंदना का शव मिला। उसके शरीर पर चोटों के निशान थे। पुलिस ने बताया कि उपेंद्र और वंदना के परिवार राऊ के नेहरू नगर में आसपास रहते थे। दोनों के बीच दोस्ती के बाद प्रेम संबंध बन गए। वंदना का परिवार नशे की आदत के कारण उपेंद्र को पसंद नहीं करता था। वह नेहरू नगर छोड़कर राजनगर में किराए के मकान में शिफ्ट हो गया। 11 अगस्त को वंदना किसी को बिना बताए घर से निकली और मंदिर में उपेंद्र से शादी कर ली। वंदना के लापता होने पर उसके परिजन ने चंदन नगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। हालांकि, पुलिस के सामने वंदना ने उपेंद्र के साथ रहने की बात कही। इसके बाद दोनों उपेंद्र के घर में ही रहने लगे थे।

पार्वती का पति भूपेंद्र फुटपाथ पर कपड़े जबकि उपेंद्र जूते की दुकान लगाता है। वंदना के पिता धर्मेंद्र पेशे से ड्राइवर हैं। उसके भाई की तीन साल पहले एसिड पीने के चलते मौत हो चुकी है। पिता के मुताबिक, 12 अगस्त को थाने में बयान देने के बाद बेटी वंदना से कभी उनकी बात नहीं हुई।

पत्नी-बेटी को मूसल से कुचला

तड़पा-तड़पाकर मार डाला, डबल मर्डर से पहले भाई को फोन कर बोला- घर आ जाओ; लहूलुहान पड़ी थीं लाशें

रीवा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटी को मूसल से कुचल-कुचलकर मार डाला। देर रात दोनों खून से लहूलुहान तड़पती रहीं। उनके सिर-चेहरे और शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोट है। घर में खून बिखरा पड़ा है। वारदात कोठी गांव की है। बिछिया पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान सुनैना मिश्रा (55) और उनकी बेटी खुशी मिश्रा (15) के रूप में हुई है। आरोपी ने जमीन विवाद को लेकर डबल मर्डर किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 1 बजे पति-पत्नी और बेटी घर में थे। इस दौरान जमीन और पैसों को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। इसके बाद आरोपी ने अपने भाई को फोन कर घर में विवाद होने की बात बताई और मौके पर आने को कहा। भाई के घर नहीं पहुंचने के बाद आरोपी रविशंकर मिश्रा ने पहले अपनी पत्नी पर मूसल से हमला किया। इसके बाद बेटी को भी मारा। ताबड़तोड़ हमले से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी रात में लाशों के साथ घर में ही रहा।

परिजन ने बताया कि रविशंकर मिश्रा की 6 बेटियां हैं। इनमें से 4 की शादी हो चुकी है। तीन बेटियों की शादी भोपाल में, जबकि एक की शादी मऊगंज के देवतालाब में हुई है। रविशंकर की एक बेटी खुशी रीवा में ही रह रही थी। इसी बेटी खुशी मिश्रा की भी आरोपी ने हत्या कर दी।

रीवा एसपी डॉ. गुरकरन सिंह ने बताया- स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही बिछिया पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की स्थिति देखी। उन्होंने बताया- आरोपी रविशंकर मिश्रा को रात में ही गिरफ्तार कर लिया। हत्या में इस्तेमाल किया गया मूसल भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है, ताकि हत्या की पूरी वजह और वारदात से पहले की घटनाओं का पता लगाया जा सके।

कथावाचक पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या की

किचन में राइफल से किया फायर; बेटा बोला- मां के कैरेक्टर पर शक करते थे

हरदोई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। हरदोई में कथावाचक पति ने लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर पत्नी की हत्या कर दी। गंभीर रूप से घायल पत्नी का लखनऊ के ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा था। घटना के 25 घंटे बाद शुक्रवार सुबह 11 बजे उनकी मौत हो गई। बेटे के अनुसार, पापा ने रसोई में खाना बनाने के दौरान मम्मी को गोली मारी थी।

मम्मी के कैरेक्टर पर शक करते थे। उन पर गंदे कमेंट करते थे। घर में प्रॉपर्टी को लेकर भी विवाद चल रहा था। वारदात के बाद से आरोपी पति फरार है। बड़े बेटे ने शुक्रवार दोपहर पिता के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। मामला शाहाबाद के मिश्रीपुर का है।

शाहाबाद नगर पालिका क्षेत्र के मिश्रीपुर निवासी दुर्गा प्रसाद कथावाचक थे। वह घरों में पूजा-पाठ का काम भी कराते थे। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे उनकी पत्नी दुर्गेशवती (45) रसोई में खाना बना रही थीं। परिजनों के मुताबिक, इसी दौरान दुर्गेश ने पत्नी के कैरेक्टर को लेकर कमेंट किया। इस बात को लेकर दोनों में बहस शुरू हो गई।

बताया गया विवाद बढ़ने पर दुर्गेश ने अपनी लाइसेंसी राइफल से पत्नी के पेट में गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर घर के बच्चे और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

दुर्गेशवती की शादी साल 2003 में दुर्गा प्रसाद के साथ हुई थी। उनके 3 बेटे देवव्रत (22), देव (17), हर्ष (16) और 15 साल की बेटी वैष्णवी है। सबसे बड़ा बेटा देवव्रत गुड़गांव में नौकरी करता है। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है।

एएसपी आलोक राज नारायण ने बताया- बेटे की शिकायत पर आरोपी पति पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। उसकी तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। पुलिस के अनुसार, जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केंदुआडीह में जमीन धंसने से बने दो बड़े गोफ

गैस रिसाव से लोगों में दहशत, बीसीसीएल ने शुरू कराई भराई और घेराबंदी

धनबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। धनबाद के केंदुआडीह थाना क्षेत्र के अग्नि प्रभावित कुर्मी डीह पांडे बस्ती के पास गुरुवार देर शाम अचानक जमीन धंस गई। इससे दो बड़े गोफ बन गए। गोफ से गैस निकलने की खबर के बाद आसपास के लोगों में डर फैल गया।

घटना की जानकारी मिलते ही बीसीसीएल प्रबंधन मौके पर पहुंचा और दोनों गोफ के आसपास फेंसिंग कर घेराबंदी कर दी। शुक्रवार को अधिकारियों की मौजूदगी में गोफ की भराई का काम शुरू कराया गया।

धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग से कुछ दूरी पर खाली जमीन में अचानक हुए भू-धंसान के बाद इलाके में हलचल मच गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि धंसान का दायरा बढ़ा तो आसपास रहने वाले परिवारों के लिए खतरा पैदा हो सकता है। लोगों ने अग्नि प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले परिवारों के जल्द सुरक्षित पुनर्वास की मांग की है।

बीसीसीएल के ओवरमैन लव प्रताप सिंह ने बताया कि कुर्मी डीह समेत आसपास के प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए सर्वे का काम पूरा हो चुका है। सुरक्षित पुनर्वास की प्रक्रिया चल रही है।

फिलहाल खाली स्थान पर बने गोफ की भराई कराई जा रही है। उन्होंने लोगों से धंसान प्रभावित क्षेत्र से दूर रहने की अपील की। लगातार हो रही भू-धंसान की घटनाओं ने अग्नि प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

इंस्टाग्राम पर प्यार, प्रेमिका ने बुलाया; परिजनों ने मार डाला

गड्ढे से कुत्तों ने खींचा कटा पैर तो हुआ खुलासा, टुकड़े-टुकड़े कर शव को दफनाया था

गिरिडीह, 4 सितंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह में इंस्टाग्राम पर शुरू हुए प्रेम-प्रसंग का खौफनाक अंत सामने आया है। बिहार के जमुई जिले के 16 वर्षीय किशोर मिथुन कुमार की बेंगाबाद थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। साक्ष्य मिटाने के लिए आरोपियों ने शव के टुकड़े किए, पहले उसे जलाने की कोशिश की और फिर घर के पीछे खजूर के पेड़ के पास जमीन में गाड़ दिया। चार दिन बाद जब कुत्तों ने जमीन खोदकर शव का एक पैर बाहर खींच लिया और बदबू फैली, तब इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा हुआ। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रेमिका, उसके पिता जगदीश दास और मां को हिरासत में ले लिया है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। मृतक के परिजनों के अनुसार जमुई के मोरियाडीह निवासी मिथुन का पहाड़पुर की लड़की से एक साल से संपर्क था। आरोप है कि रविवार को लड़की ने फोन कर मिथुन को अपने घर बुलाया, जिसके बाद वह लापता हो गया। परिजन चार दिन से उसकी तलाश कर रहे थे। जब वे पहाड़पुर पहुंचे, तब कटे पैर मिलने की बात सामने आई। आशंका है कि घर के भीतर ही धारदार हथियार से किशोर की हत्या की गई। आरोपी के कमरे के अंदर भी खून के धब्बे मिले हैं। हत्या और शव को दफनाने के बाद आरोपी परिवार बेफिक्र होकर घर में ही रह रहा था। तीन-चार दिन बाद शव से दुर्गंध उठने लगी। इसी बीच जंगली जानवरों या कुत्तों ने गड्ढा खोदकर शव का पैर बाहर खींच लिया। सुबह ग्रामीणों की नजर जमीन से बाहर निकले पैर पर पड़ी, जिसके बाद भारी भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई।

एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, सीओ सफी आलम, इंस्पेक्टर बम-बम कुमार सिंह और थाना प्रभारी अमन कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। सीओ की मौजूदगी में बतौर मजिस्ट्रेट जमीन खुदवाकर शव बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। वारदात का पता चलते ही आक्रोशित परिजनों ने मौके पर हंगामा किया और मुख्य आरोपी जगदीश दास की पिटाई कर दी। पुलिस ने बीच-बचाव कर आरोपियों को सुरक्षित बाहर निकाला। मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था। वह पहले दिल्ली में काम करता था और बीते छह महीने से गांव शाम में ही रह रहा था। रविवार वह घर से निकला था।

डॉक्टर दंपति से 30 लाख रंगदारी मांगने वाला नाबालिग धराया

मोबाइल से साइबर ठगी गिरोह के नेटवर्क का खुलासा

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के पत्रकार नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक डॉक्टर दंपति से 30 लाख रुपए की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पटना पुलिस को कामयाबी मिली है। पुलिस ने जांच के दौरान शेखपुरा जिले के बरसा गांव के एक नाबालिग को पकड़ा है। उसके पास से दो मोबाइल फोन मिले हैं। मोबाइल की जांच में पुलिस को कई ऐसे सबूत मिले हैं, जिनसे पता चला है कि आरोपी का गिरोह सिर्फ रंगदारी नहीं मांगता था, बल्कि साइबर अपराध भी करता था। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह लोगों को अलग-अलग तरीकों से ठगता था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ये लोग पुराने सिक्के और नोट बेचने का लालच देकर ठगी करते थे। पुरानी गाड़ियों की खरीद-बिक्री के नाम पर भी लोगों से पैसे वसूलते थे।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बनाया और ठगी के जरिए कितनी रकम वसूली है। बरामद मोबाइल फोन की डिजिटल जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस गिरोह के बाकी सदस्यों और उनके नेटवर्क की तलाश कर रही है। मामले की शुरुआत 4 अगस्त को हुई। पत्रकारनगर थाना क्षेत्र में रहने वाले डॉक्टर दंपति को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन और मैसेज कर 30 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। पैसे न देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। धमकी मिलने के बाद डॉक्टर दंपति ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मोबाइल नंबर, कॉल डिटेल, मैसेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। पुलिस अभी डॉक्टर दंपति से रंगदारी मांगने के मामले की जांच कर ही रही थी कि 6 अगस्त को एक और घटना हुई। चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र के एक व्यापारी को भी इसी तरह फोन और मैसेज से निशाना बनाया गया। व्यापारी से 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दो दिनों के अंतराल पर रंगदारी मांगने की घटनाएं सामने आने के बाद पुलिस को आशंका हुई कि दोनों मामलों के पीछे एक ही गिरोह हो सकता है। इसके बाद दोनों घटनाओं को जोड़कर जांच शुरू की गई। मामलों की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की गई। टीम में पत्रकारनगर और चित्रगुप्त नगर थाने के थानाध्यक्षों के अलावा संबंधित पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को शामिल किया गया।टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी इनपुट के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। रंगदारी के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर, फोन, कॉलिंग पैटर्न और डिजिटल गतिविधियों की पड़ताल की गई। पुलिस ने आरोपियों की गतिविधियों को ट्रैक करने के साथ-साथ उनके संपर्क में रहने वाले लोगों की भी जानकारी जुटाई। लगातार तकनीकी जांच और पुलिस के प्रयास के बाद टीम को गिरोह से जुड़े एक नाबालिग सदस्य तक पहुंचने में सफलता मिली। पुलिस ने उसे निरुद्ध कर पूछताछ की।

'पिस्टल दिखाकर ले गया, शादी की, अब बेटी की लाश मिली'

मुजफ्फरपुर में ग्रेजुएशन की छात्रा की मौत, मां बोली- दहेज के लिए आरोपी ने हत्या कर दी

मुजफ्फरपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। 'मेरी बेटी ग्रेजुएशन की छात्रा थी, वो पढ़ाई करना चाहती थी। आरोपी तीन महिला पहले मेरे घर आया था और पिस्टल दिखाकर मेरी बेटी को भागकर अपने साथ ले गया था। मेरी बेटी की मर्जी के खिलाफ आरोपी ने उससे शादी की। अब दहेज के लिए तीन महीने बाद मेरी बेटी की आरोपी ने हत्या कर दी और सुसाइड की बात बता रहा है।'

मुजफ्फरपुर के सरैया थाना क्षेत्र की बसंतपुर उत्तरी पंचायत के कोन्ही टोला में रहने वाली महिला ने ये बातें कही। दरअसल, महिला की बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में गुरुवार देर शाम लाश मिली। मृतका की पहचान 22 साल की छात्रा वर्षा कुमारी के रूप में हुई है। वर्षा की मां ने उसके ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है।

मृतका की मां पुष्पा देवी का आरोप है कि शादी के बाद से ही बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि गुरुवार को बेटी की मौत की सूचना देने के साथ ही परिवार ने शव का चुपचाप अंतिम संस्कार करने की तैयारी शुरू कर दी थी। सूचना मिलने पर मायके वाले पुलिस के साथ पहुंचे और अंतिम संस्कार रुकवा दिया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका की मां ने बताया कि कोन्ही टोला के रहने वाले रामनाथ सहनी के तीसरे बेटे महेश सहनी ने मेरी बेटी से लव मैरिज की थी। उन्होंने कहा कि हालांकि हम दोनों की जाति एक नहीं थी, लेकिन बेटी की शादी के बाद मैंने सोचा कि जो हो गया, हो गया। शादी के शुरुआती दिनों में सबकुछ ठीक था, बेटी खुश भी थी। लेकिन करीब एक महीने बाद दहेज को लेकर महेश और उसके घरवालों ने मेरी बेटी को परेशान करना शुरू कर दिया।

वर्षा की मां पुष्पा देवी ने आरोप लगाया कि शादी के बाद महेश और उसके परिजन दहेज की मांग करने लगे थे। उन्होंने बताया कि बेटी से बातचीत भी सीमित कर दी गई थी। मां के अनुसार, जून में जब बेटी से बातचीत हुई थी तो उसने ससुराल में दहेज को लेकर हो रही परेशानी की बात बताई थी।

पुष्पा देवी ने यह भी आरोप लगाया कि बेटी को पहले जबरन घर से ले जाकर शादी की गई और बाद में परिवार के लोगों की ओर से धमकी दी जाती रही। उन्होंने आरोप लगाया कि गुरुवार को मौत की सूचना देने के दौरान भी उन्हें धमकाया गया।

रिलायंस की बंपर कमाई फिर भी 2026 में टूटा 17% शेयर

क्यों हुआ 3 .63 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के सबसे बड़े कॉरपोरेट दिग्गज रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में मौजूदा साल में 17% तक की बड़ी गिरावट देखने को मिली है. यह गिरावट तब आई है जब कंपनी का मुख्य तेल-से-रसायन व्यवसाय मजबूत सिंगापुर जीआरएम और रिफाइनिंग मार्जिन में उछाल के दम पर शानदार प्रदर्शन कर रहा है. बाजार विश्लेषकों और वैश्विक ब्रोकरेज फर्मों (जैसे जेफ़रीज़ और जेपी मॉर्गन) का मानना है कि दलाल स्ट्रीट फिलहाल रिलायंस रिटेल की सुस्त रफ्तार और न्यू एनर्जी सेगमेंट पर पूंजीगत खर्च को लेकर चिंतित है, जिससे O2सी सेगमेंट की मजबूत कमाई और जियो के संभावित वैल्यू अनलॉकिंग ट्रिगर्स नजरअंदाज हो रहे हैं. आंकड़ों को देखें तो इस वजह से रिलायंस की वैल्यूएशन में भी 3.63 लाख करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिल चुकी है. आइए, इस खबर को विस्तार से समझने की कोशिश करते हैं...

मौजूदा साल में शेयर में 17 फीसदी की गिरावट

अगर बात कंपनी की शेयरों की बात करें तो मौजूदा साल में 3 अगस्त तक कंपनी के शेयरों में 17 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है. पिछले साल के आखिरी कारोबारी दिन कंपनी का शेयर 1,569.40 रुपए पर बंद हुआ था. जोकि 3 अगस्त को 1,301.05 रुपए पर आ गया. इसका मतलब है कि कंपनी के शेयरों में 17 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है.अगर बात 4 अगस्त यानी आज की करें तो बीएसई पर कंपनी के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है और कंपनी का शेयर कारोबारी सत्र के दौरान 1,332.90 रुपए तक पहुंचा. इसका मतलब है कि अगर आज के दिन को भी कैलकुलेट किया जाए तो कंपनी के शेयर में मौजूदा साल में 15 फीसदी की गिरावट देखी जा चुकी है.वहीं दूसरी ओर कंपनी की वैल्यूएशन में भी काफी कमी आई है. 3 अगस्त तक कंपनी की वैल्यूएशन में 3.60 लाख करोड़ रुपए तक का नुकसान हो चुका है. बीएसई के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल के आखिरी कारोबारी दिन कंपनी की वैल्यूएशन 21,23,796.62 करोड़ रुपए थी. जो 3 अगस्त को 17,60,650.95 करोड़ रुपए हो गई है. इसका मतलब है कि कंपनी को 3,63,145.67 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है.

रिफाइनिंग मार्जिन में जबरदस्त उछाल

रिलायंस के ऑयल-टू-केमिकल्स बिजनेस के लिए कामकाज का माहौल काफी बेहतर हुआ है. जेफ़रीज़ का अनुमान है कि टकराव की वजह से ग्लोबल रिफाइनरी थ्रूपुट का लगभग 4 फीसदी हिस्सा कम हो गया है. मिडिल ईस्ट में रिफाइनरी का कामकाज रोजाना लगभग 2.5 मिलियन बैरल कम हुआ है, जबकि पिछले साल रूस में भी इसमें रोजाना 1.5 मिलियन बैरल की कमी आई है.इस रुकावट के कारण डीजल और गैसोलीन का स्टॉक पिछले 5 सालों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है. एफवाई27 की दूसरी तिमाही में अब तक सिंगापुर का ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन औसतन 21.2 डॉलर प्रति बैरल रहा है, जबकि एफवाई26 में यह 7.5 डॉलर प्रति बैरल था.पेट्रोकेमिकल स्प्रेड भी मजबूत हुए हैं. जेफ़रीज़ के अनुसार, फ़रवरी के अंत की तुलना में एफवाई27 की दूसरी तिमाही में अब तक रिलायंस के पॉलीइथिलीन, पॉलीप्रोपाइलीन और पॉलीइथिलीन टेरेफ्थेलेट मार्जिन में औसतन 64 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है.रिलायंस की स्पेशल इकोनॉमिक जोन रिफाइनरी, जिसकी हिस्सेदारी कंपनी की ज्यादातर रिफाइनिंग क्षमता में है, विंडफॉल टैक्स से भी फ्री है. इससे कंपनी को रिफाइनिंग के बेहतर माहौल का फायदा मिल रहा है.

बाढ़ में डूबा नेपाल भारतीय किसानों के लिए बना संकटमोचक!

हर रोज मंडियों में बिक रहे 2 लाख क्रेट टमाटर, कितने मिल रहे दाम?

नई दिल्ली,4 सितंबर (एजेंसियां)। इन दिनों टमाटर की कटाई का पीक सीजन है जिसके चलते मंडियों में इसकी आवक तेजी से बढ़ रही है। नासिक जिले की पिंपलगांव कृषि मंडी समिति में टमाटर की आवक सीजन के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। 3 सितंबर गुरुवार को यहां 1.85 लाख क्रेट टमाटर का कारोबार हुआ जिनका औसतन थोक भाव 411 प्रति क्रेट रहा। बता दें 1 क्रेट में 20 किलो टमाटर होते हैं। इससे पहले मंगलवार को बाजार में 2.15 लाख क्रेट टमाटर की बिक्री हुई, जो इस सीजन का हाई लेवल दर्ज किया गया। पिछले कुछ दिनों पिंपलगांव मंडी में 1.75 लाख से लेकर 2 लाख क्रेट तक टमाटर हर रोज पहुंच रहे हैं। अधिकरियों का मानना है कि आने वाले दिनों में आंकड़ा और अधिक बढ़ सकता है।

आवक में बढ़ोतरी के बाद भी कीमत स्थिर

पिंपलगांव एपीएमसी में टोमैटो डिपार्मेंट की देखरेख करने वाले एक अधिकारी ने टीओआई को बताया कि इन दिनों रोजाना 1.75 लाख से लेकर 2 लाख क्रेट तक टमाटर की आवक हो रही है, आने वाले दिनों में इसकी संख्या बढ़कर 3 लाख क्रेट तक भी जा सकती है। इतनी मात्रा में टमाटर की आवक के बाद भी कीमतों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है, क्योंकि घरेलू बाजारों के साथ निर्यात मांग भी तेज बनी हुई है।

पड़ोसी देशों में मांग बढ़ने से कीमत में उछाल

आमतौर पर जब मंडियों में फसल की आवक अधिक हो जाती है तो दाम गिर जाते हैं लेकिन पिंपलगांव एपीएमसी में किसानों को प्रति क्रेट 400-500 का भाव मिल रहा है। एक मंडी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मांग में कमी के कारण कीमतों में गिरावट देखी गई थी। करीब 2 हफ्ते पहले औसत भाव 201 प्रति क्रेट तक पहुंच गया था। अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कई देशों में खास तौर पर नेपाल में निर्यात मांग बढ़ने के कारण कीमतें बढ़ीं और गुरुवार को करीब 2 लाख क्रेट की नीलामी 401 प्रति क्रेट के भाव से हुई। उन्होंने कहा कि अगर मांग और सप्लाई के बीच सही संतुलन बना रहा तो आने वाले दिनों में टमाटर उत्पादक किसानों को और अधिक कीमत मिलेगी। व्यापारियों ने भी माना कि निर्यात मांग बढ़ने के चलते उत्पादकों को अच्छी कीमत मिल रही है।

चार दिन की गिरावट के बाद सेंसेक्स 363 अंक उछला, निफ्टी 23900 के करीब पहुंचा

मुंबई,4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स ने चार दिन से जारी गिरावट का सिलसिला समाप्त किया। हालांकि, दिन के दौरान की अधिकांश बढ़त समापन नीलामी सत्र (सीएएस) के बाद कम हो गई। सेंसेक्स 363 अंक बढ़कर 76,515 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 भी 24 अंक से अधिक बढ़कर 23,898 के नीचे समाप्त हुआ। व्यापक बाजार मिश्रित रहे। निफ्टी मिडकैप 100 गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 बढ़त के साथ बंद हुआ। क्षेत्रों में, निफ्टी मेटल 1 फीसदी से अधिक उछलकर बढ़त का नेतृत्व किया। निफ्टी फार्मा में करीब 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। समग्र बाजार की चौड़ाई सकारात्मक रही। एनएसई पर 2,017 शेयरों में बढ़त देखी गई। इसके मुकाबले 1,520 शेयरों में गिरावट आई। 111 शेयर अपरिवर्तित रहे।

बाजार ने कैसे तोड़ा गिरावट का सिलसिला?

सेंसेक्स ने लगातार चार दिन की गिरावट के बाद शुक्रवार को वापसी की। यह 363 अंकों की बढ़त के साथ 76,515 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के शुरुआती कारोबार में बाजार में अच्छी तेजी थी। हालांकि, समापन नीलामी सत्र के बाद यह तेजी कुछ कम हुई। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी लाइफ के शेयरों में 2 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

व्यापक बाजारों का प्रदर्शन कैसा रहा?

शुक्रवार को व्यापक बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत, निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक बढ़त के साथ समाप्त हुआ। यह दर्शाता है कि छोटे और मझोले शेयरों में अलग-अलग तरह का कारोबार हुआ। कुछ क्षेत्रों में निवेशकों ने मुनाफावसूली की।

वैश्विक बाजारों में क्या रहा रुझान?

वैश्विक बाजारों में शुक्रवार को मिश्रित रुझान देखने को मिला। लंदन समय अनुसार सुबह 9:42 बजे तक स्टॉक्स यूरोप 600 में 0.1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज वायदा लगभग अपरिवर्तित रहे। नैस्डैक 100 वायदा लगातार तीसरे दिन 0.4 फीसदी बढ़ा, जो 27 अगस्त, 2026 के बाद की सबसे लंबी बढ़त का सिलसिला है। एमएससीआई एशिया पैसिफिक सूचकांक 0.8 फीसदी बढ़कर 22 जून, 2026 के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स सूचकांक में 1.4 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जो 20 अगस्त, 2026 के बाद की सबसे बड़ी समापन बढ़त थी।

रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर ट्रंप का 100% टैरिफ का प्लान!

मिडटर्म इलेक्शन से पहले भारत को मिलेगी राहत?

नई दिल्ली,4 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी सीनेट में पिछले महीने भारी बहुमत से पारित हुआ रूस सैंक्शंस विधेयक अब हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बढ़ते विरोध का सामना कर रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इस बिल के नवंबर में होने वाले मिडटर्म इलेक्शन से पहले आगे बढ़ने की संभावना कम है। सांसदों को आशंका है कि इससे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ लगाने की शक्तियां बढ़ सकती हैं और वैश्विक तेल कीमतों में भी उछाल आ सकता है।

रूस से तेल खरीदने पर 100% टैरिफ?

साउथ कैरोलिना के दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम द्वारा तैयार किए गए इस बिल के तहत राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से कच्चा तेल और नैचुरल गैस खरीदने वाले टॉप 5 देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा। इसके अलावा रूस पर लगे ऊर्जा प्रतिबंधों को दरकिनार करने में मदद करने वाले शीर्ष पांच देशों पर भी ऐसे ही शुल्क लगाए जा सकेंगे। रूस से पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने वाले प्रमुख देशों में चीन, भारत और तुर्किये शामिल हैं। डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों दलों के सांसदों के बीच यह चिंता बढ़ रही है कि यह कानून ट्रंप प्रशासन को व्यापक स्तर पर टैरिफ लगाने का नया कानूनी आधार दे सकता है। इस मुद्दे पर अमेरिकी खुदरा उद्योग और प्रभावशाली कारोबारी संगठन US चैंबर ऑफ कॉमर्स भी सक्रिय हैं और उन्होंने इस बिल के संभावित प्रभावों को लेकर आशंकाएं जताई हैं।

क्या है भारत का स्टैंड?

इस बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष का समाधान इस बात से नहीं निकलेगा कि कौन-सा देश रूसी तेल, खनिज या अन्य वस्तुएं खरीद रहा है। उनका कहना था कि यह विवाद केवल बातचीत और कूटनीति के जरिए ही सुलझाया जा सकता है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ कीव में बैठक के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए, जयशंकर ने कहा कि भारत जैसे 1.4 अरब आबादी वाले देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन का अपना दृष्टिकोण है, जिसका भारत सम्मान करता है, लेकिन भारत के दृष्टिकोण का भी अन्य देशों को सम्मान करना चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि यह संघर्ष अब अपने तीसरे साल में पहुंच चुका है। इसका समाधान इस बात से नहीं होगा कि कोई देश तेल, एल्युमिनियम, खनिज, धातु या उर्वरक खरीद रहा है या नहीं। इसका समाधान संवाद, कूटनीति और बातचीत से ही निकलेगा और हम इसी दिशा को प्रोत्साहित करते हैं।

भारत रूस से बड़े पैमाने पर खरीदता है तेल

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 30.3% रही। इस दौरान भारत ने कुल 134.7 अरब डॉलर के कच्चे तेल आयात में से 40.8 अरब डॉलर का तेल रूस से खरीदा। रिपोर्ट में कहा गया है कि रियायती दरों पर मिलने वाले रूसी कच्चे तेल ने भारत के आयात बिल को कम करने, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और महंगाई को नियंत्रित रखने में मदद की है।

टेक्नोलॉजी और विश्वास मिलकर एनबीएफसी के अगले चरण की ग्रोथ को निर्धारित करेंगे : आरबीआई डिप्टी गवर्नर

नई दिल्ली,4 सितंबर (एजेंसियां)। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एससी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि देश की नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (एनबीएफसी) और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (एचएफसी) के पास ग्रोथ करने के काफी सारे अवसर मौजूद हैं, क्योंकि देश तेजी से आर्थिक विकास कर रहा है, जबकि शहरीकरण और डिजिटलीकरण में भी इजाफा हो रहा है। अगले चरण की ग्रोथ टेक्नोलॉजी और विश्वास से निर्धारित होगी। 7वें सीआईआई एनबीएफसी और एचएफसी समिट को संबोधित करते हुए, मुर्मु ने कहा कि भारत को विकसित, समावेशी और तकनीकी रूप से उन्नत अर्थव्यवस्था बनने के लिए एक मजबूत और विविध क्रेडिट सिस्टम बहुत जरूरी है।डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एनबीएफसी सेक्टर की ग्रोथ में तीन कारक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, जिसमें वित्तीय समावेशन, सेक्टर विशिष्ट विशेषज्ञता और प्रोडक्ट डिजाइन एवं डिलीवरी में इनोवेशन शामिल हैं।उन्होंने बताया कि एनबीएफसी क्रेडिट नॉमिनल जीडीपी के लगभग 16.7 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जो एक साल पहले 15.9 प्रतिशत था, और यह शेड्यूल कमर्शियल बैंकों द्वारा दिए गए क्रेडिट का लगभग 27 प्रतिशत है, जो एक साल पहले 26 प्रतिशत था।हालांकि, डिप्टी गवर्नर ने चेतावनी दी कि ग्रोथ के लिए अंडरराइटिंग स्टैंडर्ड, एसेट क्वालिटी या ग्राहक सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे संस्थानों का दायरा और कामकाज जटिल होता जा रहा है, उन्हें अपनी नींव मजबूत करने की जरूरत है।डिजिटलाइजेशन पर मुर्मु ने कहा कि टेक्नोलॉजी को संस्थागत जवाबदेही को कमजोर किए बिना बेहतर फैसलों में मदद करनी चाहिए। ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए साइबर सुरक्षा और कामकाज में निरंतरता और मजबूती बनाए रखना जरूरी है।मुर्मु ने आगे कहा कि टिकाऊ कारोबार के लिए ग्राहकों का भरोसा बहुत जरूरी है और इनोवेशन के लिए कमजोर या संवेदनशील ग्राहकों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

इनकम टैक्स नोटिस से घबराएं नहीं!

आईटीआर की गलत एंट्री पर आईटीएटी मुंबई का फैसला, टैक्सपेयर को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। आयकर रिटर्न दाखिल करते समय अनजाने में हुई टाइपिंग या डेटा एंट्री की गलती को आयकर विभाग द्वारा 'अघोषित आय' मानकर टैक्स पेनल्टी थोपना कानूनन गलत है. रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई स्थित इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने एक सैलरीड टैक्सपेयर के पक्ष में फैसला सुनाते हुए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की भारी टैक्स डिमांड को पूरी तरह निरस्त कर दिया है. टैक्सपेयर ने अपनी आईटीआर में गलती से 9.6 लाख रुपए के ईपीएफ ट्रांसफर/विड्रॉल को ब्याज आय के रूप में दर्ज कर दिया था, जिसके बाद विभाग ने उस पर नोटिस जारी कर दिया था. ट्रिब्यूनल के इस निर्णय ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल आईटीआर में हुई मानवीय भूल के आधार पर वास्तविक टैक्स देनदारी तय नहीं की जा सकती. आइए इस मामले पर और आईटीएटी के आए फैसले पर विस्तार से बात करते हैं...आईटीएटी मुंबई ने हाल ही में फैसला सुनाया है कि सिर्फ आईटीआर में गलत एंट्री के आधार पर ईपीएफ से मिले पैसे के लिए 9.6 लाख रुपए का टैक्स जोड़ना सही नहीं है. यह बात तब और भी सही साबित होती है जब इस बात का कोई सबूत न हो कि सैलरी पाने वाले कर्मचारी को ईपीएफओ से असल में पैसे मिले, उसने अपने ईपीएफ अकाउंट से पैसे निकाले, या उसके बैंक अकाउंट में कोई संबंधित क्रेडिट आया हो.यह फैसला एक ऐसे मामले में आया है जिसमें मुंबई के बेलापुर रोड के रहने वाले मिस्टर गोले ने 25 जुलाई, 2022 को अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया और कुल सैलरी इनकम 28.25 लाख रुपए बताई. हालांकि, आईटीआर फाइल करने में मिस्टर गोले की मदद करने वाले व्यक्ति की गलती के कारण, उन्होंने सेक्शन 10(11) के तहत 9.6 लाख रुपए को गलत तरीके से टैक्स-फ्री इनकम के तौर पर दिखाया. यह सेक्शन प्रोविडेंट फंड्स एक्ट, 1925 के तहत आने वाले वैधानिक प्रोविडेंट फंड या केंद्र सरकार के कुछ खास नोटिफाइड पीएफ से मिलने वाले पेमेंट से संबंधित है.

सोना 967 बढ़कर 1.55 लाख पर पहुंचा

चांदी 2,439 महंगी होकर 2.33 लाख किलो हुई ; इस साल सोना 22 हजार महंगा हुआ

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 सितंबर को बढ़त है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 967 रुपए चढ़कर 154908 लाख रुपए हो गई है। एक किलो चांदी की कीमत आज 2,439 रुपए बढ़कर 234972 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस साल सोना 22 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 22 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.55 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.35 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

अडानी से टकराने वाले हिंडनबर्ग रिसर्च की बढ़ सकती है मुश्किल, 22.25 मिलियन डालर वसूलने की तैयारी में सेबी

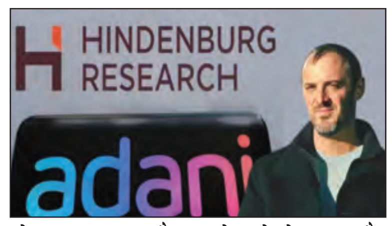

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)।अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने जनवरी 2023 में अडानी ग्रुप के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें ग्रुप पर शेयरों की कीमत में हेरफेर समेत कई आरोप लगाए गए थे। इससे ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई। आरोप है हिंडनबर्ग और कई दूसरी कंपनियों ने इसका फायदा उठाते हुए शॉर्ट-सेलिंग ट्रेड से 22.25 मिलियन डॉलर (करीब 2,10,28,87,550 रुपये) का मुनाफा कमाया।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सेबी इस मुनाफे को वसूलने की तैयारी में है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सेबी ने मुनाफे को वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके लिए उन कंपनियों का पक्ष सुना जा रहा है जिनके बारे में शक है कि उन्हें हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से फायदा हुआ। सेबी ने 2024 में कहा था कि अमेरिका की किंगडन कैपिटल मैनेजमेंट ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पब्लिश होने से पहले कोटक इंटरनेशनल से जुड़े मॉरीशस-बेस्ड फंड के जरिए अडानी से जुड़े शेयरों में शॉर्ट पोजीशन बनाई थी।

कैसे की कमाई?

शॉर्ट पोजीशन एक निवेश रणनीति है। इसमें निवेशक किसी शेयर की कीमत में गिरावट से लाभ कमाता है। पहले उसे बेचकर और फिर उसे कम कीमत पर वापस खरीदकर मुनाफा कमाता है। हिंडनबर्ग ने 2023 की रिपोर्ट में दावा किया था कि अडानी ग्रुप ने सिक्योरिटीज कानून का उल्लंघन किया है। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों से इन्कार किया लेकिन इससे ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई और उसकी ग्रुप की वैल्यू में 150 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। अडानी ग्रुप ने किसी भी गलत काम से इनकार किया। सेबी ने भी इस मामले की जांच की थी और अडानी ग्रुप के खिलाफ हिंडनबर्ग के आरोपों को खारिज कर दिया था। 2024 में, एसईबीआई ने हिंडनबर्ग और किंगडन के बीच प्रॉफिट-शेयरिंग एग्रीमेंट का ब्योरा दिया और कहा कि छह एंटिटीज ने शॉर्ट-सेलिंग ट्रेड से 22.25 मिलियन डॉलर का मुनाफा कमाया। इस बारे में सेबी, हिंडनबर्ग, किंगडन और कोटक ने कमेंट के लिए भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	मे	सिंह	04-49 बजे
चंद्र	वृषभ	मे	कन्या	06-55 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला	07-59 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक	11-09 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु	13-25 बजे
शुक्र	तुला	मे	मकर	15-38 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ	17-20 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन	18-57 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष	20-33 बजे
			वृष	22-16 बजे
			मिथुन	00-20 बजे
			कर्क	02-36 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-39
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष शनिवार 05 Sep 2026
तिथि - नवमीं 21-54 तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - मृगशिरा 21-30 रात्रि तक उपरान्त आर्द्रा
योग - वज्र 12-46 तक उप सिद्धी
करण - तैतिल 11-04 तक उप गर
विशेष: गोगानवमी
नन्द महोत्सव,शिक्षक दिवस

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
09-09 से
10-42 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया		
काल	06-01 - 07-37	अशुभ		लाभ	18-42 - 19-53	शुभ
शुभ	07-37 - 09-09	शुभ		उत्पात	19-53 - 21-20	अशुभ
रोग।।	09-09 - 10-42	अशुभ		शुभ.	21-20 - 22-48	शुभ
उत्पात	10-42 - 12-15	अशुभ		अमृत	22-48 - 00-15	शुभ
चंचल	12-15 - 13-47	शुभ		चंचल	00-15 - 01-42	शुभ
लाभ	13-47 - 15-20	शुभ		रोग	01-42 - 03-09	अशुभ
अमृत.	15-20 - 16-53	शुभ		काल	03-09 - 04-37	अशुभ
काल	16-53 - 18-42	अशुभ		लाभ	04-37 - 06-01	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है ।आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे ।महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे ।अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे।

वृष (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं ।आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी । आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे ।इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता ।इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें ।अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढाने के लिए अच्छा समय है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी ।आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं ।जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)
गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है ।आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं । जो कुछ आपने सोचा है .वो सब करने की कोशिश करें । आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है ।आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है ।बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा ।जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा । आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा ।हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे ।इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।आपको अपनी आँखें और कान खुले रखकर अपने रास्ते में आने वाले अवसरों को पकड़ना है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

जयपुर निकाय चुनाव : बागियों को मनाने मैदान में उतरे सीएम और डिप्टी सीएम

नाम वापसी के बाद बदला चुनावी समीकरण

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। निकाय चुनाव में बागियों ने कांग्रेस और भाजपा की टेंशन बढ़ा दी। हालांकि दोनों ही राजनैतिक दल ज्यादातर बागियों को मनाने में कामयाब रहे। इसके बावजूद भी कई वार्डों में अभी भी बागी डटे हुए हैं। बागियों को मनाने के लिए उच्च स्तर तक प्रयास हुए। कहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तो कहीं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को प्रयास करने पड़े। सीएम और डिप्टी सीएम के दखल के बाद कुछ बागी नामांकन वापस लेने के लिए राजी हुए।

मोहित टेलर को मुख्यमंत्री ने बुलाया

जयपुर नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा ने वार्ड 53 से सतीश कुमार को प्रत्याशी बनाया था। सतीश को टिकट मिलने पर स्थानीय नेता मोहित टेलर नाराज हो गए। टेलर ने बीजेपी से बागी होकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया। बीजेपी प्रत्याशी सतीश कुमार और स्थानीय विधायक सहित पार्टी के कई नेताओं ने समझाइस की लेकिन टेलर टस से मस नहीं हुए। आखिर मामला मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तक पहुंचा। सीएम भजनलाल शर्मा ने मोहित टेलर को कॉल किया और मुख्यमंत्री निवास पर बुलाया। मुख्यमंत्री के द्वारा आग्रह करने पर मोहित टेलर मान गए और अपना नामांकन वापस उठाया।

महिपाल को राजी किया डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्वाचन क्षेत्र विद्याधर नगर से भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष महिपाल सिंह करीरी भी टिकट नहीं मिलने से नाराज हो गए थे। महिपाल ने भी वार्ड 16 निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल दिया था। महिपाल करीरी के चुनाव मैदान में उतरने से स्थानीय नेता टेंशन में आ गए। मंडल और जिला स्तर के पदाधिकारियों ने मनाने की खूब कोशिश की लेकिन महिपाल करीरी मानने को तैयार नहीं हुए। आखिर डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने महिपाल सिंह करीरी को कॉल किया और अपने निवास स्थान सिटी पैलेस में बुलाया। वहां बुलाकर उन्होंने महिपाल से नामांकन वापस लेने का आग्रह किया तो महिपाल सिंह करीरी राजी हो गए। दिया कुमारी ने भरोसा दिलाया कि आपके मान सम्मान में कभी कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

जयपुर नगर निगम 281 नामांकन हुए विड्रॉल

दोपहर तीन बजे तक नाम वापसी का अंतिम समय था। जयपुर नगर निगम में कुल 281 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस लिया था।

जयपुर जिले की बात करें तो पूरे जिले में दो नगर परिषद और 17 नगर पालिकाएं है। जिले में कुल 714 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस लिया। ऐसे में जयपुर जिले में अब 2644 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। आज दोपहर को सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह का आवंटन किया जाएगा।

69,811 नामांकन में से 17,137 खारिज

10112 ने नाम वापस लिए, 38891 मैदान में

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के निकाय चुनाव में नामांकन और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। प्रदेश के 10,245 वार्डों में अब 38891 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। वहीं 77 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार निकाय चुनाव के लिए कुल 69,811 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। जांच के दौरान 17137 नामांकन पत्र खारिज हुए, जबकि 10112 प्रत्याशियों ने नाम वापस ले लिए। नामांकन प्रक्रिया के आंकड़ों ने जहां कई वार्डों में चुनावी मुकाबले का गणित बदला है, वहीं टिकट वितरण के बाद सामने आई बगावत ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों की चिंता बढ़ा दी है। अब दोनों दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने नाराज नेताओं और बागी प्रत्याशियों को साधने की है।

नामांकन खारिज होने से दोनों दलों को झटका

करीब 20 जिलों से मिले आंकड़ों के अनुसार बीजेपी और कांग्रेस के कम से कम 99 प्रत्याशियों के नामांकन खारिज हुए हैं। इनमें कांग्रेस के 57 और बीजेपी के 42 प्रत्याशी शामिल हैं। पूरे चुनाव में खारिज नामांकन की संख्या करीब 200 तक बताई गई है। कांग्रेस को अजमेर और पाली में नामांकन खारिज होने से बड़ा झटका लगा है। वहीं बीजेपी को भी दौसा और करौली समेत कई जिलों में नुकसान हुआ है। कई मामलों में नामांकन तकनीकी खामियों और पात्रता से जुड़ी वजहों से खारिज हुए। इससे दोनों दलों में प्रत्याशियों के नाम तय करने और नामांकन पत्रों की पहले से जांच को लेकर सवाल भी उठे हैं।

उदयपुर कांग्रेस में सियासी भूचाल

तीन बार के प्रत्याशी विवेक कटारा और राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. दिव्यानी कटारा का कथित ऑडियो वायरल

पद से हटवाने की धमकी

उदयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नगर निकाय चुनावों की तपिश के बीच उदयपुर कांग्रेस में अंतर्कलह और गुटबाजी खुलकर सतह पर आ गई है। तीन बार कांग्रेस के अधिकृत विधानसभा प्रत्याशी रहे डॉ. विवेक कटारा और भारतीय युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. दिव्यानी कटारा के बीच फोन पर हुई तीखी नोकझोंक का एक कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस ऑडियो के सामने आने के बाद संगठन के भीतर खींचतान, वरिष्ठ बनाम युवा नेतृत्व और आंतरिक मर्यादा को लेकर सियासी गलियारों में घमासान मच गया है। संबोधन और लहजे पर उठे सवालः एक तरफ 'भैया', दूसरी ओर तीखे बोल वायरल बातचीत में दोनों नेताओं के बीच बातचीत की शुरुआत से ही तनाव साफ महसूस किया जा रहा है।

सम्मान बनाम तल्ख तेवरः बातचीत के दौरान डॉ. दिव्यानी कटारा लगातार विवेक कटारा को 'भया' और 'आप' कहकर संयमित लहजे में संबोधित करती सुनाई दे रही हैं। वहीं, आरोप है कि दूसरी तरफ से विवेक कटारा ने कथित तौर पर 'तू' और बेहद आक्रामक भाषा का इस्तेमाल किया। हैसियत पूछने और पद से हटवाने की धमकीः वायरल ऑडियो में विवेक कटारा कथित रूप से डॉ. दिव्यानी से यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि 'तुम्हारी हैसियत क्या है?', 'तुम कौन होती हो?

सामाजिक और न्याय अधिकारिता विभाग के जॉइंट डायरेक्टर ट्रैप

> निकाय चुनाव के बीच एसीबी का बड़ा एक्शन

अजमेर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय चुनाव के बीच एसीबी ने बड़ा एक्शन लिया है। अजमेर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी ट्रेप कार्रवाई करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक को तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आरोपी अधिकारी पर परिवादी के संस्थान का अनुबंध पत्र जारी करने और बिल पास करने की एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद विभाग में भी हड़कंप मच गया। एसीबी जयपुर की टीम ने एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर अजमेर में इस ट्रेप कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जयप्रकाश चारण, संयुक्त निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, अजमेर के रूप में हुई है। एसीबी एडिशनल एसपी झाबरमल ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके संस्थान का अनुबंध पत्र जारी करने और बिल पास करने के बदले 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया और रिश्वत की मांग सही पाए जाने पर ट्रेप की कार्रवाई की योजना बनाई। एसीबी के अधिकारी रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबरमल यादव के निर्देशन में कार्रवाई की गई।

वहीं उप अधीक्षक पुलिस सुरेन्द्र पंचोली के नेतृत्व में एसीबी टीम ने ट्रेप को अंजाम दिया ओर 3 लाख रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

राजस्थान में फिर सक्रिय हुआ मानसून, पूर्वी हिस्से में तेज बारिश का अलर्ट

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। बंगाल की खाड़ी और मध्य भारत में बने मौसमी सिस्टम के असर से प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ गई हैं। जयपुर समेत कई जिलों में शुक्रवार सुबह से बादल छाए हुए हैं, जबकि कुछ इलाकों में हल्की बारिश और बूंदाबांदी हो रही है। मौसम विभाग ने 4 और 5 सितंबर को पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इस दौरान गरज-चमक और तेज हवाओं का दौर भी देखने को मिल सकता है। 6 सितंबर को भी पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर आंधी और बिजली चमकने के साथ बारिश की संभावना है।

बेटियों के साथ जयपुर की गलियों में घूमीं लीजा रे

> राजस्थानी थाली से लेकर कला और शॉपिंग तक का लिया मजा

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अभिनेत्री लीजा रे इन दिनों जयपुर में है। वह अपनी बेटियों के साथ गुलाबी शहर की गलियों, पुरानी हवेलियों, कला, संस्कृति और शहर की पुरानी विरासत को करीब से जान रही है। उन्होंने अपनी इस यात्रा की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए। इन झलकियों में वह कभी बेटियों के साथ राजस्थानी थाली का मजा लेती दिखीं, तो कभी संकरी गलियों में टुक-टुक की सवारी का आनंद लिया।

लीजा रे ने शुक्रवार को अपनी जयपुर ट्रिप की तस्वीरों और वीडियो की एक पूरी झलक साझा की। तस्वीरों में वह और उनकी दोनों बेटिया जयपुर की रंगीन गलियों और पुराने शहर की खूबसूरत इमारतों के बीच घूमती नजर आ रही हैं। शेयर की गई तस्वीरों में शहर की वास्तुकला, वहां के रंग और कलात्मक माहौल देखने को मिल रहा है। लीजा ने अपनी पोस्ट में जयपुर की खासियत को अपने नजरिए से समझाने की कोशिश की। उन्होंने लिखा, ''पहली नजर में यह शहर रंगों, बनावट और तरह-तरह के नजारों का एक खूबसूरत मेल लगता है, लेकिन असल में इसके पीछे एक लंबी कलात्मक परंपरा और सोच है। आज का जयपुर अपनी पुरानी विरासत को संभालकर रखते हुए उसे नए तरीके से सामने लाने का हुनर भी जानता है। शहर में पुराना और नया एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि साथ-साथ चलता नजर आता है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'इस सफर में खाने का भी खास हिस्सा रहा। मैंने अपनी बेटियों के साथ पारंपरिक राजस्थानी थाली का स्वाद लिया। वहां के आंगनों की सजावट मुझे बेहद खास लगी। खास तौर पर हरे और गुलाबी रंग का मेल शायद किसी दूसरी जगह उतना खूबसूरत न लगे, जितना जयपुर में लगता है।'

बांसवाड़ा में आदिवासी महिला से बर्बरता

बाल काटकर भीड़ ने पीटा, पति समेत ससुराल वालों पर लगे आरोप

बांसवाड़ा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के आदिवासी अंचल बांसवाड़ा से इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक आदिवासी महिला के साथ कथित तौर पर भीड़ ने बर्बरता की। महिला के बाल काटने, उसके साथ मारपीट करने और कपड़े फाड़ने के आरोप सामने आए हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने महिला के पति समेत सात लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। घटना 1 सितंबर की शाम की बताई जा रही है। सामने आए वीडियो में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी दिखाई दे रही है। पुलिस के अनुसार महिला के ससुराल पक्ष से जुड़े लोगों पर घटना में शामिल होने का आरोप है। हालांकि, वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम की पुष्टि नहीं हुई है।

पहले सड़क पर चलाया, फिर शुरू की मारपीट

रिपोर्ट्स के अनुसार महिला को कथित तौर पर नंगे पैर सड़क पर चलाया गया। इसके बाद उसके साथ मारपीट की गई और बाल काटे गए। आरोप है कि भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने लाठियों से महिला को पीटा। घटना के दौरान कई लोग तमाशबीन बने रहे, जबकि कुछ लोग मोबाइल से वीडियो बनाते नजर आए। इसके बाद महिलाओं की भीड़ द्वारा महिला के कपड़े फाड़ने और उसके साथ मारपीट करने का भी आरोप है। महिला किसी तरह वहां से निकली और बाद में पुलिस के पास पहुंचकर अपने पति तथा परिवार से जुड़ी अन्य महिलाओं सहित कई लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

दूसरे गांव के युवक के साथ जाने का लगाया आरोप

गढ़ी क्षेत्र के वृत्ताधिकारी बाबूलाल के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि महिला करीब 10 दिन पहले पास के गांव के एक युवक के साथ चली गई थी। उसके परिजन युवक के घर पहुंचे और महिला को वहां से वापस लेकर आए। इसके बाद महिला के पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने उस पर युवक के साथ भागने का आरोप लगाते हुए कथित तौर पर मारपीट की। वहीं महिला का कहना है कि वह उस युवक के साथ मजदूरी करने गई थी। घटना के वास्तविक कारणों की पुलिस जांच कर रही है। गढ़ी क्षेत्र के वृत्ताधिकारी बाबूलाल के अनुसार महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने उसके पति समेत सात लोगों को हिरासत में लिया है। वीडियो में नजर आ रहे अन्य लोगों की पहचान और भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

18 अक्टूबर की रैली से पहले शिवसिंह शेखावत की चेतावनी

> बल प्रयोग हुआ तो पीछे नहीं हटेगी करणी सेना

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष शिवसिंह शेखावत ने 18 अक्टूबर 2026 को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में होने वाली स्वर्ण समाज की प्रस्तावित बड़ी रैली को लेकर सरकार को चेतावनी दी है। यूजीसी रोलबैक की मांग को लेकर होने वाली इस रैली में बड़ी संख्या में समाज के लोगों के शामिल होने का दावा किया जा रहा है। शेखावत ने कहा कि अगर रैली के दौरान आंदोलनकारियों पर वाटर कैनन या लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया गया तो हालात आमने-सामने के हो सकते हैं।

'बल प्रयोग हुआ तो आंदोलनकारी भी पीछे नहीं हटेंगे'

शिवसिंह शेखावत ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि सरकार अगर आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल करती है तो आंदोलनकारी भी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में कानून हाथ में लेने की स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास बातचीत करने और समाज की मांगों का समाधान निकालने का रास्ता है। लेकिन अगर आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल किया गया तो इसके परिणाम सरकार को भुगतने पड़ सकते हैं। शेखावत ने कहा कि समाज अब धीरे-धीरे एकजुट हो रहा है और अपनी मांगों को लेकर निर्णायक संघर्ष के लिए तैयार है। शेखावत ने 18 अक्टूबर की रैली को स्वर्ण समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि रैली में समाज के नेता, महिलाएं और बच्चे भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह रैली केवल मांगों को लेकर प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसके जरिए समाज अपने भविष्य को लेकर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसला भी करेगा।

जन्माष्टमी : भक्तों के 'बिजनेस पार्टनर' हैं सांवरियाजी

मुनाफे के रूप में हर महीने आता है करोड़ों का चढ़ावा

सेठों के सेठ सांवरिया सेठ की अनोखी कहानी

चित्तौड़गढ़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। व्यापार में पार्टनरशिप की बात आम है लेकिन चित्तौड़गढ़ के कृष्णधाम मंडफिया स्थित प्रसिद्ध सांवरिया सेठ के भक्त भगवान को ही अपना बिजनेस पार्टनर मानकर व्यापार करने की परंपरा निभा रहे हैं। श्रद्धालुओं की इसी आस्था के चलते सांवरिया सेठ के भंडार में हर महीने करोड़ों रुपये का दान पहुंच रहा है। इसी वजह से सांवरिया सेठ को सेठों का सेठ भी कहा जाता है।

मान्यता है कि मुगल शासक औरंगजेब के शासनकाल में जब मंदिरों को तोड़ा जा रहा था, तब संत दयाराम ने प्रभु प्रेरणा से चार मूर्तियों को बागुंड-भादसौड़ा की छापर में एक वटवृक्ष के नीचे जमीन में छिपा दिया था। समय बीतने के बाद मंडफिया गांव के निवासी भोलाराम गुर्जर को सपना आया कि भादसौड़ा-बागुंड की छापर में चार मूर्तियां जमीन में दबी हुई हैं। इसके बाद जब वहां खुदाई की गई तो सपना सच निकला और चार मूर्तियां मिलीं। सभी मूर्तियां बेहद मनोहारी थीं। मूर्तियां मिलने की खबर फैलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे। बाद में सर्वसम्मति से चारों मूर्तियों में से सबसे बड़ी मूर्ति को भादसौड़ा ले जाया गया। भादसौड़ा में प्रसिद्ध गृहस्थ संत पुराजी भगत के निर्देशन में मेवाड़ राजपरिवार के भींडर ठिकाने की ओर से सांवरियाजी का मंदिर बनवाया गया। इसे सबसे पुराना मंदिर माना जाता है और यह सांवरिया सेठ प्राचीन मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है।

सांवरिया सेठ के बारे में श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है कि वे भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। यही वजह है कि छोटे से गांव में स्थित यह मंदिर आज देशभर में अपनी अलग पहचान बना चुका है। समय के साथ यहां भव्य मंदिरों का निर्माण हुआ और तीनों मंदिरों की ख्याति दूर-दूर तक फैल गई। आज देश के अलग-अलग हिस्सों से लाखों श्रद्धालु सांवरिया सेठ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सांवरिया सेठ को लेकर एक अन्य मान्यता भी प्रचलित है कि नानी बाई का मायरा करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं यह रूप धारण किया था। व्यापार जगत में उनकी आस्था इतनी गहरी है कि कई कारोबारी उन्हें अपना बिजनेस पार्टनर मानते हैं और कारोबार से होने वाली आय का एक हिस्सा सांवरिया सेठ के नाम अर्पित करते हैं। करीब छह दशक पहले तक मंडफिया में सांवरिया सेठ का एक छोटा मंदिर हुआ करता था। उस समय मंदिर के भंडार से औसतन प्रतिमाह करीब 250 रुपये की राशि निकलती थी। समय के साथ जैसे-जैसे सांवरिया सेठ की ख्याति बढ़ी, वैसे-वैसे भंडार में आने वाली राशि भी बढ़ती गई। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और भंडार से अपेक्षा से अधिक राशि प्राप्त होने के बाद मंदिर के विस्तार पर जोर दिया गया। पुराने मंदिर के स्थान पर अहमदाबाद के अक्षरधाम की तर्ज पर भव्य मंदिर का विस्तार किया गया। वर्तमान में मेवाड़, मालवा, गुजरात सहित देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

मंदिर की व्यवस्थाओं के संचालन के लिए मंदिर मंडल का गठन किया गया है। इसमें प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अतिरिक्त जिला कलेक्टर को स्थायी रूप से जिम्मेदारी दी गई है।

28 साल पहले चाचा-भतीजे ने साथ पहनी थी वर्दी

अब एक साथ ली सेना से विदाई, गांव में हुआ भव्य स्वागत

कोटपूतली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कोटपूतली। देश सेवा का जज्बा जब परिवार की परंपरा बन जाए तो उसकी मिसाल पीढ़ियों तक दी जाती है। कोटपूतली क्षेत्र के ग्राम चुरी में ऐसी ही गौरवशाली तस्वीर देखने को मिली। गांव के सगे चाचा-भतीजे ने करीब 28 वर्ष पहले एक साथ भारतीय सेना की वर्दी पहनी थी और अब 31 अगस्त को दोनों ने एक साथ सेना से सेवानिवृत्ति ली। बुधवार को जब दोनों सैन्य अधिकारी अपने पैतृक गांव पहुंचे तो ग्रामीणों ने भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों के बीच उनका जोरदार स्वागत किया।

सूबेदार रमेश चंद और लेफ्टिनेंट विक्रम सिंह की यह कहानी इसलिए भी खास है, क्योंकि दोनों ने सेना में एक साथ कदम रखा और करीब तीन दशक तक देश की सेवा करने के बाद एक साथ सेवानिवृत्त हुए। विक्रम सिंह ने अपनी सैन्य सेवा के दौरान कारगिल युद्ध सहित ऑपरेशन सिंधु जैसे चुनौतीपूर्ण अभियानों में भी जिम्मेदारी निभाई। वहीं रमेश चंद ने विभिन्न स्थानों पर सैन्य सेवा करते हुए सूबेदार की रैंक तक पहुंचकर सेना से विदाई ली।

चाचा के साथ भतीजे ने भी थामी थी देशसेवा की राह

गांव चुरी निवासी ग्यारसीराम यादव के पुत्र रमेश चंद ने करीब 28 वर्ष पहले सेना में भर्ती होकर देश सेवा की शुरुआत की थी। इसके कुछ समय बाद रामजीलाल यादव के पुत्र विक्रम सिंह भी अपने चाचा के साथ सेना में शामिल हुए। दोनों ने लंबे सैन्य जीवन के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में अपनी सेवाएं दीं। विक्रम सिंह ने कारगिल युद्ध और ऑपरेशन सिंधु जैसे महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों में अपनी जिम्मेदारी निभाई। सेना में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए इसी वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उन्हें लेफ्टिनेंट के पद पर पदोन्नति मिली।

80 लॉ स्कूल आईसीएफएआई की मॉक कोर्ट प्रतियोगिता में शामिल हुए

डॉ. प्रदीप राय ने विधि अध्ययन पर डाला प्रकाश

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित आईसीएफएआई लॉ स्कूल ने शुक्रवार को अपने परिसर में 11वीं श्री एन.जे. यशस्वी मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता – 2026 का उद्घाटन किया। 4 से 6 सितंबर तक चलने वाली इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में 2 लाख रुपये का पुरस्कार पूल है, साथ ही प्रतियोगिता के लीगल टेक पार्टनर मनुपत्रा की निःशुल्क पहुंच भी उपलब्ध है।

उद्घाटन भाषण देते हुए, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता और सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप राय ने विधि के अध्ययन और अभ्यास में व्यापक पठन, एकाग्रता, प्रतिबद्धता और दृढ़ता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को सच्चे प्रयास को सफलता का मापदंड मानने के लिए प्रोत्साहित किया। आईसीएफएआई लॉ स्कूल के महानिदेशक प्रोफेसर विजेंद्र कुमार ने छात्रों से मूल निर्णयों को पढ़ने, आलोचनात्मक सोच विकसित करने और कानूनी मुद्दों को एक वकील के दृष्टिकोण से देखने का आग्रह किया ताकि उनके वकालत कौशल को मजबूत किया जा सके।

इस प्रतियोगिता में भारत भर के प्रमुख विधि विद्यालयों की 80 टीमों ने भाग लिया है, जिनमें गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय, भोपाल; महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, मुंबई; महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नागपुर; हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय; राष्ट्रीय विधि अध्ययन एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय, रांची; दामोदरम संजीवय्या राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम; ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी; सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे; और क्राइस्ट (मानित) विश्वविद्यालय, बेंगलुरु आदि शामिल हैं। विभिन्न दौरों का मूल्यांकन 92 प्रतिष्ठित न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा किया जाएगा, जिसमें शिक्षाविद, कानूनी विशेषज्ञ और प्रमुख विधि फर्मों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। 6 सितंबर को होने वाले समापन सत्र की अध्यक्षता तेलंगाना उच्च न्यायालय के दो मौजूदा न्यायाधीश करेंगे, जहां विजेताओं की घोषणा की जाएगी।

एक दिन मे मेनूर के तीन घर मे चोरी

मदनूर, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल के मेनूर गांव में गुरुवार देर रात में बंद घरों का ताला तोडकर चोरी हो गई। स्थानिक जनता ने बताया की गांव के सेवानिवृत शिक्षक यादराव गुरूजी ने अपने परिवार के साथ गुरुवार शाम घर को ताला लगाकर गांधारी मंडल अपने बेटी के पास गए थे। इसी का फायदा लेते हुए चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर हाथ साफ कर लिया। इसकी सूचना गांव के लोगों ने गुरूजी को दी। वे परिवार के साथ शुक्रवार सुबह मेनूर गांव आकर पुलिस को सूचना दी। उप निरीक्षक मोहन रेड्डी ने घटना स्थल का निरीक्षण कर बताया कि मेनूर के दो और घरों में चोरों ने चोरी की है। उन घरों के लोग सांगमेश्वर भगवान के दर्शन करने गए थे।

सीएम ने अब कोंडा सुरेखा की आवाज को दबा दिया : डीके अरुणा

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा सांसद डीके अरुणा ने कोंडा सुरेखा को मंत्री पद से बर्खास्त किए जाने की आलोचना करते हुए एक वरिष्ठ बीसी नेता के खिलाफ की गई इस कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

उन्होंने इस घटनाक्रम का कारण कांग्रेस के भीतर के मतभेदों को बताया और वाईएस राजशेखर रेड्डी सरकार के दौरान सुरेखा के साथ काम करने के अनुभव को याद किया। पूर्व मंत्री पी सबिता इंदिरा रेड्डी ने भी इस घटनाक्रम को लेकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की। विधानसभा में उन पर भरोसा करने वाली महिलाओं को प्रमुखता देने के उनके पूर्व आश्वासन का जिक्र करते हुए, सबिता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने अब कोंडा सुरेखा की आवाज को दबा दिया है।

तेलंगाना भवन के पास भी नहीं आने दिया जाएगा कोंडा सुरेखा को : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक जी. जगदीश रेड्डी ने शुक्रवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सरकार गंभीर आंतरिक संकट का सामना कर रही है और जनता से किए गए चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कृष्णा नदी के जल में तेलंगाना के हिस्से की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया, यह देखते हुए कि गोदावरी और कृष्णा दोनों नदियों में वर्तमान में प्रचुर मात्रा में जल है। उन्होंने मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के आवास पर हुई छापेमारी पर प्रवर्तन निदेशालय की चुप्पी पर भी सवाल उठाया और आरोप लगाया कि पोंगुलेटी अहंकारी हो गए हैं। जगदीश रेड्डी ने तेलंगाना सरकार पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का राजनीतिक समर्थन प्राप्त होने का भी आरोप लगाया। बीआरएस में नेताओं की वापसी की संभावना पर जगदीश रेड्डी ने कोंडा सुरेखा के प्रवेश को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए कहा कि उन्हें तेलंगाना भवन के पास भी नहीं आने दिया जाएगा। उन्होंने कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी की वापसी को भी खारिज कर दिया और बीआरएस के पहले के उस फैसले का हवाला दिया जिसमें राजगोपाल रेड्डी और उनके भाई कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी को पार्टी में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि बीआरएस दल से अलग हुए 10 विधायकों में से किसी को भी वापस नहीं लेगी, सिवाय एक या दो के, जो उनके आचरण और चरित्र पर निर्भर करेगा। उन्होंने दावा किया कि दलबदल करने वाले दो विधायक फिलहाल बीआरएस में लौटने के लिए तैयार हैं।

खम्मम में साइबर फ्रॉड नेटवर्क पर कार्रवाई

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने खम्मम पुलिस के साथ मिलकर उन लोगों के खिलाफ एक बड़ा ऑपरेशन चलाया जो कथित तौर पर साइबर क्राइम से कमाए पैसे को इधर-उधर करने के लिए बैंक अकाउंट्स उपलब्ध कराते थे।

2 और 3 सितंबर को चलाए इस ऑपरेशन में बैंक ब्रांच, एटीएम सेंटर और दूसरी जगहों की जांच की गई। इन जगहों की पहचान फाइनेंशियल इंटेलिजेंस और पहले हुई साइबर क्राइम की जांच के आधार पर की गई थी, ताकि म्यूल-अकाउंट ऑपरेटरों का पता लगाया जा सके और साइबर फ्रॉड करने वालों के फाइनेंशियल चैनलों को रोका जा सके।

यह हालिया कार्रवाई वीएम. बंजारा और सथुपल्ली पुलिस स्टेशनों में दर्ज दो मामलों की जांच के बाद की गई। बाद में इन मामलों को टीजीसीएसबी को ट्रांसफर कर दिया गया और फिर से दर्ज किया गया।

टीजीसीएसबी अधिकारियों के अनुसार, इन मामलों में संदिग्ध लोगों और बैंक अकाउंट्स के एक नेटवर्क के बीच संबंध पाए गए, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर साइबर फ्रॉड से मिले पैसे को लेने, लेयरिंग करने और ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। अधिकारियों ने कहा, कुछ अकाउंट्स का इस्तेमाल कथित तौर पर विदेशी ऑपरेटर्स से जुड़े टेलीग्राम ग्रुप्स के ज़रिए ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े पेमेंट लेने और देने के लिए भी किया जाता था। चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया, जबकि इन दो मामलों में पहले 52 गिरफ्तारियां हो चुकी थीं। हालिया ऑपरेशन के दौरान, पुलिस ने दो लोगों — बी मुरली कृष्णा और वी साईनिवास — को गिरफ्तार किया, जिन पर साइबर क्राइम ट्रांजैक्शन में मदद के लिए 10 म्यूल बैंक अकाउंट्स उपलब्ध कराने का आरोप है।

इसके अलावा, टीजीसीएसबीके फाइनेंशियल एनालिसिस में 30 बैंक ब्रांच में फैले 121 म्यूल अकाउंट्स की पहचान की गई, साथ ही ज़्यादा रकम वाले एटीएम विड्रॉल से जुड़े 273 अकाउंट्स का भी पता चला। पुलिस ने 20,000 रुपये से ज़्यादा के चेक विड्रॉल में शामिल 12 अकाउंट्स को भी चिह्नित किया और 25 संदिग्ध जगहों की पहचान की। टीजीसीएसबी अधिकारियों ने बताया कि ये अकाउंट और जगहें तेलंगाना और देश के दूसरे हिस्सों में दर्ज कई साइबर क्राइम की शिकायतों से जुड़ी थीं। उन्हें 7.84 करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन मिले, जिनमें से 6.23 करोड़ रुपये विवादित फंड के तौर पर पहचाने गए।

काला जादू के विश्वास के कारण हुई क्रूर हत्या, सात लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। फलकनुमा पुलिस ने 53 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी मोहम्मद महबूब अली की निर्मम हत्या का मामला सुलझा लिया है। आरोप है कि उनकी हत्या एक अंधविश्वास के चलते की गई थी, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने एक महिला पर काला जादू किया था और एक रिश्तेदार की मौत के लिए जिम्मेदार थे।

पुलिस ने उक्त हत्या के सिलसिले में 3 सितंबर को छह आरोपियों और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, यह घटना 30 अगस्त की रात करीब 9:30 बजे वट्टेपल्ली स्थित अलमास होटल के पास घटी। बताया जाता है कि महबूब अली को गिरोह ने घेर लिया और चाकू से हमला किया, जिससे उसके सिर, छाती, हाथों और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई चोटें आईं। उसे तुरंत प्रिंसेस एज़्रा अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। जांच में पता चला कि मुख्य आरोपी मिर्जा मोहसिन बेग को शक था कि महबूब अली ने उसकी मां ताहिरा बेगम पर काला जादू किया था, जो कथित तौर पर लंबे समय से बीमार थीं।

उसने कथित तौर पर अपने मामा की मौत के लिए भी महबूब अली को ही जिम्मेदार ठहराया था। पुलिस ने बताया कि बेग ने अपने चचेरे भाई मोहम्मद इमरान अहमद के साथ अपनी आशंकाएं साझा कीं, जिसने कथित तौर पर उसे महबूब अली को खत्म करने की सलाह दी और जमानत दिलाने में मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर चार अन्य लोगों और एक नाबालिग को इस योजना को अंजाम देने के लिए शामिल किया। हत्या की रात, आरोपियों ने कथित तौर पर अयान दरबार होटल में इकट्ठा होकर छह चाकू और कटारें खरीदीं और महबूब अली पर हमला करने से पहले दो एक्टिवा स्कूटरों पर सवार होकर वहां गए। पुलिस ने अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए दो एक्टिवा दोपहिया वाहन, छह चाकू/खंजर और तीन मोबाइल फोन जब्त किए। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। फलकनुमा पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे काले जादू में विश्वास न करें और अंधविश्वासों के आधार पर कोई कार्रवाई न करें।

पुलिस ने जोर देकर कहा कि ऐसी प्रथाओं का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है और लोगों को कानून अपने हाथ में लेने के बजाय पुलिस से संपर्क करना चाहिए।

गणेश प्रतिमा की आवाजाही: धूलपेट में यातायात मार्ग परिवर्तन की घोषणा

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने गणेश प्रतिमाओं की बिक्री, खरीद और परिवहन को सुगम बनाने के लिए धूलपेट और उसके आसपास के इलाकों में यातायात में बदलाव की घोषणा की है। यह प्रतिबंध 5 सितंबर, 2026 को सुबह 7 बजे से 14 सितंबर, 2026 को रात 10 बजे तक लागू रहेगा।

भोइगुडा कमान और गांधी प्रतिमा के बीच सामान्य यातायात दोनों दिशाओं में प्रतिबंधित रहेगा। गणेश प्रतिमा ले जाने वाले वाहन गांधी प्रतिमा और पुरानापूल से प्रवेश करेंगे और भोइगुडा कमान क्रॉस रोड से बाहर निकलेंगे। मंगलहाट, पुरानापूल और आसपास के इलाकों की ओर जाने वाले वाहनों के लिए कई वैकल्पिक मार्ग बनाए गए हैं, जिनमें अघापुरा, घोड़े की खबर, जिंसी चौराही और टक्करवाड़ी टी जंक्शन से होकर जाने वाले वैकल्पिक मार्ग शामिल हैं।

मूर्तियों को लाने के लिए आने वाले ट्रकों और डीसीएम वाहनों को जुमेरत बाजार मैदान में पार्क करने का निर्देश दिया गया है और उन्हें रात 10 बजे के बाद मूर्तियां लेने की अनुमति दी जाएगी। पुरानापूल स्थित 100 फीट रोड पर अतिरिक्त पार्किंग की व्यवस्था की गई है। भारी बारिश के दौरान, एमजे ब्रिज से जुमेरत बाजार रोड की ओर निर्धारित पार्किंग क्षेत्र तक वाहनों को एक ही लाइन में पार्क किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से प्रभावित मार्गों से बचने और वैकल्पिक सड़कों का उपयोग करने का आग्रह किया है।

तलसानी ने 'प्रजा पालना' और अधूरे वादों को लेकर कांग्रेस की आलोचना की

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के उप-प्रवेश नेता तलसानी श्रीनिवास यादव ने शुक्रवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए उसके प्रजा पालन (जनता का शासन) देने के दावे पर सवाल उठाया और उस पर सत्ता में 1,000 दिन बीत जाने के बाद भी अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। स्थानीय विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी और बीआरएस नेताओं द्वारा स्वागत किए जाने के बाद, जनगांव स्थित विधायक के शिविर कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए तलसानी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अव्यावहारिक वादों से लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पिछली बीआरएस सरकार को 24 घंटे बिजली आपूर्ति, सिंचाई परियोजनाओं, तालाबों के जीर्णोद्धार, रैतू बंधु, रैतू बीमा और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से तेलंगाना में बदलाव लाने का श्रेय दिया। तलसानी ने सवाल उठाया कि कांग्रेस सरकार के तहत पानी और बिजली की समस्याएं फिर से क्यों उभर आई हैं और पूछा कि कल्याणा लक्ष्मी और शादी मुबारक योजना के लाभार्थियों के लिए 10 ग्राम सोना, महिला छात्रों के लिए स्कूटर और विकलांग व्यक्तियों के लिए 6,000 रुपये की मासिक पेंशन जैसे वादों का क्या हुआ। उन्होंने लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि सरकारी आदेश 97 का उद्देश्य पॉलिटेक्निक कॉलेजों को स्किल यूनिवर्सिटी में विलय करके पॉलिटेक्निक कॉलेजों की संपत्तियों पर कब्जा करना है।

उन्होंने 22-ए के तहत

मैलारदेवपल्ली हत्याकांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली थाना क्षेत्र में 2 सितंबर को मोहम्मद अब्दुल रऊफ की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोहम्मद जावेद उर्फ हेकला जावेद, मोहम्मद अब्दुल्ला और शेख आरिफ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने हत्या की वजह मृतक से पुरानी दुश्मनी बताई है। पुलिस के मुताबिक, जावेद के छोटे भाई साजिद की 19 मई 2024 को कर्नाटक में मौत हुई थी। आरोपी को कथित तौर पर संदेह था कि साजिद की मौत में मृतक अब्दुल रऊफ की भूमिका थी। इसके अलावा मृतक द्वारा उसे और उसके साथियों को धमकाने तथा कथित रूप से उनका मजाक उड़ाने से भी आरोपी नाराज था। इसी रंजिश के चलते तीनों ने अब्दुल रऊफ की हत्या की साजिश रची। पुलिस के अनुसार, 2 सितंबर की रात करीब 11 बजे तीनों आरोपियों ने ऑटो से जा रहे अब्दुल रऊफ को रास्ते में रोक लिया। आरोपियों ने कथित रूप से मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल करने के बाद चाकुओं से हमला किया, जिससे उसे कई गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और चाकू, खून से सने कपड़े तथा मिर्च स्प्रे की बोतलें पल्ले चेरुवु के पास झाड़ियों में फेंक दीं। पुलिस ने 4 सितंबर सुबह करीब छह बजे अरामघर के पास आरोपियों को उस समय पकड़ लिया, जब वे कथित रूप से कर्नाटक के बसवकल्याण की ओर भागने का प्रयास कर रहे थे। आरोपी जावेद के कब्जे से मृतक का मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने हथियार और अन्य सामान फेंके जाने का स्थान भी बताया। डीसीपी, राजेंद्रनगर, हैदराबाद ने बताया कि जांच में पुलिस को पता चला कि मोहम्मद जावेद के खिलाफ हैदराबाद, आसपास के जिलों और कर्नाटक में 180 मामले दर्ज हैं। वहीं, मोहम्मद आरिफ के खिलाफ तीन और मोहम्मद अब्दुल्ला के खिलाफ एक मामला दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। मामले की आगे जांच जारी है।

आज कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन सालीटेर बिजनेस स्कूल में किया गया। कालेज की प्राचार्या दीपिका रेड्डी ने भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र पर विस्तार से वर्णन करते हुए विधार्थियो को संबोधित किया। अवसर पर कालेज के सभी प्राध्यापकगण और सभी छात्र एवं छात्राओं ने दही हांडी भी फोड़ कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

गनपार्क में ब्राह्मण नेता ने आत्महत्या का प्रयास किया

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ब्राह्मण एक्टिविस्ट्स जेएसी के अध्यक्ष यज्ञम पवन कुमार शर्मा ने कथित तौर पर शुक्रवार को यहां गन पार्क स्थित शहीद स्मारक पर आत्महत्या का प्रयास किया, जिसमें उन्होंने तेलंगाना ब्राह्मण कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष बसवराजु श्रीनिवास को हटाने की मांग की थी। खबरों के मुताबिक, शर्मा ने सोशल मीडिया पर अपनी मंशा जाहिर करने के बाद पेट्रोल की बोतल और माचिस की डिब्बी लेकर गन पार्क पहुंचा। सतर्क पुलिस अधिकारी ने हस्तक्षेप किया और उसे हिरासत में ले लिया। कई ब्राह्मण समुदाय के नेता घटनास्थल पर जमा हुए और शर्मा से आग्रह किया कि वे ऐसा चरम कदम न उठाएं। पूर्व एमएलसी सुरभि वाणी देवी और पूर्व केंद्रीय मंत्री समुद्राला वेणुगोपाला चारी ने भी उनसे आत्महत्या का प्रयास वापस लेने की अपील की। नेताओं ने दलितों और ब्राह्मण समुदाय के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों के लिए श्रीनिवास से माफी मांगने की मांग की और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से उन्हें पद से हटाने का आग्रह किया।

मवेशी तस्करी गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार

आदिलाबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को नेराडिगोंडा में अवैध रूप से मवेशियों की तस्करी करने और टोल प्लाजा के कर्मचारी की हत्या की कोशिश करने के आरोप में एक अंतर-राज्यीय गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इन छह लोगों से 47 गायें, एक ट्रक और गांजा ज़ब्त किया। तीन और आरोपी अभी भी फरार हैं। इकोडा रूरल इंस्पेक्टर रमेश ने कहा कि मोहम्मद शफी और गोपाल सिंह शेखावत (दोनों थाटीगुडा से) और फिरदौस, मोहम्मद हैदर अली, भीमराव सेवतकर और संदीप मुप्पिडिवार (चारों नागपुर से) को मवेशियों की तस्करी और रोलममाडा टोल प्लाजा पर एक कर्मचारी की हत्या की कोशिश में उनकी भूमिका के लिए पकड़ा गया। मोहम्मद मज़हर, राजू और जगदीश अभी भी फरार हैं। पूछताछ के दौरान, उन्होंने स्वीकार किया कि वे एक जीप को पायलट वाहन के तौर पर इस्तेमाल करके नागपुर से महाराष्ट्र के सतारा तक कंटेनर में मवेशियों को ले जा रहे थे। उन्होंने बताया कि 1 सितंबर को जब टोल प्लाजा के कर्मचारी ने वाहन को रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने डिवाइडर से टक्कर मारी और कर्मचारी पर हमला करने के बाद वे भाग गए।

24.49 लाख रुपये की नकद चोरी का मामला सुलझा

बेकरी का पूर्व कर्मचारी गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने कट्टेदान स्थित एक बिस्किट कंपनी के कार्यालय से लगभग 24.49 लाख रुपये नकद की चोरी के सिलसिले में 28 वर्षीय एक पूर्व बेकरी कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अनिल नागराव कांबले के रूप में हुई, जो श्री राम कॉलोनी, जलपल्ली में रहने वाला एक मजदूर और सहायक है। पुलिस के अनुसार, हर्ष बेकर्स बिस्किट कंपनी के कैशियर ने 31 अगस्त की शाम को परिसर को बंद करने और चाबियां सुरक्षा गार्ड को सौंपने से पहले कार्यालय के लॉकर में लगभग 24 से 25 लाख रुपये रखे थे। अगली सुबह, कर्मचारियों ने देखा कि दफ्तर का दरवाजा, अलमारी और लॉकर टूटे हुए थे और नकदी गायब थी। मैलार्देवपल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने विशेष टीमें गठित कीं और संदिग्ध की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज और गवाहों से पूछताछ की। जांच के दौरान, कामले का पता चला और उसने कथित तौर पर अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने बाद में उसके घर से 24,49,500 रुपये और एक मोबाइल फोन बरामद किया।

बंजारा हिल्स में नेचर क्लब लाइफ सेंटर शुरू

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेचर क्लब स्टूडियोज़ प्राइवेट लिमिटेड ने बंजारा हिल्स, रोड नंबर 3 पर नेचर क्लब लाइफ सेंटर को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। इस नए रूप में तैयार किए गए स्टूडियो को उन लोगों के लिए व्यवस्थित और आसानी से उपलब्ध फिटनेस प्रोग्राम देने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपनी शारीरिक सेहत, ऊर्जा के स्तर और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाना चाहते हैं।

स्टूडियो का उद्घाटन समाजसेवी और एक्टिविस्ट गोपाल बलदवा ने किया। इस मौके पर नेचर क्लब स्टूडियोज़ के सदस्य, फिटनेस के शौकीन, शुभचिंतक और प्रतिनिधि मौजूद थे। गोपाल बलदावा ने इस पहल की सराहना की और समुदाय में स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने में फिटनेस और वेलनेस सेंटरों के महत्व पर ज़ोर दिया।

नेचर क्लब लाइफ सेंटर में योग, हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग और ज़ुम्बा के प्रोफेशनल सेशन होंगे। इन प्रोग्राम्स को सेहत के अलग-अलग पहलुओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिनमें लचीलापन, ताकत, स्टैमिना, वज़न प्रबंधन, कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस, तनाव कम करना और मानसिक स्वास्थ्य शामिल हैं।

सुबह के सेशन योग के लिए होंगे और ये सुबह 6:00 बजे से 9:00 बजे तक चलेंगे। यह प्रोग्राम प्रतिभागियों को बेहतर लचीलेपन, बेहतर एकाग्रता और शारीरिक व मानसिक संतुलन के साथ अपने दिन की शुरुआत करने में मदद करेगा।

शाम के शेड्यूल में शाम 6:00 बजे से 8:00 बजे तक ऊर्जावान एचआईआईटी और ज़ुम्बा सेशन शामिल होंगे। यह सेशन फंक्शनल स्ट्रेंथ, सहनशक्ति, फैट कम करने और समग्र कंडीशनिंग पर केंद्रित होंगे। ज़ुम्बा में फिटनेस के साथ संगीत और डांस का मेल होगा, जिससे प्रतिभागियों को एक मज़ेदार और आकर्षक कार्डियोवैस्कुलर वर्कआउट मिलेगा। बंजारा हिल्स सेंटर का मकसद एक दोस्ताना, प्रेरित करने वाला और समुदाय-केंद्रित माहौल बनाना है, जिसमें सदस्य प्रोफेशनल मार्गदर्शन में अपने व्यक्तिगत स्वास्थ्य लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें।

इस मौके पर स्टूडियोज़ के मैनेजमेंट ने कहा कि यह दोबारा शुरुआत हैदराबाद के बीचों-बीच उच्च गुणवत्ता वाली फिटनेस और वेलनेस सेवाएं प्रदान करने की उनकी नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह सेंटर सिर्फ़ एक्सरसाइज़ पर ही नहीं, बल्कि सदस्यों को लगातार अभ्यास, एक्सपर्ट की देखरेख और सहयोगी माहौल के ज़रिए ज़्यादा हेल्दी, एक्टिव और बैलेंस्ड लाइफ़स्टाइल अपनाने में मदद करने पर भी ध्यान देगा। नए बैच के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं।

कांग्रेस का लक्ष्य राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना : विवेक

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा और खान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस पार्टी में सभी का लक्ष्य राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंने कहा कि उनका साझा उद्देश्य व्यक्तिगत या राजनीतिक मतभेदों के लिए कोई जगह छोड़े बिना पार्टी को मजबूत करना और राहुल गांधी के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की सरकार बनाना है। शुक्रवार को मंचरियाल में मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार जन कल्याण और विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढ़ रही है।

विवेक ने कहा, सत्ता में आने के महज एक साल के भीतर ही कांग्रेस सरकार ने 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ कर दिए और इसके लिए 23,000 करोड़ रुपये खर्च किए। उन्होंने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, गरीबों को उत्तम अनाज चावल का वितरण, राजीव आरोग्यश्री के तहत 10 लाख रुपये तक का मुफ्त चिकित्सा उपचार और नई पेंशन और राशन कार्डों की मंजूरी जैसी पहलों पर प्रकाश डाला। विवेक वेंकटस्वामी ने दो बेडरूम वाले आवास योजना की उपेक्षा करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस सरकार पहले ही 2 लाख इंदिराम्मा घरों को मंजूरी दे चुकी है। युवा रोजगार के विषय पर मंत्री जी ने कहा कि सरकार युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित आधुनिक कौशल से लैस कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य भर में 65 उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित किए गए हैं और पॉलिटेक्निक कॉलेजों के विकास पर 800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि पॉलिटेक्निक छात्रों के लिए ईसीईटी परीक्षा के माध्यम से इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में लेटरल एंट्री जारी रहेगी, फीस में वृद्धि नहीं की जाएगी और छात्रों को 2,500 रुपये का वजीफा प्रदान किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

10,000 रन की लिस्ट में 3-4 और भारतीय खिलाड़ियों को देखना चाहती हूं : स्मृति मंधाना

दुबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने दुबई में टी20 फॉर्मेट में खेले जा रहे महिला एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ खेले गए मैच में 64 गेंदों पर 124 रनों की पारी खेली।

अंतरराष्ट्रीय टी20 में मंधाना का यह दूसरा और ओवरऑल 18वां शतक था। मंधाना अब अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। स्मृति मंधाना का भारत में महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में बड़ा योगदान रहा है। मंधाना ने तीनों ही फॉर्मेट में अपनी दमदार बल्लेबाजी दर्शकों का ध्यान महिला क्रिकेट की तरफ खींचा है। साथ ही लड़कियों में क्रिकेट खेलने के प्रति रुचि जगाई है। हांगकांग के खिलाफ भारतीय टीम की 137 रन से जीत के बाद मंधाना ने बीसीसीआई द्वारा साझा वीडियो में कहा, मुझे हमेशा लगता था कि यह मेरा काम है। मैंने कभी भी रिकॉर्ड्स और नंबर्स और इंडिया के लिए जीते गए मैचों की संख्या के अलावा किसी और चीज के बारे में नहीं सोचा। यह एक ऐसा पैमाना है जिसे आप वापस लेते हैं। आप यह

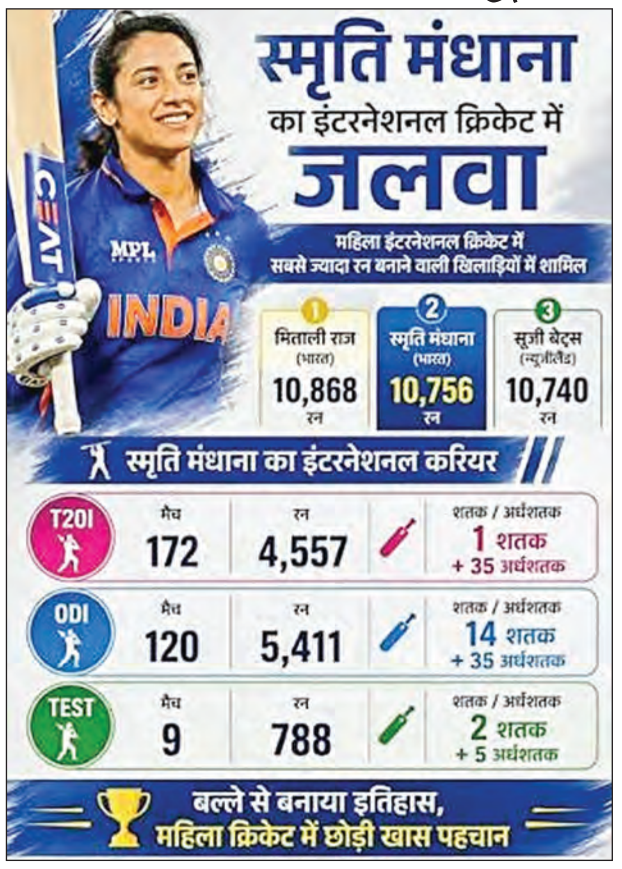

वापस नहीं लेते कि आपने कितने रन या रिकॉर्ड तोड़े हैं।

मंधाना ने कहा, अगर मेरी वजह से दस प्रतिशत लड़कियां भी बैट और बॉल उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा होगा जिस पर मुझे हमेशा गर्व और खुशी होगी। अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का कीर्तिमान हासिल करने पर मंधाना ने कहा, मिताली को देखते हुए बड़ी हुई हूं। वह हर किसी के लिए आदर्श रही हैं। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 10,000 तक पहुंचूंगी और उनसे आगे निकल जाऊंगी। उम्मीद है कि 10,000 की लिस्ट में इंडियन सेट-अप से तीन-चार और खिलाड़ी होंगे और मैं इसी से आंकलन करना चाहूंगी। अगर मैं सवाल पर वापस आऊं, तो टॉप पांच लिस्ट में तीन या चार को साथ रखना बहुत अच्छा होगा, और वहां तीन या चार भारतीय होंगे। मुझे लगता है कि मैं इसी से अपने करियर को आंकूंगी।

स्मृति अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हो गई हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने 10,880 रन बनाए हैं। हांगकांग के खिलाफ मैच में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के 10,868 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा। मंधाना ने अपने खेल में सुधार की बात की। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कहूंगी कि आप एक बल्लेबाज या गेंदबाज के तौर पर कभी पूरे होते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है, तो क्रिकेट हमेशा आपको दिखाएगा कि आप पूरे नहीं हैं।

वर्ल्ड नंबर-4 ओगर-अलियासिम यूएस ओपन से बाहर

50वें नंबर के खाचानोव ने हराया; स्वियातेक और ओसाका तीसरे राउंड में पहुंचीं

न्यूयॉर्क, 4 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में यूएस ओपन 2026 के दूसरे राउंड में उलटफेर हुआ। मेंस सिंगल्स में दुनिया के 50वें नंबर के रूस के करेन खाचानोव ने वर्ल्ड नंबर-4 कनाडा के फेलिक्स ओगर-अलियासिम को 6-7, 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर बाहर कर दिया। पहला सेट गंवाने के बाद खाचानोव ने लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, विमेंस सिंगल्स में इगा स्वियातेक और नाओमी ओसाका भी तीसरे राउंड में पहुंच गई हैं।

ओगर-अलियासिम ने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बना ली थी। खाचानोव ने वापसी करते हुए स्कोर 4-4 किया और पहला सेट टाईब्रेकर तक पहुंचाया। हालांकि, टाईब्रेकर में कनाडाई खिलाड़ी ने सेट जीत लिया।

दूसरे राउंड के इस मुकाबले में इसके बाद खाचानोव ने दबदबा बना लिया। दूसरे सेट में उन्होंने 3-0 की बढ़त बनाकर 6-3 से सेट जीता। तीसरे सेट में 6-2 और चौथे सेट में भी 6-2 से जीत दर्ज कर मैच अपने नाम कर लिया।

राष्ट्रीय खेल महासंघ के गठन की प्रक्रिया शुरू, 17 सितंबर तक मांगे आवेदन

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा योगसाना भारत की मान्यता रद्द करने के बाद खेल मंत्रालय ने योगसाना के लिए नए राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मंत्रालय ने पात्र निकायों से 17 सितंबर तक आवेदन मांगे हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने योगसाना भारत की मान्यता को रद्द करते हुए मंत्रालय को निर्देश दिया था कि संबद्धता प्रदान करने के लिए एक नई प्रक्रिया शुरू की जाए। मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उच्च न्यायालय के नौ जुलाई 2026 के निर्णय के अनुपालन में मंत्रालय योगसाना खेल के लिए राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में मान्यता देने हेतु पात्र निकायों से आवेदन आमंत्रित करता है। सभी पात्र संस्थाओं से अनुरोध है कि वे संलग्न प्रपत्र में आवश्यक सहायक दस्तावेजों सहित आवेदन पत्र मंत्रालय को प्रस्तुत करें। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 17 सितंबर 2026 शाम 5:30 बजे है।

प्रपत्र में 30 प्रश्न शामिल

आवेदन के लिए जारी प्रपत्र में 30 प्रश्न शामिल किए गए हैं। इसमें पदाधिकारियों का विवरण, उनके पद ग्रहण करने की प्रक्रिया, अंतरराष्ट्रीय निकाय के साथ संबद्धता की स्थिति, राज्य या केंद्र शासित प्रदेश स्तर की संबद्ध इकाइयों की सूची और आवेदक महासंघ की पिछले तीन वर्षों की गतिविधियों का ब्यौरा मांगा गया है। योगसाना भारत को 2020 में मंत्रालय द्वारा एनएसएफ (एनएसएफ) के रूप में मान्यता दी गई थी। इस संस्था ने जून महीने में अहमदाबाद में विश्व चैंपियनशिप का आयोजन किया था, जिसमें 70 से अधिक देशों ने भाग लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन संबोधित करते हुए इस टूर्नामेंट का उद्घाटन किया था। भारतीय योग महासंघ (वाईएफआई) अब इस दौड़ में एक प्रमुख दावेदार है। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया था कि सभी आवेदनों पर राष्ट्रीय खेल प्रशासन (एनएसजी) अधिनियम के तहत विचार किया जाएगा। इस अधिनियम में 15 सदस्यीय कार्यकारी समिति का होना अनिवार्य है, जिसमें कम से कम चार योग्य खिलाड़ी और चार महिलाएं शामिल हों।

भारतीय योग महासंघ दौड़ में आगे

भारतीय योग महासंघ का गठन 1974 में हुआ था। इसका नेतृत्व उद्यमी अनिरुद्ध गुप्ता कर रहे हैं। संस्था का दावा है कि वे पांच दशकों से प्रतिस्पर्धी योगसाना को बढ़ावा देने में अग्रणी रहे हैं। वहीं, योगसाना भारत का नेतृत्व ट्रांस स्टेडिया कंपनी के प्रबंध निदेशक उदित सेठ कर रहे हैं। भारत लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल आयोजनों में योगसाना को शामिल करने के लिए जोर दे रहा है। इसी क्रम में, इस महीने जापान में होने वाले एशियाई खेलों में योगसाना को एक प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है।

भारतीय क्रिकेटर्स का फिटनेस टेस्ट : बुमराह समेत 4 खिलाड़ी 4-9 सितंबर तक प्रैक्टिस मैच खेलेंगे

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह समेत चार खिलाड़ी 4 से 9 सितंबर के बीच प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ 13 सितंबर से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज से पहले इन खिलाड़ियों की फिटनेस का आकलन किया जाएगा। बुमराह के अलावा हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश रेड्डी भी मैच सिमुलेशन में शामिल होंगे। ये मैच बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में तय किए हैं।

फिटनेस क्लीयरेंस मिलने के बाद ही बुमराह खेलेंगे

बुमराह को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। चारों खिलाड़ी अलग-अलग चोटों के कारण भारत के हालिया असाइनमेंट से बाहर रहे हैं। सीओई की मेडिकल टीम ने सिलेक्टर्स को रिपोर्ट दी थी रिपोर्ट के मुताबिक, सीओई को भरोसा है कि चारों खिलाड़ी अफगानिस्तान सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि सीओई की मेडिकल टीम ने पिछले पिछले हफ्ते सिलेक्टर्स को रिपोर्ट दी थी। इसमें कहा गया था कि ये चारों खिलाड़ी क्लिनिकली फिट हैं, लेकिन प्रैक्टिस मैचों में उनका आकलन

किया जाना बाकी है।" लगातार चोटों के बीच सीओई की भूमिका पर सवाल भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने के कारण बीसीसीआई का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी सवालों के घेरे में रहा है। चोटों के चलते टीम को कई मौकों पर पहली पसंद के खिलाड़ियों के बिना मैदान पर उतरना पड़ा है। मुंबई में हुई रिव्यू मीटिंग के बाद बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि खिलाड़ियों के व्यस्त क्रिकेट कैलेंडर का चोटों पर असर हो सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में बेहतर फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) तैयार करते समय खिलाड़ियों को पर्याप्त आराम और तैयारी का समय देने पर ध्यान दिया जाएगा। बुमराह के बैकअप के तौर पर प्रिंस यादव को तैयार रखा गया है। उन्होंने इसी साल जून में भारत के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

टेस्ट वापसी से पहले रेड-बॉल क्रिकेट खेलेंगे बुमराह

बुमराह को रेड-बॉल क्रिकेट खेले करीब एक साल हो चुका है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट चाहता है कि न्यूजीलैंड दौरे पर इस साल के आखिरी में टेस्ट क्रिकेट में वापसी से पहले वे कुछ मैच खेलें।

रिपोर्ट के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट यह सुनिश्चित करना चाहता है कि बुमराह का घुटना फर्स्ट-क्लास क्रिकेट के लंबे स्पेल और मैच के पूरे भार को झेलने के लिए तैयार है।

यूएस ओपन : रायबाकिना ने तीसरे दौर में जगह बनाई

कोको गॉफ भी आगे बढ़ने में रहीं सफल; नंबर एक में पहुंचने के करीब

न्यूयॉर्क, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना और अमेरिका की कोको गॉफ ने यूएस ओपन 2026 में महिला एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। रायबाकिना ने जेसिका बौजास मानेरो को, जबकि गॉफ ने पाउला बडोसा को हराकर तीसरे राउंड में प्रवेश किया। जीत के साथ ही रायबाकिना और गॉफ नंबर 1 रैंक के और करीब पहुंच गई हैं। रायबाकिना ने जेसिका बौजास मानेरो को सीधे सेटों में हराते हुए तीसरे राउंड में जगह बनाई। दूसरे सेट में 5-3 पर मैच सर्व करने में नाकाम रहने और टूर्नामेंट का उनका पहला सर्विस गेम गंवाने के बावजूद रायबाकिना ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में अपने

चौथे ब्रेक के साथ वापसी करते हुए जीत हासिल की। पिछले यूएस ओपन में चौथे राउंड तक पहुंची रायबाकिना का इस बार तीसरा राउंड में यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा से मुकाबला होगा। दोनों की मुलाकात फ्रेंच ओपन के दूसरे राउंड में हुई थी, जिसे स्टारोडुबत्सेवा ने जीता था। सेमीफाइनल में पहुंचते ही शीर्ष पर आ जाएंगी गॉफ कोको गॉफ भी तीसरे राउंड में पहुंचने के साथ दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनने के करीब आ गई हैं। उन्हें इसके लिए कम से कम सेमीफाइनल तक पहुंचना होगा। गॉफ ने दूसरे राउंड के लिए हुए मुकाबले में स्पेन की पाउला बडोसा को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के तीसरे राउंड में जगह बनाई।

अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल में

लंदन स्क्वाश क्लासिक में नेले गिलिस को दी मात
अब शिवसंगरी से होगा सामना

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महिला विश्व नंबर 20 अनाहत सिंह ने बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर 11 नेले गिलिस को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से शिकस्त दी। इसी के साथ अनाहत लंदन स्क्वाश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत ने 1,44,000 डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए गोल्ड इवेंट के दूसरे दौर में आठवीं सीड गिलिस को 13-11, 4-11, 11-8 से हराया। यह मुकाबला 39 मिनट तक चला, जो टूर पर दोनों के बीच पहली भिड़ंत थी। 18 वर्षीय अनाहत सिंह 2021 के बाद पीएसए गोल्ड-लेवल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर 8 सीड गिलिस को हराया, जो पिछले साल लंदन क्लासिक के फाइनल में पहुंची थीं। 'एली पैली' में मौजूद दर्शकों को कई जबरदस्त रैलियां देखने को मिलीं। अनाहत ने पहला गेम जीता, लेकिन वापसी करती गिलिस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हालांकि, अनाहत अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोर्ट के पिछले हिस्से में रखने और 'टी' (कोर्ट का केंद्र) पर अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रहीं।

अजीत सिंह यादव और फिरोज पालिया ने देश का नाम रोशन किया

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में जिस खेल ने पिछले पांच वर्षों में सबसे ज्यादा लोकप्रियता हासिल की है और दर्शकों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है, उसमें जैवलिन शीर्ष पर है। नीरज चोपड़ा ने देश के शीर्ष जैवलिन एथलीट हैं और उन्होंने 2 ओलंपिक पदक जीत देश का नाम रोशन किया है। पैराएथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने जैवलिन में देश का नाम रोशन किया है। इसमें सबसे चमकदार नाम अजीत सिंह यादव का है।

अजीत सिंह यादव का जन्म उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में 5 सितंबर 1993 को हुआ था। 2017 में हुई एक ट्रेन दुर्घटना में अपने दोस्त अंशुमन सिंह की जान बचाने की कोशिश में अजीत ने अपना बायां हाथ खो दिया। बाएं हाथ की कोहनी के नीचे का हिस्सा कट गया। इस हादसे ने उनके जीवन को बदल दिया। निराश होकर बैठने की जगह अजीत ने अपनी

अजीत सिंह यादव

कमजोरी को ताकत बनाया और जैवलिन खेल में अपनी प्रतिभा को निखारा। दृढ़ संकल्प और कठिन मेहनत के बल पर जैवलिन में उन्होंने देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित किया। अजीत ने 2024 में पेरिस में आयोजित पैरालंपिक खेलों में एफ46 श्रेणी में जैवलिन थ्रो में 65.62 मीटर की दूरी के साथ रजत पदक जीता। 2022 में एशियन पैरा गेम्स में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। विश्व पैरा चैंपियनशिप 2024 में कांस्य, 2023 में स्वर्ण, 2019 में कांस्य जीता। 2019 में बीजिंग में आयोजित विश्व पैरा ग्रैंड प्रिक्स में स्वर्ण और 2021 में दुबई में आयोजित विश्व पैरा ग्रैंड प्रिक्स में भी उन्होंने स्वर्ण जीता था। सभी इवेंट में उन्होंने एफ46 केटेगरी में हिस्सा लिया था। अजीत सिंह यादव को भारत सरकार ने 2025 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया था। भारत में क्रिकेट सबसे लोकप्रिय खेल है। करोड़ों युवा भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलना चाहते हैं। कुछ को मौका मिलता है, कुछ कम मिलता है, कुछ बिल्कुल नहीं मिलता। फिरोज एडुल्जी पालिया, जिन्हें फिरोज पालिया भी कहा जाता है जो भारतीय टीम की तरफ से 2 टेस्ट खेलने का मौका मिला था। 5 सितंबर 1910 को बॉम्बे (अब मुंबई) में हुआ था।

त्रिसा-गायत्री के कोच का नाम एशियन गेम्स लिस्ट में नहीं

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम की आधिकारिक कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ लिस्ट में त्रिसा- जॉली और गायत्री गोपीचंद के कोच बी. सुमित रेड्डी का नाम शामिल नहीं है। त्रिसा-गायत्री ने अगस्त में नई दिल्ली में हुई वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को 15 साल बाद विमेंस डबल्स में मेडल दिलाया था। ऐसे में एशियन गेम्स से पहले जोड़ी के डेडिकेटेड कोच का टीम के साथ नहीं होना अहम है।

मार्च 2025 से जोड़ी के साथ काम कर रहे सुमित

पूर्व ओलिंपियन बी. सुमित रेड्डी ने मार्च 2025 में प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास लिया था। इसके बाद से वह हैदराबाद की पुलेला गोपीचंद अकादमी में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को ट्रेनिंग दे रहे हैं। वह अकादमी में अन्य विमेंस डबल्स खिलाड़ियों के साथ भी काम करते हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी सुमित रेड्डी ट्रीसा-गायत्री के कोचिंग कॉर्नर में चीफ कोच पुलेला गोपीचंद के साथ मौजूद थे। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान जोड़ी की रणनीति और खेल में सुधार को लेकर काम किया था।

चाइना मास्टर्स : किदांबी श्रीकांत का सफर खत्म, हांगकांग के ली चेउक यियू से हारे

शेन्जेन, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय स्टार किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स में सफर समाप्त हो गया। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हांगकांग के ली चेउक यियू के हाथों श्रीकांत टूर्नामेंट से बाहर हो गए। श्रीकांत को शेन्जेन एरिना में ली के हाथों 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत का तीन साल में यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 या उससे ऊपर के इवेंट में पहला क्वार्टर फाइनल था। श्रीकांत के बाहर होने के साथ ही भारत के पदक जीतने की एक और उम्मीद कहीं न कहीं टूट गई। ली के खिलाफ श्रीकांत की यह चौथी लगातार हार थी। भारतीय खिलाड़ी 2018 इंडिया ओपन के पहले राउंड में ली के खिलाफ एकमात्र जीत हासिल कर सके हैं। प्री-क्वार्टर में, श्रीकांत ने कनाडा के वर्ल्ड नंबर 9 और हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराकर हैरान कर दिया था। उन्होंने पहले राउंड में चीनी ताइपे के वर्ल्ड नंबर 21 ची यू-जेन को सिर्फ 35 मिनट में 21-16, 21-15 से हराया था। बाद में, पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, जो 750 इवेंट में अकेली भारतीय चुनौती बची हैं, सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए डेनमार्क की जोड़ी किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन से भिड़ेंगी।

अनुबंध को लेकर नहीं हुई चर्चा, अनुपस्थिति ने बढ़ाई अटकलें

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को मुंबई में समीक्षा बैठक बुलाई थी। इस महत्वपूर्ण बैठक में वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के क्रिकेट निदेशक वीवीएस लक्ष्मण सहित शीर्ष बीसीसीआई अधिकारी शामिल हुए थे।

लेकिन मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर इस बैठक में शामिल नहीं थे जिसके लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

किसे लेकर बुलाई गई थी बैठक?

भारत को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में 0-2 से चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद इंग्लैंड के दौरे पर उसे पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से हार झेलनी पड़ी और वनडे सीरीज भी 1-2 से गंवानी पड़ी। इसकी समीक्षा को लेकर

बीसीसीआई ने बैठक बुलाई थी। लेकिन अगरकर के इसमें शामिल नहीं होने को लेकर तरह-तरह की बातें की जा रही हैं। मालूम हो कि चयनकर्ता के तौर पर अगरकर का कार्यकाल खत्म होने वाला है। चूंकि अगरकर ने बीसीसीआई की बैठक में हिस्सा नहीं लिया इस कारण उनके अनुबंध विस्तार को लेकर चर्चा नहीं हो सकी।

सैकिया ने अगरकर के नहीं जुड़ने का कारण बताया

बीसीसीआई मुख्यालय में बोर्ड द्वारा बुलाई गई इस समीक्षा बैठक के बारे में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि इसे काफी कम समय के नोटिस पर बुलाया गया था।

सैकिया के अनुसार, आगरकर शहर से बाहर थे और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी इस बैठक में नहीं जुड़ सके। सैकिया ने बताया कि शहर से बाहर होने के कारण अगरकर इस बैठक का हिस्सा नहीं बन सके क्योंकि यह बैठक बहुत कम समय के नोटिस पर बुलाई गई थी। उन्होंने कहा, हमारे चयन समिति के प्रमुख अजीत शहर में नहीं थे इसलिए वह इसमें शामिल नहीं हो पाए। वह ऐसी जगह पर थे कि हमारी पूरी कोशिशों के बावजूद ऑनलाइन भी नहीं जुड़ सके।

सितंबर के अंत तक है अगरकर का कार्यकाल

बीसीसीआई सचिव ने साफ किया कि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, जिनका अनुबंध सितंबर के अंत तक है उनके अनुबंध के विस्तार को लेकर बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई।

सैकिया ने अनुबंध के विस्तार के मामले पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि इस बैठक में ऐसा कोई विचार-विमर्श नहीं हुआ। बीसीसीआई सचिव ने कहा कि समीक्षा बैठक का पूरा ध्यान केवल आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरों के प्रदर्शन के साथ-साथ खिलाड़ियों की फिटनेस और बार-बार होने वाली चोटों के मामलों पर केंद्रित था।

श्रीलंका के कप्तान मेंडिस टी-20 सीरीज से बाहर

कोलंबो, 4 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के लिमिटेड ओवर्स कप्तान कुसल मेंडिस इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। मेंडिस को दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है। 31 साल के मेंडिस के वनडे सीरीज में खेलने पर अभी फैसला नहीं हुआ है। चरिथ असलंका टी-20 सीरीज में श्रीलंका की कप्तानी करेंगे। श्रीलंका के तेज गेंदबाज विनुरा फर्नांडो भी चोट से उबरने के लिए चल रही रिहैबिलिटेशन के कारण टी-20 सीरीज नहीं खेलेंगे। एसएलसी ने बताया कि फर्नांडो को पीठ में चोट लगी है।

दो खिलाड़ियों की जगह नए नाम

एसएलसी ने मेंडिस और फर्नांडो की जगह पवन रथनायके और दिलशान मदुशंका को टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच पहला टी-20 मैच 15 सितंबर को साउथम्पटन में खेला जाएगा। दूसरा मैच इसके दो दिन बाद 17 सितंबर को कार्डिफ में होगा। सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 19 सितंबर को मैनचेस्टर में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज 22 सितंबर से चेस्टर-ले-स्ट्रीट में शुरू होगी। दूसरा वनडे 24 सितंबर को हेडिंग्ले और तीसरा मैच 27 सितंबर को द ओवल में खेला जाएगा।

सीएम रेवंत रेड्डी ने मद्दूर में विकास कार्यों का निरीक्षण किया

मार्च तक डिग्री कॉलेज भवन का निर्माण पूरा करने के निर्देश

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को नारायणपेट जिले के कोडंगल विधानसभा क्षेत्र में स्थित मद्दूर नगरपालिका का दौरा किया और चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। हैदराबाद से विशेष हेलीकॉप्टर से मद्दूर पहुंचने के बाद, मुख्यमंत्री ने सबसे पहले डिग्री कॉलेज भवन के निर्माण का निरीक्षण किया। डब्लूआईडीसी के प्रबंध निदेशक गणपति रेड्डी ने उन्हें परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चार एकड़ भूमि पर 13,670 वर्ग फुट के निर्मित क्षेत्र में तीन मंजिला इमारत का निर्माण किया जा रहा है।

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को कॉलेज भवन से सटी और मुख्य सड़क के सामने वाली अतिरिक्त भूमि का सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने नारायणपेट जिला कलेक्टर प्रियंका को निर्देश दिया कि यदि भूमि निजी संपत्ति पाई जाती है तो उसे मालिक से अधिग्रहित कर लिया जाए और कॉलेज के चारों ओर एक चारदीवारी का निर्माण किया जाए ताकि उसे एक विशाल परिसर मिल सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मार्च तक डिग्री कॉलेज भवन का निर्माण पूरा कर लें और अगले शैक्षणिक वर्ष से कक्षाएं शुरू करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करें।

इसके बाद उन्होंने आवासीय विद्यालय और महाविद्यालय भवनों के निर्माण का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्यों को पूरा करें और सुविधाओं को उपयोग के लिए तैयार करें। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जिन लोगों ने गुरुकुल (आवासीय विद्यालय) भवनों के निर्माण के लिए भूमि दान की थी, उन्हें इंदिराम्मा आवास स्वीकृत किए जाएं। मुख्यमंत्री का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक, कांग्रेस नेता और पार्टी कार्यकर्ता एकत्रित हुए और उन्होंने विकास कार्यों का निरीक्षण करते समय उनसे बातचीत की।

तेलंगाना डाक अदालत 16 सितंबर को

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पोस्टल सर्कल 16 सितंबर को दोपहर 12 बजे वर्चुअल माध्यम से राज्य स्तरीय डाक अदालत का आयोजन करेगा, जिसमें विशेष रूप से इंडिया पोस्ट की ग्राहक सेवाओं से संबंधित जनता की शिकायतों और समस्याओं को सुना जाएगा। तेलंगाना के नागरिक 9 सितंबर तक अपनी शिकायतें ऑफलाइन या ऑनलाइन माध्यम से जमा कर सकते हैं। ऑफलाइन शिकायतें सुश्री एस विजया ज्योति, सहायक निदेशक (सीएस), मुख्य डाक महालेखाकार कार्यालय, तेलंगाना सर्कल, हैदराबाद-500001 को संबोधित होनी चाहिए, और लिफाफे पर 'डाक अदालत; अंकित होना चाहिए। ऑनलाइन शिकायतें 9 सितंबर को शाम 5.45 बजे तक ईमेल की जा सकती हैं। शिकायतकर्ताओं को संचार हेतु अपना मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी या पता देना होगा और उन्हें शिकायत दर्ज करने के लिए केवल एक ही माध्यम चुनना होगा। कर्मचारियों से संबंधित मामले, सेवा संबंधी मुद्दे और अदालतों में लंबित मामले विचाराधीन नहीं होंगे।

मंत्री ने छत्तीसगढ़ से सम्मक्का सागर परियोजना के लिए एनओसी देने का आग्रह किया

उत्तम कुमार रेड्डी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात की

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने 3 सितंबर को नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात की और उनसे सम्मक्का सरक्का बैराज के लिए शीघ्र अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने का आग्रह किया, जिसे आधिकारिक तौर पर सम्मक्का सागर परियोजना के रूप में जाना जाता है। उत्तम कुमार रेड्डी ने छत्तीसगढ़ से सहयोग मांगा ताकि तेलंगाना बांध के पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) तक पानी का भंडारण कर सके और इसके इच्छित सिंचाई लाभों को प्राप्त कर सके। बैठक के दौरान मंत्री ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि तेलंगाना परियोजना के कारण पड़ोसी राज्य में डूबने वाली जमीन और घरों के लिए पूरा मुआवजा देगा।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना मुआवजे की राशि देने और छत्तीसगढ़ के साथ लंबित मुद्दों को हल करने के लिए तैयार है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, तेलंगाना छत्तीसगढ़ में डूबने वाली जमीन और घरों के लिए पूरा मुआवजा देगा।

हम राज्य सरकार से अनुरोध करते हैं कि हमें बांध में पूरा पानी जमा करने में सक्षम बनाने के लिए जल्द से जल्द एनओसी जारी करें। मुलुगु जिले के कन्नाइगुडेम मंडल के तुपाकुलगुडेम में गोदावरी नदी पर निर्मित यह बांध 1,143 मीटर लंबा है और इसमें 59 रेडियल गेट हैं। इसकी डिज़ाइन की गई भंडारण क्षमता 83 मीटर से अधिक के जलस्तर स्तर पर 6.94 टीएमसी है और इसमें सिंचाई के लिए गोदावरी के 46.96 टीएमसी पानी को मोड़ने की परिकल्पना की गई है।

इस परियोजना का प्रमुख उद्देश्य श्रीराम सागर परियोजना (एसआरएसपी) के द्वितीय चरण के अंतर्गत 44 लाख एकड़ भूमि को स्थिर करना है, जहां मूल स्रोत से जल आपूर्ति अपर्याप्त रही है। इसके अलावा, रामप्पा-पखाल लिंक नहर के माध्यम से 30,000 एकड़ के नए क्षेत्र को सिंचाई सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इस परियोजना में देवदुला लिफ्ट सिंचाई योजना के अंतर्गत आने वाले सिंचाई क्षेत्र के एक हिस्से को स्थिर करने और मार्ग में स्थित गांवों की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने की भी परिकल्पना की गई है। प्रस्तावित एसआरएसपी स्टेज-II के लाभ सूर्यापेट में 2,34,199 एकड़, महबूबबाद में 96,494 एकड़, खम्मम में 85,774 एकड़, वारंगल में 22,422 एकड़ और जनगांव जिले में 1,111 एकड़ भूमि को कवर करते हैं। रामप्पा-पाखल लिंक नहर के अंतर्गत आने वाले अतिरिक्त कृषि क्षेत्र में मुलुगु में 8,000 एकड़ और वारंगल जिले के नरसाम्पेट निर्वाचन क्षेत्र में 22,000 एकड़ भूमि शामिल है।

आंगनवाड़ी केंद्र में मिड-डे मील में कनेर के पत्ते मिले, पांच लोग बीमार

खम्मम, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में जिले के साथुपल्ली मंडल के किश्तराम में आंगनवाड़ी केंद्र-3 में मिड-डे मील में कनेर (गन्नेरु) के पत्ते मिलने का मामला सामने आया।

बताया गया कि तीन दिन पहले कृष्णकुमारी आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को परोसी गई दाल में कनेर के पत्ते मिले थे। दाल खाने के बाद दो महिलाएं - स्वप्ना और कुमारी - और बच्चे - रियांस, यशवंत और तन्मयी - बीमार पड़ गए।

उन्हें तुरंत साथुपल्ली सरकारी अस्पताल ले जाया गया; वहां शुरुआती इलाज के बाद, बच्चों को बेहतर इलाज के लिए खम्मम के सरकारी जनरल अस्पताल में मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया।

तीन दिनों तक इस मामले को बाहर आने दिए बिना खम्मम में बच्चों का इलाज किया जा रहा था। बच्चों के माता-पिता ने मीडिया को बताया कि डॉक्टरों ने बच्चों की ईसीजी रीडिंग में कुछ गड़बड़ी देखी थी और उन्होंने डॉक्टरों से बच्चों को डिस्चार्ज करने का अनुरोध किया ताकि वे किसी प्राइवेट अस्पताल में बेहतर इलाज करा सकें। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि आंगनवाड़ी कर्मचारियों और डॉक्टरों ने इस अनुरोध को ठुकरा दिया।

आंगनवाड़ी केंद्र में खाना बनाने के दौरान सुरक्षा मानकों और बच्चों को परोसे गए खाने में कनेर के पत्ते कैसे आ गए, इस पर सवाल उठाए जा रहे थे। माता-पिता संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे। साथुपल्ली इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज स्कीम की चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट ऑफिसर सत्यवती ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

सिग्नल प्रणाली के उन्नयन से कई ट्रेनें प्रभावित

कुछ रद्द और कई के मार्ग में बदलाव

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। काजीपेट-बल्हारशाह रेलखंड में जम्मीकुंटा और पोटकापल्ली स्टेशनों के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली शुरू करने के लिए गैर-अंतर्संबंधीकरण कार्य किया जाएगा। इस कार्य के कारण 9 और 10 सितंबर को इस मार्ग से गुजरने वाली कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रभावित ट्रेनों को रद्द करने, आंशिक रूप से रद्द करने, पुनर्निर्धारित करने तथा नियंत्रित करने का निर्णय लिया गया है। 10 सितंबर को दो ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी। इनमें ट्रेन संख्या 17003 काजीपेट-सिरपुर टाउन और ट्रेन संख्या 17004 बल्हारशाह-काजीपेट शामिल हैं। इसके अलावा ट्रेन संख्या 17033 भद्राचलम-बल्हारशाह को वारंगल-बल्हारशाह के बीच आंशिक रूप से रद्द किया गया है, जबकि ट्रेन संख्या 17034 सिरपुर टाउन-भद्राचलम रोड का सिरपुर टाउन-वारंगल के बीच परिचालन नहीं होगा।

ट्रेन संख्या 17011 हैदराबाद-सिरपुर कागजनगर का काजीपेट-सिरपुर कागजनगर तथा ट्रेन संख्या 17012 सिरपुर कागजनगर-बिदर का सिरपुर कागजनगर-काजीपेट के बीच परिचालन आंशिक रूप से रद्द रहेगा। तीन ट्रेनें 60 मिनट देरी से चलेंगी। 10 सितंबर को ट्रेन संख्या 17233 सिकंदराबाद-सिरपुर कागजनगर, 67771 सिरपुर टाउन-करीमनगर और 67773 करीमनगर—बोधन को निर्धारित समय से 60 मिनट विलंब से पुनर्निर्धारित किया गया है।

वहीं, चार ट्रेनों को नियंत्रित किया जाएगा। 9 सितंबर को ट्रेन संख्या 22365 दानापुर-एसएमवीटी बेंगलुरु को 75 मिनट और ट्रेन संख्या 22366 एसएमवीटी बेंगलुरु-दानापुर को 45 मिनट नियंत्रित किया जाएगा। ट्रेन संख्या 12622 नई दिल्ली-चेन्नई सेंट्रल को 9 सितंबर को 30 मिनट तथा ट्रेन संख्या 16031 चेन्नई सेंट्रल-एसएमवीडी कटरा को 10 सितंबर को 30 मिनट नियंत्रित किया जाएगा। दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपनी संबंधित ट्रेन के परिचालन की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर यात्रा की योजना बनाएं।

एससीसीएल का प्रतिदिन 1.90 लाख टन कोयले के उत्पादन और परिवहन का लक्ष्य तय

सीएमडी की निदेशकों और महाप्रबंधकों के साथ कोयला उत्पादन पर समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। बिजली की बढ़ती मांग और ईंधन आपूर्ति समझौतों (एफएसए) के अंतर्गत आने वाले ताप विद्युत स्टेशनों को पर्याप्त कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने की आवश्यकता को देखते हुए, सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति ने सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधकों को प्रतिदिन 1.90 लाख टन कोयले का उत्पादन और परिवहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति ने शुक्रवार को यहां सिंगारेणी भवन में कंपनी के सभी सिंगारेणी क्षेत्रों के निदेशकों और महाप्रबंधकों के साथ कोयला उत्पादन पर एक विशेष समीक्षा बैठक की। बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में बिजली की खपत में काफी वृद्धि हुई है।

इस स्थिति को देखते हुए, प्रधानमंत्री कार्यालय, केंद्रीय कोयला मंत्रालय, भारत सरकार और राज्य ऊर्जा विभाग तापीय ऊर्जा संयंत्रों को पर्याप्त कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा कर रहे हैं और लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं। सीएमडी ने महाप्रबंधकों को कोयला उत्पादन और परिवहन बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया, और कहा कि देश की ऊर्जा सुरक्षा के व्यापक हित में पर्याप्त कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकारी स्वामित्व वाली कोयला कंपनियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने अब तक आवंटित क्षेत्रवार लक्ष्यों की समीक्षा की और प्राप्त प्रगति का आकलन किया। उन्होंने महाप्रबंधकों को उचित कार्य योजना तैयार करने और अपने-अपने क्षेत्रों के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु सभी आवश्यक उपाय करने का निर्देश भी दिया। अधिकारियों ने बैठक को सूचित किया कि 31 अगस्त तक चालू वित्तीय वर्ष के पांच महीने पूरे हो चुके हैं और एससीसीएल ने 253 लाख टन कोयले का परिवहन किया है। परिवहन किए गए कोयले का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा थर्मल पावर स्टेशनों को आपूर्ति किया गया।

आवारा कुत्तों के हमले से 95 साल के बुजुर्ग की मौत

मंचेरियल, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक दिल दहला देने वाली घटना में डंडेपल्ली में आवारा कुत्तों ने 95 साल के एक बुजुर्ग पर हमला कर उनकी जान ले ली, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

स्थानीय लोगों और पुलिस ने बताया कि ओरुगंती पोशम पर चार कुत्तों के झुंड ने तब हमला किया जब वह अकेले थे, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्हें बहुत ज़्यादा खून बहने के कारण मौके पर ही दम तोड़ना पड़ा। घटना के समय उनकी देखभाल करने वाला कोई भी व्यक्ति वहां मौजूद नहीं था।

पोशम लंबे समय से उम्र से जुड़ी कई बीमारियों के कारण बिस्तर पर ही रहते थे। पत्नी की मौत के बाद से वह अकेले रह रहे थे। उनका बेटा रोज़ी-रोटी की तलाश में करीमनगर चला गया था। उनकी देखभाल उनके भाई का परिवार करता था, जो उनके घर से थोड़ी दूर रहते थे। इस बीच, स्थानीय लोगों ने आवारा कुत्तों के खतरे पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सड़कों पर घूमने वाले आवारा कुत्ते लगातार लोगों पर हमले कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से इस समस्या से निपटने और हमलों को रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की।

उमेश चंद्र पुलिस बल के लिए एक अमिट प्रेरणा बने रहेंगे: सज्जनार

हैदराबाद, 4 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने दिवंगत आईपीएस अधिकारी उमेश चंद्र को सत्यनिष्ठा, निष्ठा और साहस का प्रतीक और एक उत्कृष्ट पुलिस नेता बताया, जिन्होंने पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश और राष्ट्र को गौरवान्वित किया। सज्जनार ने कहा कि उमेश चंद्र पुलिस बल के लिए प्रेरणा का एक स्थायी स्रोत बने रहे और उन्होंने पुलिस बल और समाज के लिए उनकी विशिष्ट सेवा और सर्वोच्च बलिदान को याद किया। उमेश चंद्र की 27वीं पुण्यतिथि के अवसर पर, सज्जनार ने शुक्रवार को एसआर नगर चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। डीजीपी (ऑपरेशन, ग्रेहाउंड्स और ऑक्टोपस) डॉ. अनिल कुमार और उमेश चंद्र के परिवार के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए सज्जनार ने कहा कि उमेश चंद्र के साथ थोड़े समय के लिए ही सही, काम करना उनके लिए सौभाग्य की बात थी। उन्होंने उमेश चंद्र के माता-पिता, भाई और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को भी याद किया।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि इलाके के लोग दिवंगत अधिकारी की ईमानदारी, कुशल प्रशासन और कर्तव्यनिष्ठा के लिए उन्हें आज भी याद करते हैं। सज्जनार ने आंध्र प्रदेश के पूर्ववर्ती राज्य में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले एक प्रतिष्ठित पुलिस नेता के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। सज्जनार ने कहा कि समाज में आज जो शांतिपूर्ण वातावरण और स्थिर कानून-व्यवस्था है, वह उमेश चंद्र जैसे शहीदों के बलिदान का परिणाम है। उन्होंने पुलिसकर्मियों और जनता से उनके कर्तव्यनिष्ठा के उदाहरण का अनुसरण करने और उनके आदर्शों को कायम रखने का आह्वान किया।

तेलंगाना में नए वोटर्स और एसआईआर के बाद जानकारी में सुधार करवाने वालों को नए एपिक कार्ड मिलेंगे

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नए वोटर्स और जो लोग वोटर लिस्ट में जानकारी में सुधार करवा रहे हैं, उन्हें वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' (एसआईआर) के पूरा होने के तीन महीने बाद नए इलेक्टोरल फोटो आइडेंटिटी कार्ड (एपिक) मिलेंगे। भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) और तेलंगाना का मुख्य निर्वाचन कार्यालय (सीईओ) नए वोटर कार्ड जारी करने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम कर रहे हैं।

तेलंगाना सीईओ के सूत्रों के अनुसार, जो लोग फॉर्म-6 (नए वोटर के तौर पर नाम जुड़वाने के लिए आवेदन) और फॉर्म-6A (विदेश में रहने वाले भारतीय का नाम जुड़वाने के लिए आवेदन) जमा करेंगे, उन्हें एपिक कार्ड मिलेगा।

इसके अलावा, जिन वोटर्स ने फॉर्म-8 (घर का पता बदलना, जानकारी में सुधार, बिना सुधार के एपिक बदलना और पीडब्ल्यूडी वोटर के तौर पर मार्क करना) जमा किया है, उन्हें अपडेटेड जानकारी वाला नया एपिक कार्ड मिलेगा।

साथ ही, जिन वोटर्स के जमा किए गए एन्यूमरेशन फॉर्म (जनगणना फॉर्म) में गड़बड़ियाँ पाई गई हैं – जैसे कि मौजूदा और पिछले एसआईआर के बीच नाम का मेल न होना या उम्र गलत होना – उन्हें भी नए एपिक कार्ड मिलने की संभावना है।

सूत्रों ने कहा, ईसीआई को यह तय करना है कि राज्य के सभी वोटर्स को नए एपिक कार्ड दिए जाएं या नहीं। हालाँकि, जो लोग फॉर्म-6, फॉर्म-6A और फॉर्म-8 जमा करेंगे, उन्हें नया एपिक दिया जाएगा। लेकिन, एसआईआर पूरा होने के बाद इसमें लगभग तीन महीने लगेंगे।

1 अक्टूबर 2026 को या उससे पहले 18 साल के होने वाले युवा वोटर्स को सलाह दी गई है कि वे तय घोषणा-पत्र के साथ फॉर्म-6 भरकर वोटर लिस्ट में नाम शामिल करवाने के लिए आवेदन करें। सूत्रों ने बताया, जो लोग 1 अक्टूबर, 2026 या उससे पहले फॉर्म-6 जमा करेंगे, उन्हें 19 अक्टूबर को जारी होने वाली अंतिम वोटर लिस्ट में शामिल किया जाएगा।

इस बीच, एसआईआर (स्पेशल इलेक्टोरल रोल रिवीजन) के तहत वोटरों को नोटिस भेजने और सुनवाई का काम चल रहा है। नोटिस एक सॉफ्टवेयर के ज़रिए अपने आप तैयार हो रहे हैं; यह सॉफ्टवेयर नाम या दूसरी जानकारी में छोटी-सी गलती होने पर भी उसे पकड़ लेता है।

सरनेम में गड़बड़ी के कारण तेलंगाना के सीईओ सी. सुदर्शन रेड्डी को भेजे गए नोटिस का ज़िक्र करते हुए सीईओ ऑफिस के सूत्रों ने कहा, किसी को भी नोटिस से छूट नहीं है।

चाहे कोई भी हो, जिन वोटरों के डेटा में गड़बड़ी है या जिनका डेटा एसआईआर 2002 की लिस्ट से मैच नहीं हुआ है, उन्हें नोटिस मिलेगा। ऐसे लोगों को ज़रूरी दस्तावेज़ जमा करने होंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.